रांची, सोमवार
05.10.2026
वर्ष : 11, अंक : 303, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के 10 जिलों में आज बिजली गिरने और तेज हवाओं का येलो अलर्ट

रांची। झारखंड के 10 जिलों में सोमवार (5 अक्टूबर) को आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, उनमें देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज, हजारीबाग, कोडरमा और चतरा शामिल हैं। विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों के लिए आठ अक्टूबर तक येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 17.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला युवक गुवाहाटी से गिरफ्तार

गुवाहाटी। तेजपुर के सेना की गजराज मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) से मिली सूचनाओं जानकारी के आधार पर, असम के आईजीपी (एसटीएफ) ने शोणितपुर के एसएसपी के साथ मिलकर उस खुफिया जानकारी पर काम किया और उसे और विकसित किया। यह जानकारी अभिषेक कुमार सिंह द्वारा पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के निर्देशों पर कथित तौर पर की जा रही संदिग्ध राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के बारे में थी। इस खुफिया जानकारी के आधार पर, 3 और 4 अक्टूबर की रात को असम एसटीएफ ने एक अभियान चलाया और अभिषेक कुमार सिंह (31) को गुवाहाटी के सातगांव पुलिस स्टेशन के तहत गांधीनगर में एक किराए के घर से गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण का रहने वाला है। अभियान के दौरान, उसके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद और जब्त किए गए। शुरूआती जांच से जासूसी से जुड़ी गतिविधियों में उसकी कथित संलिप्तता का पता चला है, जिसमें सुरक्षा बलों से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) तक पहुंचाना शामिल है। इसके अनुसार, अभिषेक कुमार सिंह को एसटीएफ पीएस केस नंबर 09/2026 के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली झारखंड की हॉकी खिलाड़ियों ने की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से रविवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की झारखंडी खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इन खिलाड़ियों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग एवं दीपिका सोरेंग शामिल थीं। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से उनके शानदार प्रदर्शन की तैयारियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा अनुभव को जाना। मुख्यमंत्री ने मिठाई खिला कर इस शानदार उपलब्धि के लिए उनकी हौसला अफजाई की और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त कर स्वर्णिम सफलता अर्जित करने में झारखंड की खिलाड़ियों का योगदान राज्य व देश के लिए गौरव व सम्मान की

बात है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और अदम्य जज्बे से देश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि से राज्य के खेल इतिहास में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है।
इन उपलब्धियों से झारखंड के साथ-साथ देश की युवा पीढ़ी, खिलाड़ियों एवं विशेषकर राज्य की बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को आगे भी इसी उत्साह, लगन, परिश्रम व समर्पण के साथ देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है। खिलाड़ियों से विधायक कल्पना सोरेन ने भी मिलकर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।
मौके पर खिलाड़ियों के साथ हॉकी झारखंड के डीजी विजय शंकर सिंह, इंटरनेशनल रेसलिंग कोच-सह-सीईओ झारखंड रजनीश कुमार एवं जेनरल सेक्रेटरी मनोज कुमार प्रसाद भी उपस्थित रहे।

रांची में कोढ़ा गैंग के अपराधी से पुलिस की मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में पिछले कुछ समय से महिलाओं की सुरक्षा पर सेंध लगाने वाले और राह चलते सोने की चेन छीनने वाले खूंखार कोढ़ा गैंग के खिलाफ रांची पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बिहार और झारखंड में आतंक का पर्याय बन चुके कोढ़ा गैंग के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान चुटू गांव के पास फिल्मी अंदाज में हवलदार की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास कर रहे एक बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में पैर में गोली मारी।
शहर में चेन छिनतई की वारदातों को देखते हुए एसएसपी राकेश रंजन ने मामले को काफी गंभीरता से लिया। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों के साथ एक आपातकालीन समीक्षा बैठक की और चेन स्नेचर्स पर नकेल कसने

के सख्त निर्देश जारी किए। अपराधियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया, जो दिन-रात संदिग्धों पर पैनी नजर रख रही थी। इसी दौरान शनिवार को बरियातू थाना और मेसरा ओपी क्षेत्र में फिर से चेन छिनतई की घटनाएं सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम हरकत में आई और निगरानी बढ़ाते हुए रविवार को बिहार के कटिहार जिले के रहने वाले कुख्यात कोढ़ा गैंग के तीन सक्रिय सदस्यों को पकड़ा।
कड़ाई से की गई पूछताछ में तीनों अपराधियों ने रांची जिले में लगभग एक दर्जन छिनतई और लूट के मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी माना कि वे लोगों में खौफ पैदा करने और डराने-धमकाने के लिए जानलेवा हथियारों का इस्तेमाल करते थे। पूछताछ के दौरान अपराधियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने रिंग रोड के पास चुटू गांव के आसपास झाड़ियों में अपने हथियार छिपाकर रखे हैं। रांची पुलिस की टीम तीनों अपराधियों को साथ लेकर छिपाए गए हथियारों की बरामदगी के लिए चुटू गांव की ओर रवाना हुई।
जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, इनमें से एक शातिर अपराधी आकाश यादव उर्फ रंगीला ने अचानक बरियातू थाना के हवलदार रवींद्र कुमार पर हमला कर दिया और उनकी सर्विस पिस्टल छीन ली। पिस्टल छीनते ही आकाश ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी और भागने की कोशिश की। बरियातू थाना प्रभारी ने अपनी और टीम की आत्मरक्षार्थ में तुरंत जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आकाश यादव के पैर में गोली लग गई और वह वहीं गिर पड़ा, जबकि उसके अन्य दो साथियों को पुलिस ने खदेड़कर पकड़ लिया।
घायल बदमाश आकाश यादव को तुरंत इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अपराधियों की निशानदेही पर छिपाकर रखा गया हथियार और कारतूस भी बरामद कर लिया है। पकड़े गए तीनों अपराधी बिहार के कटिहार जिले के कुख्यात कोढ़ा गैंग से जुड़े हैं। गिरफ्तार अपराधियों में आकाश यादव उर्फ रंगीला, अमन कुमार यादव, कार्तिक यादव उर्फ दिनेश शामिल है।
पुलिस की प्राथमिक जांच और पूछताछ में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इन तीनों अपराधियों पर बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों में आर्म्स एक्ट, लूट और चेन छिनतई जैसे 40 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। यह गैंग सिर्फ रांची तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इन्होंने हजारीबाग, रामगढ़ और धनबाद में भी 12 से अधिक चेन छिनतई की वारदातों को अंजाम दिया था।
एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि इन तीनों अपराधियों के गिरोह के अन्य सदस्यों और इनके अंतरराज्यीय नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। अन्य आपराधिक मामलों में इनकी संलिप्तता की गहन जांच जारी है।

सक्षम, सशक्त और भेदमुक्त हिन्दू समाज का निर्माण राष्ट्रीय आवश्यकता : अम्बरीष जी

बिभा संवाददाता

रांची: हिन्दू समाज के सांस्कृतिक नवजागरण और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता श्रद्धेय स्व. अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी समारोह का प्रथम प्रांत स्तरीय कार्यक्रम रविवार को धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सभागार में आयोजित किया गया। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) झारखंड प्रांत के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीराम दरबार व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और अशोक सिंघल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।
समारोह के मुख्य वक्ता विहिप के केंद्रीय मंत्री अम्बरीष जी ने कहा कि अशोक सिंघल जी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 की समाप्ति और श्रीराम सेतु की रक्षा जैसे अनेक संकल्प लिए थे, जिन्हें साकार होते देश ने देखा है। अब उनके शेष संकल्पों को पूरा करने और भारत को विश्व पटल पर नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होना होगा। बीएचयू से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सुख-सुविधाओं का त्याग कर जीवन राष्ट्र और हिन्दू दर्शन को समर्पित कर दिया। वे समग्र हिन्दू जागरण के पुरोधा थे, जिन्होंने धर्मांतरण विरोधी जनजागरण, एकल विद्यालय, गोरक्षा, गंगा संरक्षण, वेद पाठशालाओं तथा संत रविदास यात्रा व एकात्मता यात्रा के जरिए सामाजिक समरसता को गति दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज सक्षम, सशक्त और भेदमुक्त समाज का निर्माण करना ही सिंघल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस झारखंड प्रांत संघचालक सच्चिदानंद लाल अग्रवाल ने अशोक सिंघल जी के जीवन को त्याग और समर्पण का अनुकरणीय उदाहरण बताया। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री महावीर नायक ने युवा पीढ़ी को गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय संस्कारों से जोड़ने का आह्वान किया। विहिप प्रांत अध्यक्ष चन्द्रकांत रायपत ने जाति-वर्ग के भेद से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और मातृशक्ति व युवा शक्ति की भागीदारी पर बल दिया।
विहिप प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया कि अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के तहत देश के 47 से अधिक स्थानों पर आयोजन हो चुके हैं और रांची का यह सम्मेलन झारखंड का पहला राज्य स्तरीय कार्यक्रम है। समारोह में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कारसेवकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।
स्वामी श्री कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी सहित अन्य वक्ताओं ने भी विचार रखे। मंच पर महंत स्वामी केशव महाराज, वीरेन्द्र विमल, डॉ. वीरेन्द्र साहु, गंगा प्रसाद यादव, मनोज पोद्दार, चितरंजन कुमार, सुनील गुप्ता, रामस्वरूप रूंगटा, डॉ. एच.पी. नारायण, स्वामी दिव्यानंद, पूर्व सांसद प्रो. यदुनाथ पांडेय, सुशील कुमार, अनिल ठाकुर, विजय घोष, पवन मंत्री, अखिलेश्वर नाथ मिश्र, अनिमा पांडेय, कीर्ति गौरव, जुगल किशोर और रांची महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी उपस्थित रहे। मंच संचालन मिथिलेश्वर मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन चंद्रदीप दुबे ने किया। कार्यक्रम का समापन पूर्णता मंत्र और वंदे मातरम गायन के साथ हुआ।

रूस का दावा-कीव के नॉर्दर्न ब्रिज और दो मालवाहक जहाजों पर हमला

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने रविवार को दावा किया कि उसकी सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव में नीपर नदी पर बने नॉर्दर्न ब्रिज को निशाना बनाया। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों और सैन्य सामान की आवाजाही के लिए किया जाता है।
रक्षा मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि रूसी बलों ने काला सागर में ओडेसा बंदरगाह की ओर जा रहे सैन्य उपकरणों से लदे दो मालवाहक जहाजों पर भी हमला किया। मंत्रालय के अनुसार, इससे पहले बीती रात ओडेसा के पूर्व में एक अन्य मालवाहक पोत को भी निशाना बनाया गया था।
इसके अलावा, रूस ने चोनोमोर्स्क स्थित नोवा पोश्ता के एक लॉजिस्टिक्स केंद्र और ओडेसा में एक डेटा सेंटर पर हमले का भी दावा किया।
रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूसी हवाई रक्षा प्रणालियों ने विभिन्न रूसी क्षेत्रों के साथ-साथ आजोव सागर और काला सागर के ऊपर 559 यूक्रेनी ड्रोन को रोककर नष्ट किया।

एशियन गेम्स-2026 का समापन, परेड में नीरू ढांडा ने शान से लहराया तिरंगा

एजेंसी

आइची-नागोया। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू हुए एशियन गेम्स-2026 का रविवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। नागोया के मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित भव्य समापन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा रहीं। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ हाथ में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व किया।
समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद एथलीटों की परेड शुरू हुई, जिसमें विभिन्न देशों के ध्वजवाहकों ने अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। भारत की ओर से नीरू ढांडा ने तिरंगा थामा। वह भारतीय ध्वज लहराते हुए आगे बढ़ रही थीं और उनके साथ भारतीय दल भी अपने शानदार प्रदर्शन से उत्साहित दिखाई दिया। नीरू ढांडा ने इन एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत समेत कुल तीन पदक अपने नाम किए हैं।
दोहा करेगा 21वें एशियन गेम्स की मेजबानीएशियन गेम्स के 21वें संस्करण की मेजबानी कतर (दोहा) करेगा, जो साल 2030 में होगा। दोहा दूसरी बार एशियन गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2006 में भी इन खेलों की मेजबानी की थी। समापन समारोह के दौरान ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया का झंडा दोहा के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया। समापन समारोह में हजारों खिलाड़ी, अधिकारी और दर्शक मौजूद रहे।

जनसांख्यिकी और नए आर्थिक क्षेत्रों के चलते भारत के पास विकास की लंबी संभावना : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत के सामने अगले पांच से दस वर्षों में ही नहीं बल्कि आने वाले दशकों में भी उच्च आर्थिक वृद्धि की संभावना है। उन्होंने इसके पीछे देश की जनसांख्यिकी और नई आर्थिक संभावनाओं को महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार, दुनिया तेजी से बदल रही है और भारत के पास औद्योगीकरण के पारंपरिक रास्ते से अलग नए अवसर तलाशने की क्षमता है।
विदेश मंत्री ने आज 62वें म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया। जयशंकर ने इस दौरान भारत की विकास यात्रा, यूरोप के साथ बढ़ती साझेदारी और बदलती वैश्विक व्यवस्था पर भारत का दृष्टिकोण रखा। इसमें उन्होंने भारत के संदर्भ में आने वाले दशकों तक उच्च

आर्थिक वृद्धि की संभावना जताई। साथ ही विश्व के अन्य देशों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए।
डॉ. जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपनी पसंद के अनुसार खुद को नए तरीके से स्थापित किया है और कुछ हद तक अधिक अकेली शक्ति की भूमिका अपनाई है। दूसरी प्रमुख विशेषता चीन का उभार है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-चीन के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जिसका असर अन्य देशों पर भी पड़ रहा है। इस प्रतिस्पर्धा के बीच देशों की आपसी निर्भरता भी बनी हुई है।
उन्होंने कहा कि उभरती और मध्य शक्तियां अपने हितों के अनुरूप एक-दूसरे के साथ सहयोग बढ़ा रही हैं। उन्होंने क्वाड, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और ब्रिक्स का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन जैसी पहल भी देशों के बीच सहयोग के नए स्वरूप को दर्शाती हैं।
जयशंकर ने कहा कि बदलती वैश्विक व्यवस्था ने बहुध्रुवीयता के उभार को तेज किया है। बढ़ती परस्पर निर्भरता के कारण देशों के लिए किसी एक खेमे से पूरी तरह अलग रहना संभव नहीं है। ऐसे में वे अपने हितों के अनुसार विभिन्न शक्तियों के साथ संबंध बनाएंगे और जोखिमों को संतुलित करते हुए सहयोग करेंगे।
विदेश मंत्री ने कहा कि देशों के लिए ऐसे साझेदारों के साथ संबंध बनाना जरूरी होता जा रहा है, जिनके साथ उनके हित हमेशा पूरी तरह मेल नहीं खाते। इसे उन्होंने जोखिम संतुलित करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बताया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसी प्रमुख बहुपक्षीय संस्था में गतिरोध दिखाई दे रहा है। इसके परिणामस्वरूप छोटे समूहों और सीमित दायरे वाले सहयोग के नए प्रारूप उभर रहे हैं।
जयशंकर ने आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को उभरती शक्तियों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में प्रभावशाली बनने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होना जरूरी नहीं है। उन्होंने चिप निर्माण और मशीनरी का उदाहरण दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र में एपीआई और दवाओं के उत्पादन को अलग-अलग देशों में विकसित करना जरूरी बताया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा और आपूर्ति में विविधता सुनिश्चित हो सके।
विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत-यूरोप संबंधों में बड़ा बदलाव ला सकता है। एफटीए दोनों पक्षों को गंभीर साझेदार बनाएगा और कारोबार, निवेशक संस्थाओं तथा नौकरशाही के बीच बेहतर समझ विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि इसका असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे संबंधों पर पड़ेगा और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे।
विदेश मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। यूरोप के पास नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण तकनीक और कारोबारी विशेषज्ञता है। भारत यूरोप की बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों को देश में आकर्षित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में यूरोप महत्वपूर्ण भागीदार हो सकता है।

भाजपा ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक को घोषित किया राज्यसभा उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा उप-चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है। पार्टी ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को उम्मीदवार बनाया है।
भाजपा की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय चुनाव समिति ने दोनों राज्यों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है।
उत्तराखंड में राज्यसभा की एक सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव होना है। इसके लिए पार्टी ने श्री दिनेश आर्य को उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं, पश्चिम बंगाल में राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले उप-चुनाव के लिए श्रीमती रुक्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है।
दिनेश आर्य उत्तराखंड में राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष (दर्जा राज्यमंत्री) रह चुके हैं। वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनसंपर्क अधिकारी, भाजपा के नैनीताल के पूर्व जिलाध्यक्ष और अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री भी रह चुके हैं।
वहीं, रुक्मिणी मल्लिक कोयल मल्लिक के नाम से जानी जाती हैं। वह अभिनेत्री और राजनेता हैं तथा मुख्य रूप से बंगाली फिल्मों में जानी जाती हैं। वह तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं।

रांची के होटल में छापेमारी, देह व्यापार का खुलासा

बिभा संवाददाता

रांची। रांची में होटल और बार की आड़ में चल रहे कथित देह व्यापार के खिलाफ पुलिस ने शनिवार की देर रात अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर कोतवाली और लालपुर इलाके में पुलिस की विशेष टीमों ने छह से अधिक होटल और बार में छापेमारी की।

इस दौरान कचहरी चौक के पास स्थित एक होटल (कोरिंथिया सूट्स एंड हॉस्पिटैलिटी) में कथित देह व्यापार का खुलासा हुआ। पुलिस ने होटल के कमरों से छह से अधिक युवतियों को पकड़ा, जबकि कई युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, होटल में कमरे बुक कर कथित तौर पर अनैतिक गतिविधियां संचालित किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने अचानक होटल में छापेमारी की। टीम ने रिसेप्शन से लेकर कमरों तक की जांच की और होटल में ठहरे लोगों का रिकॉर्ड खंगाला। कार्रवाई के दौरान पुलिस को कई अहम साक्ष्य मिले हैं।

पुलिस ने मौके से बरामद मोबाइल फोन और अन्य सामान को जांच के दायरे में लिया है। इनकी जांच के जरिए पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवतियों को होटल तक कौन पहुंचाता था, ग्राहकों से संपर्क किस माध्यम से होता था और पैसों का लेन-देन कैसे किया जाता था। पुलिस को इस पूरे मामले में दलालों की भूमिका की भी आशंका है।

सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कोतवाली निखिल राय ने रविवार को बताया कि फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। होटल के दस्तावेज, कमरों की बुकिंग और मोबाइल से मिलने वाली जानकारी के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। इस होटल पर कार्रवाई के साथ पुलिस ने शहर के दूसरे होटल और बार को भी जांच के दायरे में लिया है। लालपुर इलाके में भी कई बार की जांच की गई और संदिग्ध युवक-युवतियों से पूछताछ हुई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य होटल और बार की आड़ में चल रही संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाना है। जांच पूरी होने के बाद ही कथित नेटवर्क में शामिल लोगों और उनकी भूमिका की पूरी तस्वीर साफ होगी। मामले की जांच पड़ताल जारी है।

सेल एमटीआई में स्वच्छता अभियान: अधिकारियों व कर्मियों ने किया श्रमदान

बिभा संवाददाता

रांची: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई), रांची में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यपालक निदेशक (एमटीआई एवं एसएसओ) संजय धर ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता के महत्व तथा एक स्वच्छ व स्वस्थ कार्यस्थल के निर्माण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे हमें अपनी दैनिक कार्य-संस्कृति और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

संबोधन के पश्चात अधिकारियों एवं कर्मियों ने एमटीआई परिसर सहित आसपास के श्यामली कॉलोनी क्षेत्र में व्यापक श्रमदान अभियान चलाया। कर्मचारियों ने झाड़ू लगाकर और कचरा उठाकर पूरे परिसर को साफ-सुथरा बनाया तथा जनसाधारण को पर्यावरण व स्वच्छता का संदेश दिया।

समापन अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एमटीआई) श्रीमंत मल्लिक ने विचार साझा करते हुए कहा कि स्वच्छता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी कर्मियों से अपने कार्यस्थल एवं परिवेश को सदैव स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में सक्रिय योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में एमटीआई के तमाम अधिकारी और कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

स्व. मुकेश तिर्की मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से, विजेता को मिलेंगे 2 लाख

बेड़ो(बिभा)। खेलप्रेमियों के लिए बेड़ो में एक बार फिर फुटबॉल का रोमांच देखने को मिलेगा। सरना क्लब बेड़ो के तत्वावधान में महादानी मैदान में स्व. मुकेश तिर्की मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट का शुभारंभ 30 अक्टूबर को होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 4 नवंबर को खेला जाएगा। आयोजन को लेकर खेलप्रेमियों और युवाओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति ने बताया कि बेड़ो के ऐतिहासिक दुगार्पूजा दशहरा मैदान में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम एवं महापर्व दुगार्पूजा को देखते हुए आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से 3 अक्टूबर को प्रस्तावित फुटबॉल मैच को स्थगित करने का निर्णय लिया गया था। अब समिति द्वारा नए कार्यक्रम के अनुसार 30 अक्टूबर से टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीमों के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। विजेता टीम को 2 लाख रुपये नकद और ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को 1.50 लाख रुपये की नकद राशि दी जाएगी। इसके अलावा तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 25-25 हजार रुपये एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। टूनार्मेंट के अध्यक्ष बिरजू तिर्की ने बताया कि दिवंगत मुकेश तिर्की की स्मृति में प्रत्येक वर्ष इस फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना, स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उनमें खेल भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से स्व. मुकेश तिर्की को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के खेलप्रेमियों से टूनार्मेंट में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

24 घंटे के अंदर ट्रांसफार्मर की हुई साफ-सफाई, लोगों ने जताया आभार

जमशेदपुर (बिभा)। बागबेड़ा कॉलोनी स्थित राजेंद्र मध्य विद्यालय परिसर में लगे ट्रांसफार्मर के ऊपर एवं आसपास उगी बड़ी-बड़ी शाखाओं, लताओं और झाड़ियों की साफ-सफाई विद्युत विभाग द्वारा 24 घंटे के अंदर करा दी गई। स्थानीय लोगों के आग्रह पर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने शनिवार को स्थानीय लोगों के साथ विद्युत विभाग के एसडीओ देवाशीष पात्रा से मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया था। एसडीओ श्री पात्रा ने तत्क्षण अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों को साफ-सफाई का निर्देश दिया था। जिसके परिणामस्वरूप रविवार को ट्रांसफार्मर के आसपास उगी सभी शाखाओं, लताओं, झाड़-झंखाड़ और कटीले पौधों की साफ-सफाई संपन्न करा दी गई। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि पंचायत की जनहित से जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे। ट्रांसफार्मर की साफ-सफाई होने से स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

इस्कॉन रांची केंद्र में साधुसंग उत्सव का भव्य आयोजन, संकीर्तन और कृष्ण कथा में झूमे श्रद्धालु

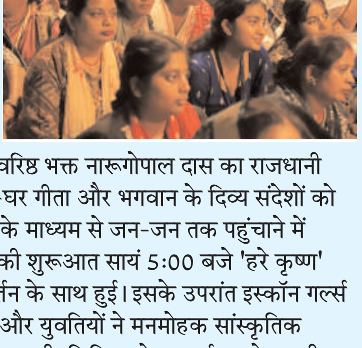

रांची(बिभा): इस्कॉन रांची केंद्र में रविवार को भव्य 'साधुसंग उत्सव' का आयोजन श्रद्धा व उल्लास के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर इस्कॉन के पूर्व क्षेत्रीय सचिव एवं वरिष्ठ भक्त नारूगोपाल दास का राजधानी आगमन हुआ, जो घर-घर गीता और भगवान के दिव्य संदेशों को मधुर संकीर्तन व कथा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने में निरंतर जुटे हैं। उत्सव की शुरूआत सायं 5:00 बजे 'हरे कृष्ण' महामंत्र के दिव्य संकीर्तन के साथ हुई। इसके उपरांत इस्कॉन गर्ल्स फोरम की बालिकाओं और युवतियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसमें भगवान श्रीहरि विष्णु के मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम, भगवान नरसिंह और वामन सहित दशावतारों की सजीव झांकियां नृत्य के माध्यम से मंचित की गईं। सत्संग को संबोधित करते हुए प्रभु नारूगोपाल दास ने कहा कि कृष्ण प्रेम की प्राप्ति के लिए साधक को सभी प्रकार के आंतरिक दोषों से मुक्त होना अनिवार्य है। वैदिक शास्त्रों की शिक्षाओं को जीवन में उतारे बिना हृदय का कल्मष दूर नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि 'हरे कृष्ण' महामंत्र के नियमित जप और शुद्ध कीर्तन से अंतःकरण निर्मल होता है और ईश्वर के प्रति अनन्य भक्ति जागृत होती है। इस अवसर पर उन्होंने इच्छुक श्रद्धालुओं के बीच पवित्र श्रीमद्भागवत ग्रंथ का वितरण कर इसके नित्य पठन के महत्व पर प्रकाश डाला। उत्सव में 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संध्या आरती और संकीर्तन के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा तथा भक्तजन भावविभोर होकर नृत्य करते नजर आए। कार्यक्रम का समापन महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ।

एक भी योग्य मतदाता का नाम नहीं छूटना चाहिए : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : झामुमो पोटका प्रखंड कमेटी की बैठक रविवार को प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्तमान में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में विसंगति संबंधी नोटिस को लेकर ग्रामीणों में बनी भ्रांतियों और उनकी समस्याओं पर चर्चा की गई। कार्यकताओं को निर्देश दिया गया कि वे गांव-गांव जाकर मतदाताओं को प्रक्रिया की जानकारी दें और दस्तावेजों से जुड़ी परेशानियों के समाधान में सहयोग करें। झारखंड में एसआईआर के तहत दावा-आपत्ति और सुधार की प्रक्रिया को लेकर चुनावी अधिकारियों ने भी समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। बैठक में मुख्य अतिथि पोटका विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पोटका प्रखंड में करीब 24 हजार मतदाता एसआईआर की विसंगति सूची में हैं। उन्होंने कहा कि सुधार के लिए उपलब्ध समय को देखते हुए आने वाला सप्ताह बूथ स्तर के कार्यकताओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बीएलओ और ग्राम प्रधान के साथ समन्वय बनाकर बैठक करें तथा ग्रामीणों के दस्तावेजों को दुरुस्त कराने में सहयोग करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता प्रक्रिया के कारण अपने अधिकार से वंचित न हो।

विधायक ने कहा कि जिन लोगों को नोटिस मिला है, उनकी समस्याओं को समझकर उन्हें संबंधित प्रक्रिया पूरी करने में मदद की जाए

विधायक संजीव सरदार ने बैठक में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर झारखंड के आदिवासी-मूलवासी लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि झामुमो कार्यकर्ता ऐसे किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देंगे। राज्य में बड़ी संख्या में नामों को प्रारूप सूची से अलग किए जाने के बाद दावा-आपत्ति और सुधार की प्रक्रिया जारी रही है।

संजीव सरदार ने कार्यकताओं से कहा कि ग्रामीणों को दस्तावेज तैयार कराने में सहयोग करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें प्रखंड मुख्यालय तक लेकर आएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मदद के लिए वह स्वयं भी समय-समय पर प्रखंड कमेटी के साथ मौजूद रहेंगे

34 पंचायतों के कार्यकर्ता रहे मौजूद

बैठक में पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, हीरामनी मुर्मू, मुखिया संगीता सरदार, झामुमो नेता सुनील महतो, सुधीर सोरेन, रजनी षाड़ंगी, हितेश भगत, बीरेन पात्र, चक्रधर महतो, दुखु मार्डी, चमका सरदार, देव पालित, सैयद समीउल्लाह समेत पोटका प्रखंड की 34 पंचायतों के झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आउटसोर्सिंग कर्मियों के हक के लिए दिसंबर में होगा विशाल प्रदर्शन: महासंघ

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को महासंघ कार्यालय, मत्स्य प्रक्षेत्र, डोरंडा (रांची) में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के सम्मानित अध्यक्ष गोपाल शरण सिंह ने की, जिसमें राज्यभर के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं और उनके शोषण के खिलाफ रणनीति तैयार की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अपनी लंबित मांगों को लेकर राज्यभर के आउटसोर्सिंग कर्मी आगामी दिसंबर माह में महासंघ के नेतृत्व में रांची में सरकार के खिलाफ एक विशाल प्रदर्शन करेंगे।

बैठक में आउटसोर्सिंग कर्मियों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रमुख मांगों में ठेका प्रथा का उन्मूलन, कर्मियों का शोषण बंद करना, वेतन विसंगति दूर करना, समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करना, प्रतिवर्ष मिलने वाले 8% वेतन वृद्धि का भुगतान करना, उचित अवकाश नीति लागू करना तथा महिला कर्मियों के लिए विशेष अवकाश का प्रावधान करना शामिल रहा। वक्ताओं ने पूरे राज्य एवं देश स्तर पर ठेका प्रथा को समाप्त करने के लिए एकजुटता का आह्वान किया।

क्षेत्र के विकास में सभी समाजों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है: संजीव सरदर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका : जामदा पंचायत के पोड़ा-भालकी में मुंडा स्वशासन व्यवस्था संघ, पोटका प्रखंड की ओर से आयोजित करम मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में पोटका विधायक संजीव सरदार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत विधायक ने भगवान बिरसा मुंडा, मारांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एवं वीर शहीद गंगा नारायण सिंह की तस्वीरों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए की। इसके बाद उन्होंने करम पूजा में भाग लिया और क्षेत्रवासियों को करम पर्व की शुभकामनाएं दीं।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि करम पर्व आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति के प्रति सम्मान, भाईचारे और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि करम की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और गीत, नृत्य, पूजा एवं सामूहिक सहभागिता के माध्यम से समाज को एक सूत्र में जोड़ती है। झारखंड सरकार के आधिकारिक विवरण में भी करम को शक्ति, युवा ऊर्जा और उल्लास से जुड़ा महत्वपूर्ण आदिवासी पर्व बताया गया है।

विधायक ने कहा कि मुंडा समाज की पहचान उसकी समृद्ध परंपरा, प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली, सामाजिक अनुशासन, सामुदायिक भावना और अपनी संस्कृति के प्रति गहरे जुड़ाव से है। उन्होंने कहा कि समाज के पूर्वजों ने अपनी परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है, जिसे आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

संजीव सरदार ने कहा कि पोटका में अलग-अलग समाज और समुदाय लंबे समय से आपसी भाईचारे, सहयोग और सामाजिक समरसता के साथ रहते आए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में सभी समाजों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इसी एकता को आगे भी मजबूत बनाए रखना जरूरी है।

विधायक ने भगवान बिरसा मुंडा और गोमके जयपाल सिंह मुंडा सहित क्षेत्र के वीर शहीदों के योगदान को याद करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने समाज, अधिकार, स्वाभिमान और पहचान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उनके विचार और संघर्ष आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

समारोह में माधव सिंह मुंडा, दुर्गा मुंडा, संजय मुंडा, गोपाल मुंडा, जितेन मुंडा, भूदेव मुंडा, बंकिन मुंडा, जय हरि मुंडा, उमेश मुंडा, समेश मुंडा, मंगल सिंह मुंडा, शिवनाथ सिंह, गिलिप मुंडा, सुखीराम मुंडा, संजीत मुंडा, कोनू मुंडा, अतुल मुंडा, प्रदीप मुंडा एवं देवू मुंडा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

झारखंड क्षत्रिय महासंघ की बैठक: सामाजिक एकजुटता, शिक्षा और नशामुक्ति पर जोर, पंचायत कमेटी का गठन

बिभा संवाददाता

बेड़ो। झारखंड क्षत्रिय महासंघ के बैनर तले रविवार को बेड़ो पंचायत स्थित महादानी मंदिर परिसर के विवाह मंडप में राजपूत-क्षत्रिय समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजेश्वर सिंह ने की, जबकि मंच संचालन रवि सिंह ने किया। बैठक में बेड़ो प्रखंड एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग शामिल हुए। बैठक में समाज की एकजुटता, संगठन को मजबूत करने, युवाओं को समाज से जोड़ने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में नशामुक्ति अभियान चलाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

बेड़ो प्रखंड कार्यकारिणी अध्यक्ष नवल सिंह ने कहा कि समाज में बिखराव को दूर कर एकजुटता लाने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से समाज से जुड़कर नशामुक्ति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

लाल संजय नाथ शाहदेव ने समाज को एक मंच पर लाने और आपसी एकजुटता मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को भी आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए।

खुखरा पंचायत के जितेंद्र सिंह ने समाज के उत्थान के लिए शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं राजू सिंह ने कहा कि महिलाओं, बेटियों और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए क्षत्रिय समाज सदैव तत्पर रहा है। उन्होंने समाज की एकजुटता को मजबूत करते हुए आने वाली पीढ़ी को बेहतर दिशा देने की बात कही।

बैठक के दौरान बेड़ो पंचायत के लिए क्षत्रिय समाज की नई संगठनात्मक कमेटी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष राजू सिंह, उपाध्यक्ष सोनू सिंह, संदीप सिंह, राहुल सिंह, अमन सिंह एवं विवेक सिंह, सचिव रवि सिंह, सह सचिव राजेश्वर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह तथा संरक्षक नंदलाल सिंह, अशोक सिंह, सुरेंद्र प्रसाद सिंह एवं बिहारी सिंह बनाए गए।

वहीं कार्यकारिणी अध्यक्ष ज्वाला सिंह तथा सक्रिय सदस्यों में समेदर सिंह, रघुनंदन सिंह, सिकंदर सिंह, समीर सिंह, लाल सिंह, गणेश सिंह, सनी सिंह एवं ऋषभ सिंह को शामिल किया गया।

22वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता: 133 अंकों के साथ रांची ओवरऑल चैंपियन, चतरा दूसरे व धनबाद तीसरे स्थान पर

बिभा संवाददाता

सिल्ली (रांची): सिल्ली में आयोजित 22वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रांची की टीम ने 133 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। वहीं बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए चतरा की टीम उपविजेता रही और धनबाद ने तीसरा स्थान हासिल किया। राज्य के विभिन्न जिलों से आए लगभग 350 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों और टीम प्रभारियों ने इस आयोजन में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. रमनेश प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि राधेश्याम महतो ने विजेता-उपविजेता टीमों और पदक विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं से ग्रामीण और शहरी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर राज्य का नाम रोशन करने का अवसर मिलता है। इस दौरान राजेश साहू, किशोर कुमार, मिथलेश साहू, शिवेंद्र दुबे, रजी अहमद, रत्नेश कुमार, दीपक गोप, अमासी बारला और प्रतिमा कुमारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सुचारु बनाने में आयोजन समिति के एस. वाहिद अली, इंद्राशीष रॉय, शशिकांत महतो, अविनाश कुमार, अंजना महतो, ज्योति कुमारी, रोहित महतो, त्रिलोचन बेदिया तथा तकनीकी दल के दीपक गोप, रजी अहमद, रत्नेश कुमार, वासुदेव टोप्पो, निशांत तिर्की, मनीष मुंडा, मोनू कुमार और विमला टोप्पो की सराहनीय भूमिका रही।

प्रतियोगिता के विभिन्न भार वर्गों के परिणाम इस प्रकार रहे:

बालक सांडा वर्ग में 45 किग्रा में रांची के शुभम कुमार, 48 किग्रा में रांची के उमेश बेदिया, 52 किग्रा में रांची के प्रेम बावरी, 56 किग्रा में हजारीबाग के कौशिक राज, 60 किग्रा में रांची के प्रिंस गोंद, 65 किग्रा में रामगढ़ के प्रिंस नायक, 70 किग्रा में धनबाद के आदर्श जय दास, 75 किग्रा में धनबाद के पप्पू कुमार महतो, 80 किग्रा में रांची के आयुष कुमार लाल तथा 90 किग्रा में रांची के सुप्रीत कुमार ने स्वर्ण पदक जीता।

बालिका सांडा वर्ग में 45 किग्रा में रांची जेएसएसपीएस की सोनका कुमारी, 48 किग्रा में रांची जेएसएसपीएस की होलिका कुमारी, 52 किग्रा में रांची की लक्ष्मी कुमारी, 56 किग्रा में रांची की सुप्रिया कुमारी, 60 किग्रा में साहिबगंज की प्रीतिया कुमारी तथा 70 किग्रा वर्ग में रांची की मन्नत ने अपने-अपने भार वर्ग में प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। झारखण्ड वुशु एसोसिएशन ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों के प्रति आभार जताया।

रांची सदर अस्पताल में जटिल ब्रेन ट्यूमर की सफल सर्जरी, 46 वर्षीय मरीज को मिली नई जिंदगी

निजी अस्पताल में इलाज पर आठ लाख से अधिक का अनुमानित खर्च- सदर अस्पताल में विशेषज्ञ टीम ने किया सफल ऑपरेशन

बिभा संवाददाता

रांची। रांची सदर अस्पताल में 46 वर्षीय भूषण सिंह के जटिल ब्रेन ट्यूमर की सफल सर्जरी की गई है। मरीज पिछले करीब दो वर्षों से ब्रेन ट्यूमर की समस्या से परेशान था। निजी अस्पताल में सर्जरी समेत इलाज पर करीब आठ लाख रुपये से अधिक खर्च का अनुमान बताया गया था। आर्थिक कारणों से इलाज को लेकर परेशान मरीज ने सदर अस्पताल का रुख किया, जहां न्यूरोसर्जन डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने चुनौतीपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

चिकित्सकों के अनुसार, मरीज के मस्तिष्क में मेनिन्जियोमा था। इस तरह के ट्यूमर की सर्जरी बेहद जटिल और संवेदनशील मानी जाती है। मस्तिष्क के भीतर ट्यूमर को निकालते समय आसपास मौजूद महत्वपूर्ण नसों, रक्तवाहिनियों और सामान्य मस्तिष्क ऊतकों को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती होती है। ऑपरेशन के दौरान रक्तस्त्राव के साथ-साथ महत्वपूर्ण न्यूरोलॉजिकल संरचनाओं को क्षति पहुंचने का जोखिम भी रहता है।

डॉ. विकास कुमार और उनकी टीम ने इस जटिल मामले को स्वीकार करते हुए पूरी सावधानी और विशेषज्ञता के साथ ऑपरेशन किया। सर्जरी के दौरान सटीक सर्जिकल तकनीक, लगातार निगरानी, नियंत्रित एनेस्थीसिया और न्यूरोसर्जरी, एनेस्थीसिया तथा ऑपरेशन थिएटर टीम के बीच बेहतर समन्वय महत्वपूर्ण रहा।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की गई। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक बताई गई है। फिलहाल वह चिकित्सकीय निगरानी में है और स्वास्थ्य लाभ कर रहा है।

रांची में जटिल ब्रेन सर्जरी के लिए अब तक मरीजों को मुख्य रूप से रिम्स और चुनिंदा निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था। सदर अस्पताल में न्यूरोसर्जरी सेवा के विस्तार के बाद अब यहां ब्रेन एवं स्पाइन ट्रॉमा, ब्रेन ट्यूमर, सर्वाइकल और लम्बर स्पाइन से संबंधित बीमारियों के अलावा अन्य जटिल न्यूरोसर्जिकल मामलों की सर्जरी भी की जा रही है।

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि न्यूरोसर्जरी सेवा के विस्तार से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में ही विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह सुविधा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह ने कहा कि अस्पताल की न्यूरोसर्जरी सेवा लगातार नए आयाम की ओर बढ़ रही है। जटिल ब्रेन और स्पाइन सर्जरी का सफलतापूर्वक किया जाना इस सेवा के विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का प्रयास है कि गंभीर मरीजों को विशेषज्ञ उपचार सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के भीतर ही उपलब्ध कराया जा सके, ताकि उन्हें महंगे निजी अस्पतालों पर निर्भर न रहना पड़े।

सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद ने कहा कि सदर अस्पताल में न्यूरोसर्जरी सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। ब्रेन एवं स्पाइन ट्रॉमा के साथ ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारियों की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होना मरीजों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

जटिल ऑपरेशन को सफल बनाने में न्यूरोसर्जन डॉ. विकास कुमार और उनकी टीम के अलावा एनेस्थीसिया टीम के डॉ. नीरज और डॉ. ज्योतिका तथा ओटी टीम के अमित, सुरेश, नीली, संजू, नंदिनी और कंचन सहित अन्य कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्गा पूजा समितियों के साथ डीसी और एसएसपी ने की बैठक, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन को लेकर रविवार को धुर्वा स्थित मेफेयर बैंक्वेट हॉल में जगन्नाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति की ओर से बैठक हुई। इसमें शहर की 35 दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

अधिकारियों ने पूजा समितियों से जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए समितियों को प्रशासन और पुलिस के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने की अपील की गई।

बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक मैनेजमेंट, ध्वनि प्रदूषण, अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने पूजा पंडालों में अग्निशमन और बिजली व्यवस्था की जांच कराने और भीड़ के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था नहीं होने देने के निर्देश दिए। डीसी मंजूनाथ भजन्त्री और एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि दुर्गा पूजा शहर के प्रमुख आयोजनों में से एक है। ऐसे में सभी समितियां प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखने की अपील की। ताकि पर्व त्योहार को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने में अपनी भूमिका निभा सकें।

बैठक में जगन्नाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी धनंजय, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, सिटी एसपी पारस राणा, सदर एसडीओ कुमार रजत सहित शांति समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, पूजा समिति के पदाधिकारी और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड आगमन पर भाजपा की नव-नियुक्त सह-प्रभारी निवेदिता सिंह का भव्य स्वागत

रांची(बिभा): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड प्रदेश की नव-नियुक्त सह-प्रभारी एवं बिहार विधान परिषद सदस्य निवेदिता सिंह के प्रथम झारखंड आगमन पर रविवार को पार्टी नेताओं व कार्यकताओं ने उनका ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों की थाप, गगनभेदी नारों और पुष्पवर्षा के बीच कार्यकताओं ने उनका जोरदार अभिनंदन किया। प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने निवेदिता सिंह को शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें नए संगठनात्मक दायित्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके झारखंड प्रवास के सफल व मंगलमय होने की कामना की। इस अवसर पर निवेदिता सिंह ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगी।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर मे अन्नपूर्णा महाप्रसाद का हुआ आयोजन

रांची(बिभा) : पुंदाग स्थित एम.आर. एस.श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में डॉड्ड संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज जी के सानिध्य में 286वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर में श्री राधा रानी जी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार आकर्षक आभूषणों एवं मनोहारी पुष्पों से किया गया, दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ महाप्रसाद का भोग लगाया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि मंदिर में सुबह से हीश्रद्धालुओं का तांता लगा रहा तथा लगभग 3 हजार से अधिक भक्तों ने भगवान के दर्शन किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल, पूर्णमल सर्राफ, पवन पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया,अंजनी अग्रवाल, आरव अग्रवाल,अरविंद अग्रवाल, नन्द किशोर चौधरी, शिव भगवान अग्रवाल, ज्ञान शर्मा, सुरेश भगत, संजय सर्राफ सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रिम्स में झारखंड मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग कॉन्क्लेव 2026 संपन्न

रांची(बिभा): राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के रेडियोलॉजी विभाग और झारखंड रेडियोलॉजी एसोसिएशन (आईआरआईए झारखंड चैप्टर) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 'झारखंड मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग कॉन्क्लेव 2026' का सफल आयोजन किया गया। इस सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग, सटीक डायग्नोसिस और इमेज-गाइडेड इंटरवेंशन के क्षेत्र में राज्य के रेडियोलॉजिस्टों की तकनीकी दक्षता व नैदानिक क्षमता को निखारना था। कॉन्क्लेव में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एम्स पटना, आरएमएल आईएमएस लखनऊ और बेंगलुरु से पहुंचे प्रख्यात विशेषज्ञ फैकल्टी ने चिकित्सकों को उन्नत तकनीकों का गहन प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लाइव-पेशेंट हैंड्स-ऑन वर्कशॉप रहा, जिसके अंतर्गत कंधे (शोल्डर) की इमेजिंग, मांसपेशियों व टेंडन की सूक्ष्म जांच और पेन मैनेजमेंट (दर्द निवारण) के लिए इमेज-गाइडेड मस्कुलोस्केलेटल इंटरवेंशन का व्यावहारिक व प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में रिम्स निदेशक प्रो. डॉ. डी.के. सिन्हा, झारखंड चिकित्सा शिक्षा निदेशक सह रिम्स के डीन रिसर्च प्रो. डॉ. पी.के. भट्टाचार्य, रांची के सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद, डॉ. अमरेंद्र कुमार तथा सदर अस्पताल के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. अखिलेश कुमार झा उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस शैक्षणिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से चिकित्सकों का क्लिनिकल अनुभव बढ़ता है, जिसका सीधा लाभ मरीजों को उन्नत और सटीक इलाज के रूप में मिलता है। इस राज्यस्तरीय कॉन्क्लेव के सफल संयोजन व आयोजन में रिम्स रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सुरेश टोप्पो, सदर अस्पताल सेंट्रल रेडियोलॉजी हब के प्रभारी डॉ. अनीश चौधरी और रिम्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार रंजन की मुख्य भूमिका रही। आयोजकों ने सभी विशेषज्ञ फैकल्टी, प्रतिभागी रेडियोलॉजिस्टों, विशिष्ट अतिथियों और रिम्स प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया।

रांची में भव्य वॉकाथॉन का आयोजन, 3 हजार प्रतिभागियों ने दिया पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण का संदेश

वन्यजीव संरक्षण को जन-आंदोलन बनाना जरूरी : संजीव कुमार

बिभा संवाददाता

रांची: वन्यजीव सप्ताह-2026 के अंतर्गत वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार की ओर से रविवार को वन भवन, रांची से एक भव्य वॉकाथॉन (पदयात्रा) का आयोजन किया गया। इस जागरूकता पदयात्रा में लगभग 2,500 से 3,000 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वन्यजीवों की सुरक्षा, जैव-विविधता व प्रकृति संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।

वॉकाथॉन का विधिवत शुभारंभ वन भवन परिसर में गुब्बारे उड़ाकर और हस्ताक्षर अभियान के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह वन बल प्रमुख (पीसीसीएफ एंड एचओएफएफ) संजीव कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों का संरक्षण स्वस्थ पर्यावरण तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग से आगे आने का आह्वान किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) रवि रंजन ने कहा कि झारखंड की समृद्ध वन संपदा और जैव-विविधता हमारी अनमोल धरोहर है, जिसकी रक्षा करना केवल सरकार या विभाग का ही नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक नैतिक दायित्व है।

मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एस. आर. नटेश के मार्गदर्शन में निकली यह पदयात्रा वन भवन से शुरू होकर अरगोड़ा, बिरसा चौक, हिनू होते हुए लगभग 10 किलोमीटर की दूरी तय कर पुनः वन भवन पहुंचकर संपन्न हुई। पदयात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों, कॉलेज के छात्र-छात्राओं और युवाओं की मौजूदगी को देखते हुए वन प्रमंडल पदाधिकारी (वन्य प्राणी प्रमंडल, रांची) अवनीश चौधरी व्यवस्था संचालन में सक्रिय रहे। रांची ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की गई, वहीं वन विभाग की ओर से प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार व जलपान का समुचित प्रबंध रहा।

इस पदयात्रा में सेवानिवृत्त पीसीसीएफ डी.के. श्रीवास्तव, कल्याण विभाग के विशेष सचिव करमा जाम्पा भूटिया, आरसीसीएफ आर. थांगा पांडियान, सेवानिवृत्त एपीसीसीएफ ए.पी. चौधरी व डी.के. सक्सेना, पीटीआर के डीएफओ प्रजेश जेना, डीएफओ रजनीश सहित वन विभाग के वरीय अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में शहरवासी शामिल हुए।

कांग्रेस का वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान, जिलों में मार्च निकालने का निर्देश

2 से 8 अक्टूबर तक लोकतंत्र बचाओ सप्ताह मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पुतला दहन का भी कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों और जिला प्रभारियों के साथ आभासी माध्यम से बैठक की। बैठक में पार्टी के राष्ट्रव्यापी ह्यवोट बचाओ-देश बचाओह्ल अभियान को झारखंड में व्यापक स्तर पर संचालित करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रदेश और जिला पदाधिकारियों को दो से आठ अक्टूबर तक लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रत्येक जिले में वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च निकालने को कहा गया। कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों और प्रभारियों से मार्च में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है। मार्च डॉ. भीमराव आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमा अथवा जिला समाहरणालय/डीएम कार्यालय तक निकाला जाएगा। निर्धारित स्थल पर पहुंचने के बाद राष्ट्रगान का सामूहिक गायन और संविधान के अनुच्छेद 326 का सार्वजनिक वाचन किया जाएगा। पार्टी के कार्यक्रम के अनुसार अभियान के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतला दहन का भी आयोजन किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने जिला कमिटियों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों से वोट बचाओ-देश बचाओह्ल अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। जिलों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित और अनुशासित तरीके से आयोजित करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्यमंत्री व्यवस्था सुधारें और जनता का भरोसा कायम करें : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की शासन व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री को आत्ममंथन की सलाह देते हुए कहा कि उनके शासन में व्यवस्था किस स्तर तक पहुंच गई है, इस पर उन्हें शांत मन से चिंतन करना चाहिए।

मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कई मामलों का उल्लेख किया और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जमीन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री के विरुद्ध आरोप गठित हो चुका है। ईडी अधिकारियों पर कथित रूप से फर्जी एससी-एसटी एक्ट लगाने के मामले में जवाब नहीं देने पर उच्च न्यायालय द्वारा 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाए जाने का भी उन्होंने उल्लेख किया।

नेता प्रतिपक्ष ने शराब घोटाला मामले का जिक्र करते हुए दावा किया कि एसीबी की अदालत में सरकार के सचिव पर नीति में बदलाव के लिए 50 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की बात कही गई है। उन्होंने पत्थर घोटाले में सीबीआई जांच के आदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत ने मुख्य आरोपित द्वारा मुख्यमंत्री के प्रभाव का इस्तेमाल किए जाने की बात कही है।

मरांडी ने पेपर लीक मामले को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री छात्रों को ही माफिया बताते थे, तब अब उनके करीबी लोगों की ओर से पैसे लेकर इंटरव्यू में अंक बढ़ाने के कथित सबूत अदालत के सामने आने की बात कही जा रही है।

उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री यदि चाहते तो अपने विश्वस्त लोगों और करीबी अधिकारियों को भ्रष्टाचार से रोक सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में कितने अधिकारियों का करियर दांव पर लगा, कितनी संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रभावित हुई और जनता का व्यवस्था से भरोसा कितना कमजोर हुआ, इस पर भी सरकार को विचार करना चाहिए।

मरांडी ने कहा कि स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि यदि मुख्यमंत्री को किसी मामले में सजा होती है तो भविष्य में चुनाव लड़ने की पात्रता भी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री और अधिकारियों से वास्तविकता समझने तथा समय रहते व्यवस्था में सुधार करने की अपील की।

झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में सैकड़ों मरीजों को मिली मुफ्त दवाइयां और चश्मे

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत रविवार को सर्कुलर रोड स्थित नागड़ाटोली सामुदायिक भवन (तनिष्क शोरूम के पीछे) में एक दिवसीय विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक चले इस शिविर में राजधानी के विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया।

शिविर में एक ही छत के नीचे हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल व शिशु रोग, दंत रोग तथा नेत्र रोग से संबंधित बीमारियों की व्यापक जांच की गई। परामर्श के उपरांत मरीजों के बीच मौके पर ही आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। संस्था द्वारा एक मानवीय पहल करते हुए नेत्र जांच में दृष्टि दोष से पीड़ित पाए गए जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त चश्मे भी उपलब्ध कराए गए, जिसकी लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इसके अलावा चिकित्सकों ने लोगों को मौसमी बीमारियों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के तरीके बताए।

शिविर का सफल संचालन व संयोजन अरुण देव कुमार एवं संजय साहू के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की व्यवस्था और मरीजों के सहयोग में शौंडिक समाज के उदय साहू, कुणाल शाह, आकाश अंकुर, श्रवा साहू और रवि साहू सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने संघ के इस स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को बेहद उपयोगी और सराहनीय कदम बताया।

जेसीआई 'एक्सपो उत्सव' में उमड़ी भारी भीड़: प्रतियोगिताओं के साथ 'संडे बना फंडे'

बिभा संवाददाता

रांचीः युवा सामाजिक एवं व्यापारिक संगठन जूनियर चैंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) रांची के प्रतिष्ठित 7 दिवसीय व्यापार मेले 'एक्सपो उत्सव 2026' का रविवार को भव्य नजारा देखने को मिला। अपनी 29वीं वर्षगांठ मना रहे इस मेले में छुट्टी के दिन राजधानीवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। चीफ कोऑर्डिनेटर सीए प्रशांत पाटोदिया ने बताया कि 7 अक्टूबर तक चलने वाले इस मेले में देशभर से आए कुल 400 वातानुकूलित स्टॉल्स लगाए गए हैं, जिनमें बड़े ब्रांड्स, स्टार्टअप्स, ऑटोमोबाइल, होम डेकोर और ड्राई फ्रूट्स के उत्पाद शामिल हैं। महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए विशेष 'पिंक हैंगर' और बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक एम्यूजमेंट पार्क आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है।

रविवार को मेले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल, जमशेदपुर रॉयल्स शाखा के टी.के. अग्रवाल एवं सीए विवेक अग्रवाल ने शिरकत की। अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया और युवाओं के परिश्रम व नवाचार की मुक्तकंठ से सराहना की। संस्था की ओर से अतिथियों को दुपट्टा और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सामाजिक सरोकार के तहत मेले में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 100 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई। उत्सव परिसर में आयोजित 'एक्सपो टैंक' में 13 टीमों के 26 प्रतिभागियों ने अपने व्यावसायिक आइडियाज पेश किए। निर्णायक की भूमिका जय प्रकाश सिंघानिया, अवध पोद्दार, अभिनव शाह व मोना मेहता ने निभाई, जबकि संयोजन खुशी पाटोदिया, स्वाति चौधरी और पायल अग्रवाल ने किया। वहीं 75 बच्चों की भागीदारी वाली डांस प्रतियोगिता में दीपक सिंह व आकांक्षा सिंह निर्णायक रहे और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसका संयोजन भावना राठौड़, स्वाति खोवाल, प्रेमा जालान, अदिति राठौड़ और सौम्या अग्रवाल ने किया।

एक्सपो के मीडिया प्रभारी वरुण जालान ने बताया कि मेले के प्रमुख प्रायोजक 'पंचरत्न स्काईलाइन' हैं तथा इसे टैंगो, अल्पाइन और गृहस्थी द्वारा संचालित किया जा रहा है। साथ ही शहर के कई प्रतिष्ठित ब्रांड्स विभिन्न श्रेणियों में सहयोगी बने हैं। दर्शक क्यूआर कोड के माध्यम से कार्यक्रमों में पंजीकरण और प्रवेश टिकट बुक कर सकते हैं। आगामी दिनों में योग प्रतियोगिता, बुटीक एक्सपो फैशन शो और भजन जैमिंग का आयोजन होगा। कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव साकेत अग्रवाल, तृष्णा अग्रवाल, खुशबू सिंघानिया, नलिनी जैन, सौरभ जालान, राहुल टिबरेवाल, सौरव नारेड़ी, दीपक पटेल, ऋषभ जालान और अनिमेश निखिल सहित पूरी टीम सक्रिय भूमिका निभा रही है।

बोकारो पुलिस के विशेष अभियान में 94 फरार अभियुक्त पकड़े गए

74 टीमों ने 222 ठिकानों पर की छापेमारी, 39 अभियुक्त न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बिभा संवाददाता

बोकारो। अपराध पर अंकुश लगाने, लंबित कांडों के निष्पादन और विभिन्न मामलों में फरार चल रहे वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए बोकारो पुलिस ने शनिवार रात विशेष समकालीन अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी की गई। अभियान के दौरान कुल 94 फरार अभियुक्तों को पकड़ा गया, जिनमें 39 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बोकारो पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से रविवार, 4 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 3 अक्टूबर की रात जिले में विशेष अभियान चलाने के लिए थाना स्तर पर 74 पुलिस टीमों का गठन किया गया था। अभियान में करीब 250 पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। गठित टीमों ने विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों में चिन्हित वारंटियों और वांछित अभियुक्तों के संभावित 222 ठिकानों पर सघन छापेमारी की।

अभियान के दौरान 32 थाना एवं ओपी क्षेत्रों से 31 वारंटियों और विभिन्न कांडों में वांछित आठ अभियुक्तों, कुल 39 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके अलावा 55 मामलों में रिकॉल प्रस्तुत किए जाने के आधार पर एनबीडब्ल्यू का निष्पादन किया गया। इस प्रकार पुलिस की कार्रवाई में कुल 94 फरार अभियुक्तों को पकड़ा गया।

2012 से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

अभियान के दौरान चास थाना क्षेत्र से वर्ष 2012 से फरार चल रहे स्थायी वारंटी अशोक कुमार शर्मा, निवासी यदुवंश नगर, चास को चास थाना कांड संख्या 118/12 के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

हत्या के मामले में पांच वारंटी गिरफ्तार

जरीडीह थाना क्षेत्र से वर्ष 2023 से फरार चल रहे पांच वारंटियों–कुलदीप सिंह, सीता देवी, प्रमिला देवी, कुनु मांझी और जागेश्वर मांझी–को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार सभी जरीडीह थाना कांड संख्या 132/23 से संबंधित हत्या के मामले में अभियुक्त हैं। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हत्या के मामले में फरार आरोपी भी पकड़ा गया

महुआटांड़ थाना क्षेत्र से वर्ष 2018 से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त सुखदेव मांझी, निवासी बरैया, को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। वह महुआटांड़ थाना कांड संख्या 42/2018 के हत्या मामले में अभियुक्त है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ न्यायालय से कुर्की का आदेश भी निर्गत था।

बोकारो पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों और विभिन्न कांडों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

इंडिया गठबंधन का 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान: 7 अक्टूबर को महाप्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत रविवार को बोकारो परिसदन में इंडिया गठबंधन की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में गठबंधन के नेताओं ने 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक लोकतंत्र बचाओ सप्ताह मनाने और इसके तहत वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान चलाने की जानकारी दी। इस दौरान आगामी 7 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर बड़े प्रदर्शन की घोषणा की गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बोकारो जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने कहा कि एसआईआर के मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन लगातार आंदोलन करेगा। उन्होंने निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाएगी और लोगों को इससे अवगत कराने का अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब तक इस मामले में कार्रवाई नहीं होती, तब तक इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता सड़क पर आंदोलन जारी रखेंगे।

सीपीआई (माले) के राजू दुबे ने कहा कि गठबंधन का उद्देश्य मताधिकार से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच ले जाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट के अधिकार से जुड़े सवालों को लेकर जनता में आक्रोश है और लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध किया जाएगा।

दिलीप तिवारी ने कहा कि मताधिकार और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों पर सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 7 अक्टूबर को भारत माता की प्रतिमा के सामने से जिला समाहरणालय तक इंडिया गठबंधन की ओर से बृहद प्रदर्शन किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से मताधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को उठाया जाएगा। प्रेस वार्ता में सीपीआई (माले) के राजू दुबे, नवीन पांडे, आरएन सिंह, दिलीप तिवारी, जेएन सिंह, कांग्रेस के असीम शर्मा, प्रेम राय, मुस्कर आलम सिद्दीकी, माले के एमपी भक्ता, स्वयंवर पासवान, पीके पांडे, अब्दुल्ला अंसारी सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

94 बैच सेक्टर-12 का द्वितीय पारिवारिक वनभोज मिलन समारोह 27 दिसंबर को

बोकारो(बिभा)। 94 बैच सेक्टर-12 समागम की बैठक रविवार को चिरा चास स्थित आनंद विहार में आयोजित की गई। बैठक में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी द्वितीय पारिवारिक वनभोज मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। समारोह को सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे। बैठक में 94 बैच के कई सदस्य प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, जबकि दूरदराज में रहने वाले कुछ सदस्यों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर अपने सुझाव साझा किए। सदस्यों ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक साथियों और उनके परिवारों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। 94 बैच के देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस वर्ष पारिवारिक वनभोज मिलन समारोह का आयोजन 27 दिसंबर को सिटी पार्क स्थित वनभोज स्थल पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित कार्यक्रम में करीब 300 लोग शामिल हुए थे। इस वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 400 लोगों के शामिल होने की संभावना है। बैठक में मिंटू ठाकुर, ज्योत्सना आनंद, देवेंद्र कुमार, रजनीकांत, अतीक खान, सुनील कुमार, समीम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक के दौरान समारोह को यादगार और सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों ने सहयोग का आश्वासन दिया।

ईएसएल स्टील ने वी फॉर सोसाइटी पहल के तहत डीवाई पाटिल इंटरनेशनल स्कूल में चलाया स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान

बोकारो(बिभा) : पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपनी कर्मचारी स्वयंसेवा पहल वी फॉर सोसाइटी के तहत 01 अक्टूबर 2026 को डीवाई पाटिल इंटरनेशनल स्कूल, अलकुशा में स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान का आयोजन किया. इस पहल में कंपनी के 24 कर्मचारी स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जबकि लगभग 200 विद्यार्थियों को विभिन्न जागरूकता सत्रों के माध्यम से जोड़ा गया. इन सत्रों में 5एस सिद्धांत, स्वच्छता, सतत जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने और प्रकृति के संरक्षण में अपनी भूमिका समझने के लिए प्रेरित करना था. जागरूकता सत्रों के बाद कर्मचारी स्वयंसेवकों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और सीएसआर टीम के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया. इसके पश्चात स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से सामूहिक जिम्मेदारी और स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका को रेखांकित किया गया. इस अवसर पर रवीश शर्मा, सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक, ईएसएल स्टील लिमिटेड ने कहा, वी फॉर सोसाइटी के माध्यम से हमारा उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना है. बच्चों को पौधरोपण और स्वच्छता जैसी गतिविधियों से जोड़ना एक हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण की दिशा में सार्थक कदम है. वी फॉर सोसाइटी के माध्यम से ईएसएल स्टील कर्मचारी स्वयंसेवा और सामुदायिक सहभागिता की संस्कृति को निरंतर मजबूत कर रहा है, ताकि कर्मचारी और समुदाय मिलकर सामाजिक एवं पर्यावरणीय बदलाव की दिशा में सार्थक योगदान दे सकें.

डांडिया आयोजन को लेकर विश्वकर्मा महिला समिति की बैठक

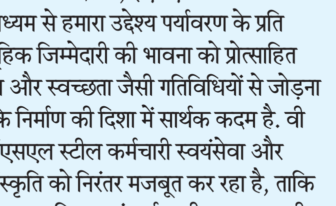

बोकारो(बिभा)। विश्वकर्मा महिला समिति, बोकारो की ओर से आगामी 14 अक्टूबर को सेक्टर-4/जी स्थित विश्वकर्मा मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर आयोजित होने वाले डांडिया कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को भव्य एवं श्रद्धापूर्ण बनाने को लेकर विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में महिलाओं की सहभागिता, पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित आयोजन की अन्य व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक निर्णय लिए गए। समिति की सदस्यों ने कहा कि नवरात्रि का पावन अवसर मां दुर्गा की आराधना के साथ महिला एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देने का अवसर भी है। सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आपसी सहयोग से कार्य करने का संकल्प लिया। विश्वकर्मा महिला समिति ने समाज की सभी महिलाओं से डांडिया आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की। बैठक में आशा शर्मा, अर्चना शर्मा, प्रीति शर्मा, सुशीला शर्मा, रीना राणा, उषा रानी, डिंपल शर्मा एवं रंजू शर्मा सहित महिला समाज की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

पेपर से लेकर कोर्ट तक, सड़क से लेकर प्लांट तक, बीएकेएस सभी फोरम पर है संघर्षरत : हरिओम

बिभा संवाददाता

बोकारो: बीएसएल अनाधीशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की आम सभा रविवार को सेक्टर-2 स्थित कला केंद्र में संपन्न हुई, जिसमें संयंत्र के कार्यरत कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष दिलीप कुमार और संचालन उप महासचिव मानिक राम मुंडा ने किया। सभा में कर्मचारियों ने यूनियन पदाधिकारियों से अपने हक और लंबित मुद्दों को लेकर सवाल पूछे, जिनका पदाधिकारियों ने बिंदुवार समाधान किया। कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव ने यूनियन का वार्षिक आय-व्यय और लेखा-जोखा प्रस्तुत कर सदन से मंजूरी ली।

सभा को संबोधित करते हुए महासचिव हरिओम ने कहा कि बीएकेएस बोकारो का एकमात्र संगठन है जो सेल कॉर्पोरेट व बीएसएल स्तर के लंबित मामलों को लेकर कोर्ट से लेकर सड़क और संयंत्र तक लगातार संघर्ष कर रहा है। उन्होंने सेल प्रबंधन, मानव संसाधन विभाग और इस्पात मंत्रालय के रुख की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि प्रबंधन की कर्मचारी विरोधी नीतियों के कारण आज कर्मियों को अपने ही प्रबंधन के खिलाफ 5 से 6 कानूनी लड़ाइयां लड़नी पड़ रही हैं। वेज रिवीजन में एनजेसीएस संविधान का खुला उल्लंघन कर अवैध एमओयू लागू किया गया, जिसमें एमजीबी, एरियर और पर्क्स में भारी विसंगतियां की गईं। भिलाई में कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद इंटक नेता के हस्ताक्षर से एमओयू लागू करने, बोनस फॉर्मूले, रात्रि पाली भत्ते, पे-स्केल, ग्रेच्युटी और पेंशन में धांधली के गंभीर आरोप लगाए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि उच्च अधिकारियों की मौजूदगी के बाद भी सेल कॉर्पोरेट स्तर पर 45 और बीएसएल स्तर पर 60 से अधिक मुद्दे लंबित क्यों हैं।

अध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि श्रमिकों की मौजूदा स्थिति के लिए केवल प्रबंधन ही नहीं, बल्कि एनजेसीएस की निर्णय लेने की पुरानी व्यवस्था भी जिम्मेदार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनजेसीएस में ढांचागत सुधार के लिए बीएकेएस न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। संगठन श्रमिकों के अधिकार, सम्मान और सुविधाओं के लिए संवाद के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर सड़क पर भी पूरी मजबूती से लड़ेगा।

सभा को उपाध्यक्ष कृष्ण रजवार, उपमहासचिव माणिक मुंडा, कोषाध्यक्ष राहुल साव और उप कोषाध्यक्ष देवेंद्र ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यसमिति सदस्य शत्रुंजय, त्रिवेणी, लीलू, चुन्नी, अमित, सोमेश सहित आम सदस्यों की प्रमुख भूमिका रही।

प्रस्तावित 0.4% एमडीआर शुल्क लागू नहीं हो : बोकारो चैंबर

बिभा संवाददाता

बोकारो। डिजिटल भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) शुल्क का विरोध करते हुए बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र भेजकर प्रस्ताव पर पुनर्विचार की मांग की है। चैंबर ने कहा कि इससे छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।

चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि छोटे व्यापारियों का लाभ मार्जिन पहले से सीमित है। ऐसे में डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क से उनकी लागत बढ़ेगी और मुनाफा प्रभावित होगा। वहीं, महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि कई छोटे दुकानदार डिजिटल भुगतान की लागत ग्राहकों पर डाल सकते हैं या डिजिटल भुगतान को हतोत्साहित कर सकते हैं। चैंबर ने प्रधानमंत्री से प्रस्तावित एमडीआर शुल्क लागू नहीं करने तथा व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाले बिना डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने वाली नीति बनाने की मांग की है।

संकल्प सृजन ने जरूरतमंद परिवारों को बांटी जीवनोपयोगी सामग्री

बिभा संवाददाता

बोकारो। संकल्प सृजन, झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में बोकारो के सेक्टर-2 स्थित मां अंबे गार्डन में भव्य पुरखा पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजाब नेशनल बैंक के आंचलिक प्रबंधक रंजीत सिंह, चास नगर निगम की उपमहापौर पूजा कुमारी सहित संस्था के पदाधिकारियों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया।

इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के आंचलिक प्रबंधक रंजीत सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में समाज की वास्तविक तस्वीर देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि यहां आने से पहले उन्होंने ऐसी व्यापक सहभागिता की कल्पना नहीं की थी। संकल्प सृजन की ओर से मातृ नवमी के अवसर पर समाज के वंचित वर्ग से चयनित 72 लोगों को करीब 40-45 प्रकार की जीवनोपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। यह पहल जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

चास नगर निगम की उपमहापौर पूजा कुमारी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के लोगों को सम्मान के साथ जोड़ना और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

संस्था की महामंत्री साध्वी झा ने संस्था की दैनिक, पाक्षिक एवं मासिक गतिविधियों तथा विभिन्न प्रकल्पों और आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज का वास्तविक स्वरूप काफी करुण है और संस्था का संकल्प है–समाज के सहयोग से समाज का विकास। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंदों के सहयोग के लिए आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास अग्रवाल, गौरी शंकर सिंह, अशोक जगनानी, कौशल किशोर राय, मधुसूदन गोपालन, विक्रम महतो, भाजपा नेता कृष्ण कुमार मुन्ना, विनोद कुमार महतो, रमेश लोहिया, दयाराम परमार, विष्णुदेव प्रसाद, इंदू अग्रवाल, रामाशंकर भिक्कू (कथारा), जितेंद्र तिवारी, विभाष सिंह, बलराम झा, मनोज झा, सुषमा बरनवाल, नेहा, अनिता, लालमोती, रेणु, सिताबी, उषा सिन्हा, रोहित शर्मा, कृष्णा, मोहित राज सहित अनेक कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन आंचल कुमारी एवं पूनम श्रीवास्तव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन गौरी शंकर सिंह ने किया।

जितिया पर्व के पारण से पहले छत से गिरकर 17 वर्षीय युवक की मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो। जितिया पर्व के पारण से ठीक पहले रविवार की सुबह चास थाना क्षेत्र के तेलीडीह स्थित देव मार्केट के समीप एक दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान शिवांश उर्फ राहुल कुमार के रूप में हुई है। वह मकान की चौथी मंजिल से नीचे गिर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर मिलते ही जितिया व्रत कर रही उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद इलाके में मातम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, शिवांश का परिवार मूल रूप से पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर का रहने वाला है। परिवार पिछले करीब 10 वर्षों से बोकारो में रह रहा है। बीते ढाई वर्षों से शिवांश अपनी मां के साथ तेलीडीह स्थित देव मार्केट के समीप किराए के मकान की चौथी मंजिल पर रह रहा था। उसके पिता युधिष्ठिर महतो मजदूरी के सिलसिले में हैदराबाद में रहते हैं। शिवांश वर्ष 2027 में होने वाली 10वीं की परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

परिजनों के मुताबिक, रविवार की अहले सुबह शिवांश सोकर उठा और अपनी मां से घूमने जाने की बात कहकर बाहर चला गया। इसके बाद उसकी मां दोबारा सो गई। कुछ देर बाद उसके छत से गिरने की सूचना परिवार को मिली।

मृतक के मौसा प्रबल कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी ने फोन कर राहुल के छत से गिरने की जानकारी दी। पहले उन्हें लगा कि राहुल घायल हुआ होगा और अस्पताल में भर्ती कराया गया होगा। मौके पर पहुंचने पर मकान मालिक ने उसकी मौत की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राहुल शांत स्वभाव का था और उसका किसी से कोई विवाद नहीं था।

पड़ोसी राजेश ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे अचानक जोरदार आवाज सुनाई दी। उन्होंने और उनकी पत्नी ने बाहर निकलकर देखा तो एक युवक जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़ा था। इसके बाद मकान मालिक और पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चास अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।

एसएसपी वेदांत शंकर ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक अपनी मां के साथ रहता था, जबकि उसके पिता हैदराबाद में काम करते हैं। युवक के शांत स्वभाव का होने की जानकारी मिली है। पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

जैन मिलन बोकारो ने मनाया विश्व मैत्री दिवस, क्षमा और भाईचारे का दिया संदेश

तपस्वियों का किया बहुमान, मिच्छामि दुक्कड़म के साथ एक-दूसरे से मांगी क्षमा

बिभा संवाददाता

बोकारो। जैन मिलन बोकारो के तत्वावधान में विश्व मैत्री दिवस का आयोजन उत्साह और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया।

जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि क्षमा की भावना से समाज में सद्भावना और आपसी विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि क्षमा केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि मानवता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है।

समारोह के दौरान अनिल बैद, किरण पारख, ऋषिका कोठारी, अंजू बैद, विनिता बैद, अखिलेश बम, शिल्पा सेठ, दीपक डोसी, सुरेंद्र जैन और सोनल देसाई का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर भावभीना बहुमान किया गया। उपस्थित लोगों ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की।

विश्व मैत्री दिवस के संदेश को आत्मसात करते हुए उपस्थित लोगों ने मन, वचन और काया से जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए एक-दूसरे से क्षमा याचना की। सभी ने ह्यमिच्छामि दुक्कड़मह्न कहते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम और मैत्री भाव को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

नताशा जैन और शांतिलाल लोढ़ा ने भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सचिव आलोक जैन ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की। डॉ. महेंद्र जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि मंच का संचालन सुशील बैद ने किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, जैन मिलन के पदाधिकारी तथा बिनोद चोपड़ा, बजरंग लाल चोरड़िया, चंदन बांठिया, अंकित जैन, विपुल मेहता, डॉ. एमएल चोरड़िया, सुभाष जैन, पीयूष जैन, सरोज जैन, रेणु चोरड़िया, अलका जैन, प्रकाश कोठारी, बबीता कोठारी, राजेश कोठारी, दीपक सेठ, विमल सेठ, अशोक बांठिया, कमल कुमार जैन सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

बिस्को का वार्षिक पुरस्कार वितरण सह संगीत संध्या आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बैंक इंश्योरेंस स्पोर्ट्स एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (बिस्को) चास-बोकारो की ओर से रविवार को एसबीआई सेक्टर-4 शाखा परिसर में वार्षिक पुरस्कार वितरण सह संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिस्को के कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास, महासचिव राघव कुमार सिंह सहित पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों और रक्तदान करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। महिलाओं की म्यूजिकल बॉल थ्रो प्रतियोगिता में किरण प्रथम, यास्मीन तबस्सुम द्वितीय और नीलू कुमारी राय तृतीय रहीं। लाइट द कैंडल प्रतियोगिता में प्रियंका प्रसाद, नेहा कुमारी और शीला ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया।

बच्चों की चित्रांकन प्रतियोगिता छह वर्गों में आयोजित की गई। विभिन्न वर्गों के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महासचिव राघव कुमार सिंह ने बिस्को की गतिविधियों और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास ने संगठन के घोषवाक्य चिरायुर्वे सख्यम के साथ कर्म, शील और मित्रता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

संगीत संध्या में श्रीजनी सेनगुप्ता, सुबोध रजक, रश्मि सोनल, हिमांशु शेखर मिश्रा और अजय कुमार ने गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संचालन सुबोध कुमार रजक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजेश ओझा ने किया। आयोजन में बड़ी संख्या में बिस्को सदस्य एवं प्रतिभागी मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महासचिव राघव कुमार सिंह के साथ विभाष झा, रामाशीष सिंह, दीप नारायण कुमार, अवधेश प्रसाद, राजेश श्रीवास्तव, राजेश ओझा, राकेश मिश्रा, सितारे अहमद, अरुण कुमार, कृष्णकांत, प्रशांत कुमार, ज्ञान स्वरूप सिन्हा, राजकुमार प्रसाद, सुनीता कुमारी राय सहित बिस्को के सदस्यों की भूमिका रही।

रामगढ़ में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ: विशाल कलश यात्रा के बाद व्यासपीठ पर विराजे मृदुल कृष्ण गोस्वामी, राज्यपाल संतोष गंगवार भी पहुंचे

श्रीमद् भागवत कथा ही आपको विवेक देगी, अच्छाई को जीवन में ग्रहण करो : मृदुल कृष्ण गोस्वामी

प्रकाश पटवारी/बिभा

रामगढ़: रुंगटा परिवार के तत्वावधान में रामगढ़ जिमखाना क्लब एवं रिसोर्ट में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ रविवार को भागवत पूजन और भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। कथा से पूर्व प्रणीत टावर स्थित हनुमान मंदिर से विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें लाल साड़ियों में सिर पर कलश लिए महिलाएं और पारंपरिक परिधानों में पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। मारवाड़ी युवा मंच और महिला चेतना समिति के संचालन में निकली इस यात्रा में भजन गायक कमल बगड़िया के संकीर्तन पर झूमते हुए श्रद्धालु कथा स्थल तक पहुंचे।

कथा के प्रथम दिन व्यासपीठ से विश्वविख्यात कथा व्यास भागवत रत्न आचार्य मृदुल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने भागवत महात्म्य पर अमृत वर्षा की। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद्भागवत का श्रवण करने से अनंत गुना पुण्य प्राप्त होता है और पितृगण तृप्त होते हैं। 'भागवत' शब्द की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि 'भ' भवसागर में प्रकाश, 'ग' जीवन को गति, 'व' सभी पुराणों में वरिष्ठता और 'त' से तात्पर्य संसार सागर से तर जाना है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत साक्षात श्रीकृष्ण का स्वरूप है और इसमें रस ही रस समाहित है। बिहारी जी महाराज को केवल 'चंदन' और 'वंदन' प्रिय हैं, जो भी यह भाव समर्पित करता है उसके भवबंधन कट जाते हैं। कथा के दौरान वृंदावन बिहारी सांवरे नंद लाला और किसकी शरण मैं जाऊं जैसे भजनों तथा राधा-कृष्ण के मोर नृत्य की मनोहारी झांकी पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे।

कथा श्रवण के लिए झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार भी कथा स्थल पहुंचे। उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान श्रीमद्भागवत ग्रंथ को पुष्प अर्पित कर नमन किया। पूज्य गुरुदेव ने राज्यपाल का अभिनंदन करते हुए उन्हें राधा-कृष्ण का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य यजमान माया रूंगटा परिवार द्वारा व्यासपीठ का पूजन, माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंट कर गुरुदेव का स्वागत किया गया। इस अवसर पर रांची के पूर्व सांसद अजय मारू और अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। व्यवस्था सहयोग में प्रमोद सारस्वत, शंभू पटवारी, रोहित शर्मा, कमल बगड़िया और प्रकाश पटवारी सक्रिय रहे। आयोजन समिति के आलोक रूंगटा ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक चलेगी। उन्होंने शहरवासियों से 15 मिनट पूर्व कथा प्रांगण में स्थान ग्रहण करने की अपील की। प्रथम दिवस की कथा का समापन महाआरती और महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ।

दुर्गा पूजा को लेकर कुडू थाना में शांति समिति की बैठक,

असामाजिक तत्वों पर रहेगी पुलिस की नजर

बिभा संवाददाता

कुडू। आगामी दुर्गा पूजा त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर कुडू थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लोहरदगा अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार ने की। बैठक में विधि-व्यवस्था, रूट चार्ट, पूजा समितियों के लाइसेंस, पूजा पंडाल, पूजा आयोजन एवं मूर्ति विसर्जन के समय सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है। इस अवसर पर शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने सभी लोगों से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मिलजुलकर त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन क्षेत्रवासियों की सेवा एवं सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। सभी पूजा समितियां आवश्यक रूप से लाइसेंस प्राप्त करें। पूजा के दौरान डीजे का प्रयोग नहीं करें तथा पूजा समितियों द्वारा पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर तैनात रखे जाएं।

वहीं कुडू थाना प्रभारी नीरज झा ने कहा कि दुर्गा पूजा प्रेम और भाईचारा बढ़ाने का पर्व है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं सभी समुदायों के बुद्धिजीवियों से आपसी समन्वय के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार संपन्न कराने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। शांति व्यवस्था में खलल डालने वालों के खिलाफ निश्चित रूप से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने सभी पूजा पंडाल समितियों से आवेदन देकर लाइसेंस प्राप्त करने की अपील की। साथ ही सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट नहीं करने तथा अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की बात कही। उन्होंने लोगों से किसी भी संदिग्ध या भ्रामक सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

बैठक में कुडू अंचलाधिकारी सह बीडीओ संतोष उरांव, किस्को अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर आजाद, थाना प्रभारी नीरज झा, एसआई जेनी सुधा तिग्गा, उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, आजसू के केंद्रीय सचिव लाल गुड्डू नाथ शाहदेव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बड़की चांपी में पारंपरिक ऐतिहासिक जितिया जतरा का आयोजन

कुडू(बिभा)। कुडू प्रखंड क्षेत्र के बड़की चांपी बाजार टांड़ में पारंपरिक एवं ऐतिहासिक जितिया जतरा का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर बड़की चांपी के पाहन एतवा उरांव एवं मुनी उरांव ने जितिया डाली की विधिवत पूजा-अर्चना की। पाहन ने कहा कि यहां वर्षों से जितिया जतरा का आयोजन होता आ रहा है। सभी लोग जीतबाहन भगवान की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना करते हैं। उन्होंने बताया कि जितिया पर्व में माताएं अपने बच्चों की दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना को लेकर अश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी को निर्जला उपवास करती हैं तथा नवमी के दिन व्रत का पारण करती हैं। जतरा का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुडू प्रखंड प्रमुख मुनी देवी ने विधिवत फीता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जतरा हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसे सभी को मिलजुलकर आगे बढ़ाना चाहिए। वहीं कुडू प्रखंड के पूर्व प्रमुख परिखा मुंडा ने कहा कि समाज एवं संस्कृति के विकास के लिए सभी को मिलजुलकर कार्य करना चाहिए। किसी के बहकावे या राजनीति के चक्कर में आकर अपनी सभ्यता, संस्कृति, आदिवासी समाज की रीति-रिवाज एवं संस्कार को नहीं भूलना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग पुलिस का विशेष समकालीन अभियान, 33 अभियुक्त गिरफ्तार

हजारीबाग(बिभा) : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार जिले में फरार चल रहे अपराधियों, वारंटियों एवं विभिन्न कांडों के अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए 4 अक्टूबर की रात्रि विशेष समकालीन एवं छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिले के विभिन्न पुलिस उपाधीक्षकों एवं पुलिस निरीक्षकों ने किया।अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारियों के नेतृत्व में कुल 31 पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों में करीब 123 पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी शामिल रहे। गठित टीमों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार छापामारी एवं गिरफ्तारी की कार्रवाई की। विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे कुल 33 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। वहीं अभियान के क्रम में 8 वारंट का निष्पादन भी किया गया।पुलिस की इस कार्रवाई से फरार अपराधियों एवं वारंटियों में हड़कंप है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। हजारीबाग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि उनके आसपास यदि कोई ऐसा आपराधिक तत्व मौजूद है, जो किसी मामले में फरार चल रहा है अथवा गिरफ्तारी के डर से छिपकर रह रहा है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें। प्राप्त सूचना का पुलिस द्वारा सत्यापन करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग ने कहा कि जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और कानून तोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य आगाज, साइकिल रेस में युवाओं ने दिखाया उत्साह

हजारीबाग(बिभा) : मारवाड़ी अग्रवाल समाज की ओर से महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ रविवार को साइकिल रेस प्रतियोगिता के साथ हुआ। सुबह करीब 5 बजे अग्रसेन भवन से साइकिल रेस का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में समाज के युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए खेल भावना और उमंग का परिचय दिया। साइकिल रेस शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों और मार्गों से गुजरते हुए पुनः अग्रसेन भवन पहुंची, जहां प्रतियोगिता का समापन हुआ।प्रतियोगिता में समर अग्रवाल ने प्रथम, सभ्य अग्रवाल ने द्वितीय तथा श्रेयाश अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं स्पिरिट ऑफ द गेम का सांत्वना पुरस्कार आशमान अग्रवाल को तथा यंगेस्ट स्पिरिट का सांत्वना पुरस्कार युवान अग्रवाल को प्रदान किया गया। इस सात दिवसीय महोत्सव के दौरान विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

आज सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

हजारीबाग(बिभा) : डीवीसी की 132 केवी कोनार-बरही ट्रांसमिशन लाइन (एल#80/83) में निर्धारित कार्य के कारण आज सोमवार, को हजारीबाग क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। जेयूएसएनएल की 132 केवी बिष्णुगढ़-सारिया ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण कार्य के तहत टावर संख्या टी27(ए) एवं टी28(ए) के बीच कंडक्टर स्ट्रिंगिंग कार्य किया जाना है। इसके लिए डीवीसी की कोनार-बरही लाइन को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शटडाउन में रखा जाएगा। इसका व्यापक प्रभाव हजारीबाग एवं आसपास के विद्युत आपूर्ति क्षेत्र पर पड़ने की संभावना है। डीवीसी सिंदूर, हजारीबाग की विद्युत आपूर्ति इस अवधि में पूरी तरह बाधित रहेगी। वहीं, हजारीबाग एवं बरही के जेबीवीएनएल फीडरों में लोड शेडिंग की जाएगी। केटीपीएस एवं कोडरमा क्षेत्र के फीडरों पर भी आवश्यकता के अनुसार 50 प्रतिशत तक लोड प्रतिबंध लगाया जा सकता है।हजारीबाग एवं बरही की विद्युत आपूर्ति को उपलब्धता के अनुसार 132 केवी केटीपीएसझबरही लाइन के माध्यम से बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। कोनार सबस्टेशन पर लोड कटौती की संभावना नहीं है।जनसाधारण से अपील है कि 5 अक्टूबर को हजारीबाग में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहने की संभावना को देखते हुए आवश्यक विद्युत कार्य एवं पानी आदि की व्यवस्था समय से कर लें। यदि कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा हो जाता है तो विद्युत आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा।विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि असुविधा के लिए खेद है।

व्यवहार न्यायालय लातेहार परिसर में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

एमएसीटी और एनडीपीएस से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण : शेषनाथ सिंह

बिभा संवाददाता

लातेहार; झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार शेषनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय लातेहार परिसर में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला मोटर वाहन दुर्घटना दावा और स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के कानूनी पहलुओं और प्रक्रियाओं पर केंद्रित थी। इस कार्यशाला में लातेहार के पुलिस अधीक्षक सह डालसा सदस्य कुमार गौरव भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कानूनी बारीकियों और अनुसंधान पर जोर

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह ने पुलिस अधिकारियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एमएसीटी और एनडीपीएस से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण होती है। पीड़ित परिवारों को समय पर न्याय दिलाने के लिए दुर्घटना के मामलों में त्वरित और सटीक जांच अनिवार्य है। वहीं दूसरी ओर समाज को खोखला कर रहे नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस को कानूनी प्रक्रियाओं का कड़ाई से और त्रुटिहीन पालन करना होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक सह डालसा अध्यक्ष श्री कुमार गौरव ने मोटर दुर्घटना और एनडीपीएस के दुष्परिणाम, समाज पर पड़ रहे प्रभाव और पुलिस के कर्तव्य और जिम्मेवारियों पर प्रकाश डाला। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मिश्रा ने मोटर दुर्घटना दावा वाद के धाराओं और इससे जुड़ी विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया।पुलिस को दी गई विस्तृत तकनीकी जानकारी कार्यशाला में उपस्थित पुलिस अधिकारियों को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीष सुनील दत्ता द्वीवेदी द्विवेदी एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय दीपक कुमार ने केस डायरी तैयार करने, साक्ष्यों को सही तरीके से संकलित करने एनडीपीएस मामलों में जब्ती की सही प्रक्रिया अपनाने और तय समय सीमा के भीतर माननीय अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करने सहित एनडीपीएस के महत्वपूर्ण धाराओं से जुड़ी तकनीकी व व्यावहारिक जानकारियां दी। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार के द्वारा मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित तकनीकि और महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। जिला के रोड सेफटी मैनेजर तनवीर हुसैन और हेड असीसटेंट श्रीमति सरोज तेलरा ने रोड सेफटी एवं इससे जुड़ी विभिन्न पहलुओं को समझाया। इसके साथ ही कार्यशाला में बीएनएसएस, बीएनएस और बीएसए पर भी विशेष चर्चा हुई। मौके पर सीजेएम विक्रम आन्नद, डालसा सचिव शिवम चैरसिया, जिला अभियोजक शिवशंकर राम, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, सभी थाना प्रभारी सहित जिला के अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

गांधी मैदान में डिज्नीलैंड मेले का उप आरक्षी अधीक्षक ने किया शुभारंभ

360 शो, फिश टनल और विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प रहेंगे विशेष आकर्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व को लेकर मटवारी स्थित गांधी मैदान में रविवार को डिज्नीलैंड मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन सांध्य में उप आरक्षी अधीक्षक हजारीबाग अमित कुमार ने किया। मेला प्रतिभा सेवा संस्थान, रैतर, नालंदा (बिहार) एवं शिव शक्ति दुर्गा पूजा ट्रस्ट, हजारीबाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन के साथ ही मेले में लोगों की आवाजाही शुरू हो गई। आयोजकों के अनुसार मेले का उद्देश्य मनोरंजन और खरीदारी के साथ-साथ बेरोजगार युवक-युवतियों को मार्केटिंग के लिए मंच उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों के कारीगरों द्वारा तैयार हस्तशिल्प एवं आकर्षक घरेलू उपयोग की वस्तुओं की बिक्री सह प्रदर्शनी लगाई गई है। मेले का प्रमुख आकर्षण 360 शो होगा। आयोजकों के अनुसार यह शो भारत के अलावा एशिया के चुनिंदा स्थानों पर होने वाले प्रमुख मनोरंजक आकर्षणों में शामिल है और झारखंड में पहली बार हजारीबाग में इसका आयोजन किया जा रहा है। वहीं पहली बार फिश टनल और जलपरी आकर्षण भी तैयार किया गया है, जो बच्चों के साथ बड़ों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहेगा।

मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारी की गई है। पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही अग्निशामक यंत्र, सिक्योरिटी गार्ड, बाउंसर एवं वॉलंटियर की तैनाती की गई है।

यूपीआई पर शुल्क लगाने के विरोध में चेंबर का धरना आज

व्यापारियों और ग्राहकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने के विरोध में मालवीय मार्ग में जुटेंगे व्यवसायी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में 5 अक्टूबर, सोमवार को यूपीआई पर शुल्क लगाए जाने के विरोध में धरना दिया जाएगा। चेंबर की ओर से बताया गया कि यूपीआई पर शुल्क लगाए जाने से व्यापारियों के साथ-साथ ग्राहकों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। इसी के विरोध में चेंबर द्वारा धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

धरना सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मालवीय मार्ग स्थित विनोद स्टोर के पास आयोजित होगा। इस दौरान व्यवसायी यूपीआई पर शुल्क लगाए जाने के विरोध में अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

चेंबर ने कहा कि वर्तमान समय में यूपीआई डिजिटल भुगतान का प्रमुख माध्यम बन चुका है। बड़ी संख्या में व्यापारी और ग्राहक रोजमर्रा के लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इस पर शुल्क लगाए जाने से व्यापारियों और आम ग्राहकों की परेशानी बढ़ सकती है तथा उन पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा।

फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने जिले के सभी व्यवसायियों से अपील की है कि वे चेंबर द्वारा आहूत धरना कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाएं। चेंबर ने कहा कि व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन आगे भी मजबूती के साथ अपनी आवाज उठाता रहेगा।

आदर्श ग्राम चटुआग में 22वर्षों से लग रहा जितिया जतरा मेला, परंपरा और संस्कृति का दिखा अद्भुत संगम

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा। प्रखंड के कामता पंचायत स्थित आदर्श ग्राम चटुआग का ऐतिहासिक जितिया जतरा मेला रविवार को पूरे उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजित हुआ। गांव के प्रसिद्ध देवीमंडप परिसर में आयोजित इस जतरा में आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे। दिनभर देवीमंडप परिसर में आस्था, संस्कृति और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। चटुआग का जितिया जतरा केवल एक मेला नहीं, बल्कि क्षेत्र की पुरातन आदिवासी संस्कृति और सामुदायिक परंपरा की जीवंत पहचान माना जाता है। यहां देवीमंडप में जितिया के दूसरे दिन विशेष पूजा-अर्चना की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार पूजा की यह पद्धति कई पीढ़ियों पुरानी है, जबकि वर्तमान स्वरूप में जतरा मेला पिछले 22 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है।

गांव के पाहन-पुजार के नेतृत्व में देवीमंडप में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद जतरा की शुरूआत हुई। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे लोगों ने देवीमंडप में पूजा कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।जतरा का सबसे बड़ा आकर्षण आदिवासी लोक संस्कृति रही। मांदर, ढोल और नगाड़ों की गूंज के बीच युवक-युवतियों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। देर तक चले नृत्य और गीत में ग्रामीण भी शामिल होते रहे। पूरा देवीमंडप परिसर लोक संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया।

चटुआग का यह जतरा क्षेत्र की उस सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जिसे ग्रामीणों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है। आधुनिकता के दौर में भी पारंपरिक पूजा, मांदर-नगाड़े, सामूहिक नृत्य और ग्रामीणों की सहभागिता इस जतरा को विशेष पहचान देती है। जतरा को सफल बनाने में अध्यक्ष जगेश्वर गंझु, सचिव राजेंद्र भगत, जगमोहन गंझु, जगन भगत,महेंद्र गंझु, द्वारिका गंझु, मुखिया नरेश भगत, पंडा मुंडा, संतोष गंझु समेत ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नए थाना प्रभारी नीरज झा एवं अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर आजाद का स्वागत

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले के कुडू थाना के नए थाना प्रभारी नीरज झा एवं किस्को अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर आजाद का दुर्गा पूजा समिति बड़की चांपी के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। समिति के पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों को चुनरी ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

ज्ञात हो कि नीरज झा ने कुडू थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण किया है। उनके पदभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों द्वारा लगातार स्वागत किया जा रहा है।

इस मौके पर दुर्गा पूजा समिति बड़की चांपी के अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता ने कहा कि नए थाना प्रभारी के नेतृत्व में कुडू क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और बेहतर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द कायम रखने के लिए समिति की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान की भी उम्मीद जताई। मौके पर कुडू प्रखंड के पूर्व प्रमुख परिखा मुंडा, अमोद पाठक, यदुनंदन तिवारी, लाल गौरी शंकर नाथ शाहदेव, आनंद सिंह, मुकेश प्रजापति, विनय कुमार सहित दुर्गा पूजा समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।

नीरजा भनोट से स्मित मच्छार तक, हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया

राकेश सैन

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना।

इसके बाद इजारायली यात्री यानिव हयून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकडकर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छार ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इस्राइली नागरिक थे। विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को 'अविस्वसनीय' बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें 'हीरो' बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को लेकर कैप्टन मच्छार और यात्री यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने दरवाजा खोलकर अहम भूमिका निभाई। वैसे इस घटना का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है परंतु समझा जा रहा है कि अगर दुर्घटना हो जाती तो यह अमेरिका के ट्विन टावरों पर हुए आतंकी घटना का ही दूसरा रूप होती, संभव है इसके बाद इस्त्राईल की भी सैनिक प्रक्रिया होती और दुनिया में शांति व्यवस्था को नया खतरा पैदा हो जाता, जो पहले ही इरान-अमेरिका और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते संकट में चली आ रही है। स्मित मच्छार की बहादुरी ने न केवल पौने दो सौ लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया को भी एक बड़े संकट से बचा लिया।

30 सितम्बर को हुई इस घटना ने एक और हिन्दू विरांगना नीरजा भनोट का पुण्य स्मरण करवा दिया है जो इसी तरह की घटना में शहीद हुई थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहृत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा-ए-इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया। 5 सितंबर 1986 की सुबह कराची का जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पैन अमेरिकन वर्ल्ड की फ्लाइट 73 मुंबई से न्यूयॉर्क के सफर पर थी और कराची उसका एक पड़ाव था। विमान में करीब 360 यात्री और 19 क्रू सदस्य मौजूद थे। लेकिन अचानक विमान में चार हथियारबंद आतंकी घुस आए और उन्होंने फ्लाइट को हाईजैक कर लिया। उस समय विमान की सीनियर फ्लाइट पर्सर थीं 22 साल की नीरजा भनोट। हालात बेहद खतरनाक थे, लेकिन नीरजा ने घबराने के बजाय तुरंत समझ लिया कि यात्रियों को बचाने के लिए क्या करना जरूरी है। उन्होंने कॉकपिट तक हाईजैक का संकेत पहुंचाया। इसकी वजह से पायलट और दूसरे कॉकपिट क्रू सदस्य विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे जिससे विमान के उड़ान भरने की संभावना खत्म हो गई और आतंकवादी अंदर फंस गए यात्रियों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की नजर अमेरिकी यात्रियों पर थी। नीरजा ने अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपाने शुरू कर दिए। पासपोर्ट कूड़ेदान में डाल दिए गए, ताकि आतंकवादियों को यह पता न चल सके कि विमान में कौन-कौन से अमेरिकी नागरिक मौजूद हैं। करीब 17 घंटे तक विमान जमीन पर खड़ा रहा। जब विमान की बिजली चली गई, तो स्थिति अचानक और ज्यादा खतरनाक हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अफरा-तफरी के बीच नीरजा ने इमरजेंसी गेट खोल दिया। उनके सामने मौका था कि वह खुद सबसे पहले विमान से बाहर निकल जाएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने यात्रियों को बाहर निकलने में मदद करना शुरू किया। नीरजा ने बच्चों समेत कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसी दौरान वह आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गईं। तीन बच्चों को बचाने की कोशिश करते हुए उन्हें गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई. हालांकि, नीरजा की सूझबूझ और साहस के कारण सैकड़ों यात्री सुरक्षित बच पाए।

नीरजा भनोट की बहादुरी को भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सम्मान मिला. भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। पाकिस्तान ने भी उनकी बहादुरी को मान्यता देते हुए उन्हें 'तमगा-ए-इंसानियत' से सम्मानित किया। अमेरिका में भी उनकी बहादुरी के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। बाद के वर्षों में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया और मुंबई में एक चौक का नाम भी उनके नाम पर रखा गया। आज स्मित मच्छार ने नीरजा भनोट की उसी बहादुरी की पुनः स्मृति करवा दी है और दुनिया हिन्दुओं की शूरवीरता व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

संपादकीय

'घोषणा-पत्र' गायब!

हमारे देश में दो सबसे प्रमुख संवैधानिक संस्थाएं हैं-सर्वोच्च अदालत और चुनाव आयोग। अक्सर शीर्ष अदालत चुनाव आयोग के फैसलों, कार्य-प्रणाली और अभियानों में हस्तक्षेप नहीं करती। दलील दी जाती रही है कि वह भी संवैधानिक संस्था है, लिहाजा संविधान की गरिमा और वैधता को समझती है। अलबत्ता सर्वोच्च अदालत आयोग के फैसलों की आधी-अधूरी समीक्षा जरूर करती रही है। सवाल है कि फॉर्म 6 के साथ जो घोषणा-पत्र नत्थी किया गया था, उसे सर्वोच्च अदालत ने 'अवैध' करार क्यों नहीं दिया? आयोग को निर्देश क्यों नहीं दिए गए कि फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव उसके अधिकार-क्षेत्र में नहीं है? संसद और भारत सरकार की स्वीकृति और अधिसूचना के बाद ही चुनाव आयोग कोई बदलाव कर सकता था। अब अचानक 26 सितंबर को आयोग का फैसला सामने आया कि जहां 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) हो चुका है अथवा अभी होना है, वहां फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र की अनिवार्यता नहीं है। बीती 30 सितंबर को आयोग के 'साफ्टवेयर तंत्र' से ही फॉर्म 6 के साथ वाला घोषणा-पत्र गायब हो गया। कहां गया घोषणा-पत्र..? अब किसने फैसला लिया कि घोषणा-पत्र हटा दिया जाए? क्या यह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता और दोनों चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी-का 'साझा निर्णय' है? देश को जानने का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवाल भी तार्किक लगते हैं कि फॉर्म 6 में अवैध तरीके से बदलाव किसके आदेश से किया गया? 'टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज' (टीसीएस) को आदेश किसने दिया? कंपनी में किसने मंजूरी दी? हालांकि नेता प्रतिपक्ष ने घोषणा-पत्र गायब होने का मुद्दा अभी नहीं उठाया है। घोषणा-पत्र को हटाने अथवा गायब होने का महत्व इसलिए है, क्योंकि लाखों वैध मतदाताओं को बाध्य कर घोषणा-पत्र भरवाए जा रहे थे। सॉफ्टवेयर में ऐसी व्यवस्था की गई थी कि यदि मतदाता अपने माता-पिता या दादा-दादी के मतदाता होने की पुष्टि नहीं करता अथवा वह कॉलम नहीं भरता, तो उसे भी मतदाता-सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। फॉर्म 6 के घोषणा-पत्र के जरिए मतदाताओं को 'झूठ' बोलने को भी विवश किया जाता रहा है कि वह पहली बार मतदाता बनने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कभी भी मतदान नहीं किया। यह मामला भी शीर्ष अदालत के सामने उठना चाहिए। 'इंडी' गठबंधन की बैठक में प्रख्यात अधिवक्ता एवं सांसद कपिल सिब्बल ने सुझाव दिया था कि आयोग में आईटी सॉफ्टवेयर सिस्टम की महानिदेशक सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए, क्योंकि सीईसी ज्ञानेश को तो 2023 के कानून के मुताबिक 'कानूनी कवच' मिला हुआ है।

भारतीय खिलाड़ियों का जापान में श्रेष्ठ प्रदर्शन

सनत जैन

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन कर दिया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 85 पदक अपने नाम किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह भारत ने एशिया के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीत कर पहली बार सारी दुनिया को चौंकाया था। 2026 में 2023 का रिकॉर्ड तो भारत नहीं तोड़ पाया लेकिन उसने जो सफलता प्राप्त की है भारत के लिए यह अभियान कई मायनों में अति महत्वपूर्ण रहा। अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने न केवल पदक जीते, बल्कि कई मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी उम्मीदें बढ़ाईं हैं। खास तौर पर निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

एशियन गेम्स में भारत के खाते में कुल 21 स्वर्ण पदक आए। इनमें कई ऐसे मुकाबले रहे, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों ने कड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। रजत पदकों की संख्या 27 और कांस्य पदकों की संख्या 37 रही। इस तरह भारत ने कुल 85 पदकों के साथ प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय खेलों में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती जैसे खेलों पर ध्यान बढ़ा है, उसका असर एशियन गेम्स के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया है। निशानेबाजी भारत के लिए प्रमुख पदक दिलाने वाले खेलों में शामिल रही। भारतीय निशानेबाजों ने विभिन्न स्पधाओं में शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण पदक हासिल किए। वहीं तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, एकाग्रता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का परिचय दिया। एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रैक एंड फील्ड स्पधाओं में मिले पदकों ने भारत की पदक तालिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुश्ती में भी भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए।

एशियन गेम्स 2026 का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वर्ण पदक हासिल करना रहा है। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इसके साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया। महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि ने भारतीय खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया और यह साबित किया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। एशियन गेम्स में 85 पदकों के साथ चौथा स्थान भारत के लिए उत्साहजनक परिणाम माना जा सकता है। इस प्रदर्शन से देश के खिलाड़ियों और खेल संघों के सामने अब अगले बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए और बेहतर तैयारी करने की चुनौती भी है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि पदक केवल एक-दो खेलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता

दिखाई। 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों का यह प्रदर्शन भारतीय खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का संकेत देता है। एशियन गेम्स 2026 का भारतीय अभियान इस संदेश के साथ समाप्त हुआ, देश के खिलाड़ी अब एशियाई ही नहीं, बल्कि वैश्विक खेल मंच पर भी बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदशर्न किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा।

जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है।

अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

नीरज कुमार दुबे

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है।

वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-ह्लशिक्षकों के साथ खड़े रहनाः पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना ह्व यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियां, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है। आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्त्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है।

महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। ह्यसा विद्या या विमुक्तयेह्ल-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियां दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निमार्ता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है।

आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहींकृ-संतुलन को समझाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल ह्यगुरुह्ल नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पत्थर में छिपी प्रतिमा को देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है।

नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा। इसलिए आज शिक्षक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह विद्यार्थी को कितनी जानकारी दे सकता है, बल्कि यह है कि वह विद्यार्थी को कैसा मनुष्य बना सकता है। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ का विचार था कि व्यक्तित्व-निर्माण अत्यंत कठिन कार्य है और जागरूक, निःस्वार्थ शिक्षक ही दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है। यही शिक्षक की असली तपस्या है। वह प्रतिदिन अनेक जीवनों को स्पर्श करता है और उसे पता भी नहीं होता कि उसकी कही हुई कोई छोटी-सी बात किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकती है। आज विश्व शिक्षक दिवस हमें केवल शिक्षकों को धन्यवाद देने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह आत्ममंथन का भी अवसर है कि हम शिक्षक को वह सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग दे रहे हैं या नहीं, जिसकी उसे आवश्यकता है। 1966 की अनुशंसा के छह दशक बाद भी यूनेस्को इस पेशे की स्थिति को पुनर्विचार का विषय बना रहा है, क्योंकि बदलती दुनिया ने शिक्षक के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

आज शिक्षक के हाथ में केवल चॉक और किताब नहीं, बल्कि आने वाली सभ्यता की दिशा है। वह तय कर सकता है कि एआई से समृद्ध होने वाली दुनिया अधिक मानवीय बनेगी या अधिक यांत्रिक; ज्ञान बढ़ने के साथ विवेक बढ़ेगा या नहीं; तकनीकी प्रगति के साथ करुणा और अहिंसा भी आगे बढ़ेंगी या नहीं। इसलिए 2026 की थीम-ह्लशिक्षकों के साथ खड़े रहनाह्व दरअसल भविष्य के साथ खड़े रहने का आह्वान है। शिक्षक को सशक्त करना नई पीढ़ी को सशक्त करना है। शिक्षक का सम्मान करना ज्ञान, संस्कार और मानवता का सम्मान करना है। और शिक्षक को उसकी गरिमा लौटाना उस नई सृष्टि की नींव मजबूत करना है, जिसमें विज्ञान के साथ संवेदना, बुद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ करुणा और प्रगति के साथ शांति का सह-अस्तित्व हो। क्योंकि मशीनें भविष्य को तेज बना सकती हैं, लेकिन शिक्षक ही भविष्य को मानवीय बना सकते हैं।

भारत का उभरता सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र

बिहान भारत

भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा 1990 के दशक की शुरूआत में परम 8000 से विकसित होकर 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक राष्ट्रीय परितंत्र में बदल गई है। सितंबर 2026 तक 40 सुपर कंप्यूटरों द्वारा 68 पीएफ (पेटाफ्लॉप्स) यानी काफी तेज गणना देने के साथ, एनएसएम उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) तक अपना विस्तार कर रहा है। मिशन ने कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी एवं जलवायु मॉडलिंग, आपदा प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स और खगोल भौतिकी में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को संभव बनाते हुए स्वदेशी सर्वर, सॉफ्टवेयर, कूलिंग और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं।

देश की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताओं का निर्माण

फसल पैदावार की भविष्यवाणी करने और बीमारी के प्रकोप पर नजर रखने से लेकर दवा की खोज में तेजी लाने और नदी की बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने तक, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सामाजिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। वे बड़े पैमाने पर डेटासेट को संसाधित करने में मदद करते हैं और जलवायु, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और इंजीनियरिंग में जटिल सिमुलेशन का समर्थन करते हैं। वे तेजी से विश्लेषण भी संभव करते हैं और शोधकताओं को जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का तेजी से समाधान करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक खोज और तकनीकी नवाचार में तेजी लाने के लिए यह आवश्यक होता जा रहा है।
सुपर कंप्यूटर उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम हैं जिन्हें असाधारण गति पर जटिल गणनाओं को संभव बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वे एक साथ कई गणनाएं करने के लिए बड़ी संख्या में प्रोसेसर को जोड़ते हैं। यह शोधकताओं को बड़े पैमाने पर डेटासेट का विश्लेषण करने और परिष्कृत सिमुलेशन को कुशलतापूर्वक चलाने में सक्षम बनाता है। इसलिए सुपर कंप्यूटर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं।
देश का बढ़ता डिजिटल परितंत्र उन्नत कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की मांग को बढ़ा रहा है। भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूवार्नुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। इसलिए सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। यह प्रयास स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करता है और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना

भारत के उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन का दूसरा संस्करण एस्टिक (ईएसटीआईसी)-2026 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ररचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनानार विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से आयोजित ईएसटीआईसी-2026 उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मोर्चे को आगे बढ़ाएगा। इनमें सुपरकंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह सम्मेलन रणनीतिक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा और देश के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। 12 विषयगत क्षेत्रों में फैले इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चा और प्रदर्शनियां होंगी। एजेंडे पर और पढ़ें: एस्टिक 2026

राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के पीछे की रणनीति

देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) शुरू किया। इस

मिशन को लगभग 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) संचालित करता है। इस मिशन का उद्देश्य सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और देश की उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करना है। इस मिशन में वैज्ञानिक और तकनीकी डोमेन में अनुसंधान, विकास और समस्या-समाधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समाधान के विकास का भी समर्थन करता है। यह मिशन देश में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र स्थापित करना चाहता है।
सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं। एनएसएम एक 'बिल्ड दृष्टिकोण' का अनुसरण करता है जिसमें स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए तीन समवर्ती चरण शामिल हैंः असेंबली, विनिर्माण और डिजाइन एवं विनिर्माण समर्थन। यह दृष्टिकोण स्वदेशी क्षमताओं के विकास के साथ कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार को जोड़ता है।

सुपर कंप्यूटर के बारे में रोचक तथ्य

नियमित कंप्यूटरों के विपरीत, सुपर कंप्यूटर को बहुत उच्च गति पर बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें कई प्रोसेसर या कंप्यूटिंग नोड्स का उपयोग किया जाता है जो एक साथ काम करते हैं। यह उन्हें पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में जटिल समस्याओं को बहुत तेजी से हल करने में मदद करता है। इन नोड्स के बीच उच्च गति कनेक्शन उन्हें बड़े पैमाने पर गणना के दौरान कुशलता से डेटा का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।
सुपर कंप्यूटर को कभी-कभी समानांतर कंप्यूटर कहा जाता है क्योंकि सुपरकंप्यूटिंग समानांतर प्रसंस्करण का उपयोग कर सकता है। समानांतर प्रसंस्करण तब होता है जब कई सीपीयू एक निश्चित समय में एक ही गणना को हल करने पर काम करते हैं।
एक सुपर कंप्यूटर की शक्ति को फ्लॉप्स (फ्लोटिंग पॉइंट ऑपरेशंस प्रति सेकंड - एफएलओपीएस) में मापा जाता है। यह हमें बताता है कि यह एक सेकंड में कितनी गणना कर सकता है। एक टेराफ्लॉप्स (टीएफ) का अर्थ है प्रति सेकंड एक ट्रिलियन गणना, जबकि एक पेटाफ्लॉप्स (पीएफ) का अर्थ है प्रति सेकंड एक क्वाड्रिलियन गणना।
दुनिया का सबसे तेज सुपर कंप्यूटर 2026 में लगभग 2.19 एक्साफ्लॉप गणना की क्षमता हासिल करता है। यह प्रति सेकंड लगभग 2.19 क्विंटिलियन गणना कर सकता है।

मिशन की वर्तमान स्थिति

एनएसएम के तहत, भारत ने सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित एक परितंत्र स्थापित किया है। इसमें सुपर कंप्यूटर डिजाइन, विकास, विनिर्माण, सिस्टम सॉफ्टवेयर और विशेष अनुप्रयोग शामिल हैं। यह बढ़ती स्वदेशी क्षमता आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम कर सकती है। यह देश के घरेलू उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग परितंत्र को भी मजबूत करता है।
एनएसएम ने पूरे देश में विभिन्न शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों में 123 पीएफ से अधिक की संचयी क्षमता वाले कुल 50 सुपर कंप्यूटर स्थापित करने की योजना बनाई है। ये प्रणालियां अपनी प्रसंस्करण क्षमताओं के आधार पर विविध कम्प्यूटेशनल जरूरतों को पूरा करती हैं।

परम श्रृंखला का विकास

सी-डैक से विकसित और 1991 में अनावरण किए गए परम 8000 ने 1 गीगाफ्लॉप की गति के साथ स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग में देश के प्रवेश को चिह्नित किया। इसने कम्प्यूटर की परम श्रृंखला की नींव रखी, जो कम्प्यूटेशनल रूप से गहन अनुप्रयोगों का समर्थन करते हुए 54 टेराफ्लॉप्स पर परम युवा जैसी तेजी से शक्तिशाली प्रणालियों के माध्यम से विकसित हुई। इसने मौसम पूवार्नुमान, जो वायुमंडलीय स्थितियों की भविष्यवाणी करता है, और कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता, जो द्रव प्रवाह आदि का अध्ययन करता है, जैसे अनुप्रयोगों का समर्थन किया है। इस श्रृंखला ने बाद में घरेलू अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय तैनाती दोनों के लिए देश की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताओं का विस्तार किया।

कंप्यूटिंग क्षमता का विस्तार

सितंबर 2026 तक, भारत ने 68 पीएफ की संयुक्त क्षमता वाले 40 सुपर कंप्यूटर तैनात किए थे। इसमें 1 पीएफ से अधिक की 13 हाई-एंड प्रणालियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 12 मिड-रेंज सिस्टम की क्षमता 500 टीएफ और 1 पीएफ के बीच है। अन्य 15 प्रणालियों की क्षमता 500 टीएफ से कम है। इन मशीनों को स्थानीय स्तर पर बनाया गया है और देश भर में चालू किया गया है। मिशन बुनियादी ढांचे, अनुप्रयोगों, अनुसंधान और विकास एवं मानव संसाधन विकास को आगे बढ़ाना जारी रखता है।

सतत विकास के लिए सुपरकंप्यूटिंग

एनएसएम राष्ट्रीय विकास के क्षेत्रों में उन्नत कंप्यूटिंग को लागू करके 11 संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में योगदान देता है। इसके अनुप्रयोग एचपीसी प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत करते हुए बाढ़ की भविष्यवाणी, वन-अग्नि प्रबंधन और जलवायु मॉडलिंग के माध्यम से जलवायु कार्रवाई का समर्थन करते हैं। यह मिशन शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच नवाचार, स्वदेशी प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास और सहयोग को भी बढ़ावा देता है।

एनएसएम के तहत सुपरकंप्यूटिंग के राष्ट्रीय अनुप्रयोग

एनएसएम के तहत तैनात सुपर कंप्यूटर बड़े पैमाने पर सिमुलेशन और तेज डेटा प्रोसेसिंग का समर्थन करते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय अनुप्रयोगों को सक्षम किया जा सकता है।
जीनोमिक्स और ड्रग डिस्कवरी प्लेटफॉर्मः यह दवाओं को खोजने और परीक्षण करने में मदद करने के लिए अणुओं के बड़े सेट का अध्ययन करता है। इसका उपयोग कोविड-19 के दौरान मौजूदा दवाओं की जांच करने और हृदय जोखिम जैसे दुष्प्रभावों की भविष्यवाणी करने के लिए किया गया था।
शहरी पर्यावरण निर्णय सहायता प्रणालीः यह मौसम और वायु प्रदूषण को ट्रैक करने के लिए विस्तृत मॉडल का उपयोग करता है। यह भारी बारिश और प्रदूषण की भविष्यवाणी करता है ताकि शहर तैयारी कर सकें और नुकसान को कम कर सकें।
भूकंपीय इमेजिंग सूटः इसका उद्देश्य उपसतह संरचनाओं को मैप करने के लिए उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करके तेल और गैस की खोज में सुधार करना है। इसका प्रदर्शन वाणिज्यिक भूकंपीय इमेजिंग टूल से मेल खाता है।
नदी घाटियों के लिए बाढ़ की भविष्यवाणी के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणालीः यह 2 दिन पहले तक बाढ़ की भविष्यवाणी करने के लिए डेटा विश्लेषण और भविष्य कहनेवाला मॉडल का लाभ उठाती है। इसका उपयोग समुदायों और बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए महानदी नदी बेसिन के लिए किया जा रहा है।
फॉरेस्ट फायर स्प्रेड मॉडलः यह कम्प्यूटेशनल मॉडल के साथ उपग्रह रिमोट सेंसिंग को जोड़ती है ताकि यह अनुमान लगाया जा सके कि जंगल की आग कैसे फैलेगी। एचपीसी प्रणाली का उपयोग करके सिक्किम हिमालय जैसे क्षेत्रों में इसका परीक्षण किया गया है।
सामग्री विज्ञान और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान अनुप्रयोगः यह एक सूट प्रदान करता है जो परमाणुओं, अणुओं और मिश्र धातुओं के सिमुलेशन की अनुमति देता है। ये उनके व्यवहार के अध्ययन की सुविधा प्रदान करते हैं।
ये अनुप्रयोग प्रदर्शित करते हैं कि कैसे भारत का बढ़ता एचपीसी बुनियादी ढांचा अनुसंधान को मजबूत कर रहा है, साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सहायता कर रहा है और स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा एवं उन्नत विज्ञान में जटिल चुनौतियों का समाधान कर रहा है।

उपलब्धियांः एनएसएम के तहत विकसित स्वदेशी घटक

एनएसएम के तहत, सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के केंद्रित लक्ष्य के साथ एक संपूर्ण परितंत्र स्थापित किया गया है। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ महत्वपूर्ण सुपरकंप्यूटिंग उप-घटकों का डिजाइन, विकास और निर्माण शामिल है, जो इस प्रकार हैः
सर्वरों की रुद्र श्रृंखलाः यह एक प्रमुख सुपरकंप्यूटिंग घटक है। यह जटिल गणना, सिमुलेशन और एआई वर्कलोड चलाने के लिए आवश्यक प्रसंस्करण शक्ति प्रदान करता है। इसे सी-डैक द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है, इसकी तकनीक को विनिर्माण के लिए भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) भागीदारों को हस्तांतरित किया गया है।

परम रुद्र श्रृंखलाः स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग को आगे बढ़ाना

एनएसएम की एक प्रमुख उपलब्धि परम रुद्र सुपर कंप्यूटर का निर्माण रहा है, जिसे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित रुद्र सर्वर और एक स्वदेशी सिस्टम सॉफ्टवेयर स्टैक का उपयोग करके बनाया गया है। वे खगोल विज्ञान, सामग्री विज्ञान, परमाणु भौतिकी और पृथ्वी विज्ञान में उन्नत अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करते हैं। सितंबर 2026 तक, परम रुद्र सुपर कंप्यूटर में 6,000 रुद्र सर्वर तैनात किए गए थे, जबकि अन्य 1,500 सर्वर निर्माण के अधीन थे।
हाई-स्पीड इंटरकनेक्ट नेटवर्कः कंप्यूटर नोड्स के बीच एक हाई-स्पीड इंटर-कम्युनिकेशन नेटवर्क विकसित किया गया जिसका परीक्षण 100 जीबीपीएस और 200 जीबीपीएस की गति के साथ किया गया। यह कंप्यूटिंग नोड्स के बीच डेटा ट्रांसफर और संचार को बढ़ाता है, जिससे भारत की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताएं मजबूत होती हैं।
स्वदेशी शीतलन प्रौद्योगिकीः शीतलन तकनीक को स्वदेशी रूप से विकसित और प्रदर्शित किया गया है और अब यह तैनाती चरण में है। यह उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सिस्टम के ऑपरेटिंग तापमान को बनाए रखने और बेहतर बिजली दक्षता के लिए महत्वपूर्ण है।

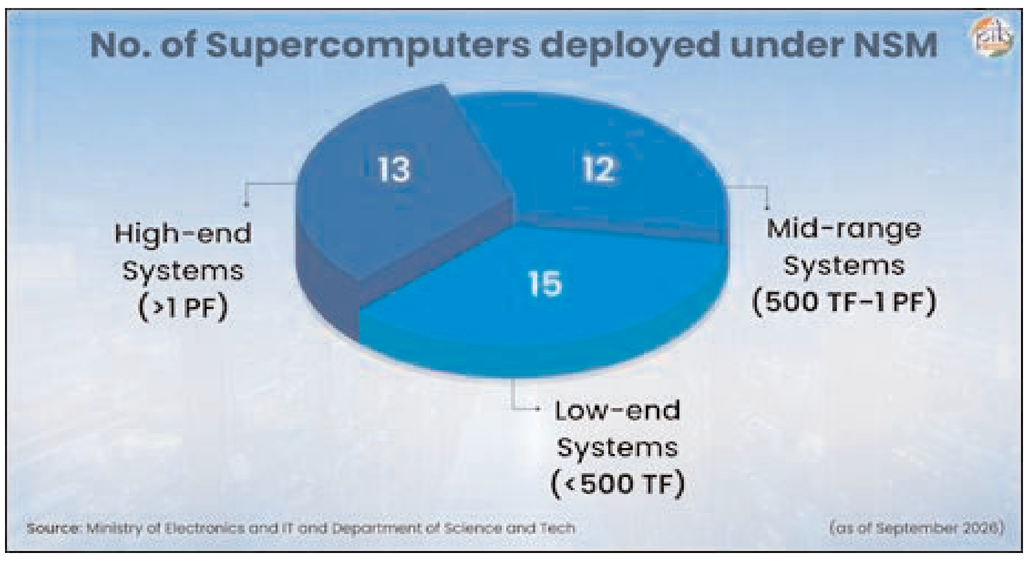

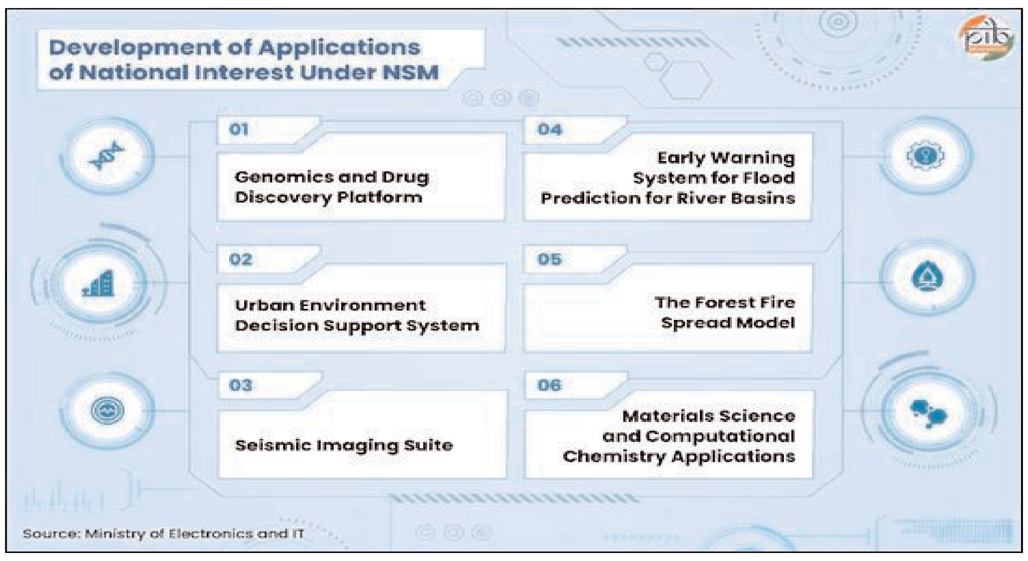

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सिस्टम सॉफ्टवेयरः एक पूर्ण एचपीसी सिस्टम सॉफ्टवेयर स्टैक विकसित किया गया है तथा उनके कुशल संचालन और प्रबंधन का समर्थन करने के लिए सुपरकंप्यूटिंग सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है।
परम शावकः यह एक सुपरकंप्यूटिंग-इन-द-बॉक्स है जिसे इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों और शोधकताओं की एचपीसी और एआई कंप्यूटिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत में डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है।
राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए एचपीसी अनुप्रयोगः एचपीसी अनुप्रयोगों को जीनोमिक्स और दवा की खोज जैसे क्षेत्रों में विकसित और तैनात किया गया है। ये अनुप्रयोग भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और आयुष मंत्रालय सहित संगठनों की मदद करते हैं।
कोर कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे से लेकर राष्ट्रीय जरूरतों को पूरा करने वाले अनुप्रयोगों तक, एनएसएम देश के भीतर उन्नत कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और उपयोग करने के लिए भारत की क्षमता का विस्तार कर रहा है।

देश में उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग के लिए एक कुशल कार्यबल का निर्माण

जैसे-जैसे सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे तक पहुंच का विस्तार हो रहा है, एनएसएम इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक कौशल का भी निर्माण कर रहा है। एनएसएम बुनियादी ढांचे से 400 से अधिक संस्थानों में 2,900 से अधिक पीएचडी छात्रों सहित 16,000 से अधिक शोधकताओं को मदद मिली है। इन प्रणालियों ने सितंबर 2026 तक 1.5 करोड़ से अधिक कंप्यूट नौकरियों (एक सुपर कंप्यूटर को सौंपा गया एक जटिल कार्य या सिमुलेशन) निष्पादित किया है और 1,990 से अधिक शोध प्रकाशनों में योगदान दिया है।
कुशल उपयोगकर्ता आधार का और विस्तार करने के लिए, मिशन ने प्रशिक्षण और सीखने की पहल की एक श्रृंखला विकसित की हैः
एचपीसी और डीप लर्निंग जागरूकता कार्यक्रमः छात्रों, शोधकताओं और शिक्षकों को हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) और डीप लर्निंग (डीएल) से परिचित कराने के लिए एनएसएम संस्थानों के साथ पूरे भारत में कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।
हैकथॉन और बूटकैंपः एचपीसी, डीएल हैकथॉन और बूटकैंप व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं और एचपीसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जेनरेटिव एआई में समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करते हैं।
संकाय विकास और गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमः गैर-कंप्यूटर विज्ञान विषयों के शिक्षकों सहित संकाय को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सहयोग से एचपीसी, एआई, मशीन लर्निंग (एमएल) और डीएल में प्रशिक्षित किया जाता है।
एडुएचपीसी कार्यशालाः एक वार्षिक कार्यशाला देश भर के संस्थानों में संकाय को एचपीसी में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करती है।
हाई-परफॉर्मेंस साइंटिफिक कंप्यूटिंग कोर्सः नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) के तहत स्वयं प्लेटफॉर्म पर एक संरचित पाठ्यक्रम, शिक्षार्थियों को एचपीसी में एक मजबूत नींव बनाने में मदद करता है।
एचपीसी शिक्षा पोर्टलः यह पोर्टल एचपीसी संसाधनों, रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान और शिक्षण सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलती है।
एनएसएम उपयोगकर्ता फोरमः यह फोरम एनएसएम साइटों पर उपयोगकताओं को तकनीकी मुद्दों पर चर्चा करने, प्रश्नों को हल करने और ज्ञान तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) एनकेएन राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत देश के सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र की रीढ़ के रूप में कार्य करता है। यह एक उच्च गति वाले राष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग सुविधाओं को जोड़ता है। यह शोधकताओं और संस्थानों को उन्नत कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंचने और भौगोलिक सीमाओं के पार सहयोग करने में सक्षम बनाता है। यह नेटवर्क कम्प्यूटेशनल संसाधनों, अनुसंधान क्षमताओं और वैज्ञानिक जानकारी को साझा करने को मजबूत करता है। इस जुड़े बुनियादी ढांचे के माध्यम से, यह मिशन पूरे भारत में उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रहा है।
ये पहल विशेष कंप्यूटिंग संस्थानों से परे एचपीसी कौशल का विस्तार कर रही हैं और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करने के लिए सुसज्जित एक व्यापक कार्यबल का निर्माण कर रही हैं।

आगे की राह

भारत का सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र कंप्यूटिंग क्षमता का विस्तार करके, देश के भीतर अधिक उन्नत तकनीकों को विकसित करके और शोधकताओं, शिक्षाविदों एवं उद्योग के लिए उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) को अधिक सुलभ बनाकर काफी विकसित होने के लिए तैयार है। मिशन का फोकस तेज, ऊर्जा-कुशल और विश्वसनीय प्रणालियों के निर्माण, भारतीय हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षमताओं को मजबूत करने और कुशल पेशेवरों को विकसित करने पर होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एचपीसी के अधिक एकीकरण से मौसम और जलवायु, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि,ऊर्जा, दवा की खोज, इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिलेगी। सरकार, शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों को एक साथ लाकर, भारत उन्नत कंप्यूटिंग को व्यावहारिक समाधानों में बदल सकता है, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है, और एक सुरक्षित, टिकाऊ एवं आत्मनिर्भर सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र का निर्माण कर सकता है।

सचिन पायलट ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा- कांग्रेस प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार

-पंजाब सरकार पर गैंगस्टरों और नशे पर लगाम लगाने में नाकाम रहने का आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी।
कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और नशे की समस्या को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। पायलट ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है और पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर आए दिन लोगों को धमका रहे हैं और गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने नशे की समस्या को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, एक ओर भाजपा नशामुक्ति यात्रा निकाल रही है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाली नशीले पदार्थों की खेप रोकने में केंद्र सरकार नाकाम रही है। कांग्रेस नेता ने रक्षा मंत्री और गृह मंत्री से सवाल किया कि पिछले 12 वर्षों में सीमा पर नशे की तस्करी के खिलाफ कितनी कार्रवाई हुई और कितने लोगों को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। पायलट ने दावा किया कि प्रभावी कदम उठाए गए होते तो पंजाब में नशे के हालात इतने खराब नहीं होते।

राजस्थान के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पायलट ने अपने गृह राज्य में भी सूखे जैसे हालात पर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि मानसून की कमी के कारण लोग संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए। उनके अनुसार, सरकार को स्थिति बिगड़ने का इंतजार करने के बजाय पहले से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए थी।

पायलट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरी' कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पहले नोटबंदी की और अब 'वोटबंदी' कर रही है। ये आरोप कांग्रेस नेता ने राजनीतिक बयानबाजी के दौरान लगाए हैं।

पश्चिम बंगाल में छह महीने के भीतर यूसीसी लागू करने का ऐलान

-सीएम सुवेंदु बोले- जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ बनेगा सख्त कानून

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को राज्य में छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और गुजरात के बाद पश्चिम बंगाल में भी इसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ सख्त कानून बनाने की बात भी कही। अधिकारी ने 17 नवंबर को कोलकाता में हनुमान चालीसा पाठ और 29 दिसंबर को ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में गीता पाठ आयोजित करने की जानकारी दी। वह नंदीग्राम उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ के समर्थन में निकाले गए पैदल मार्च में बोल रहे थे। हसीरानी रथ, अधिकारी के दिवंगत करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की मां हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भाजपा नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने के लिए सीआईडी के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी की पैर की चोट को लेकर भी सवाल उठाए। अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद वह कानून के तहत जरूरी कदम उठाएंगे। उन्होंने कथित पीड़ित भाजपा कार्यकर्ताओं को कानूनी मदद दिलाने की बात कही।

मुस्लिम वोटर्स के नाम हटाने के मामले में बीजेपी नेता को मिली सशर्त जमानत

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट से नाम हटाने के मामले में सियासी घमासान मचा है। इस मामले में बीजेपी नेता डॉ. रवि पाटिल को गिरफ्तारी से राहत मिल गई है। बेलगावी की दूसरी अतिरिक्त जिला और सत्र कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी है। डॉ. रवि पाटिल पर 198 मुस्लिम वोटर्स के नाम एसआईआर के जरिए डिलीट कराने का आरोप था। इस मामले में पाटिल समेत 20-25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पाटिल के खिलाफ मार्केट पुलिस स्टेशन में वार्ड 12 के बीएलओ की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया था। केस दर्ज होते ही रवि पाटिल अंडरग्राउंड हो गए थे। मार्केट पुलिस स्टेशन में रवि पाटिल, प्रशांत मुंदिनमनी और शंकर नायक समेत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन पर फर्जी दस्तावेज, गलत जानकारी देने और शहर में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश का आरोप है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह घटना 22 सितंबर को बेलगावी के वीरभद्रनगर में पोलिंग बूथ 195 और 196 पर हुई थी। आरोप है कि उन्होंने जीवित और कानूनी रूप से वैध वोटर्स के नाम डिलीट कराने की कोशिश की थी। उन पर फॉर्म-7 के जरिए नाम हटवाने का आरोप है।

फिरोजाबाद में जमीन विवाद में महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, जेठ पर आरोप

फिरोजाबाद(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में नौ बीघा जमीन के विवाद में 38 वर्षीय महिला की हत्या का मामला सामने आया है। नगला खंगर थाना क्षेत्र के कोरारी खेड़ा गांव में सोनी की खेत में घास काटने के दौरान कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतका के जेठ नेपाल सिंह पर हत्या का आरोप है। वारदात के बाद से वह फरार है। पुलिस के अनुसार, मृतका के भाई अमृतलाल ने शिकायत में जमीन विवाद को हत्या की वजह बताया है। आरोप है कि नेपाल सिंह अपने छोटे भाई के हिस्से की नौ बीघा जमीन पर कब्जा करना चाहता था। सोनी खेत की देखरेख करती थी और वहां काम करने जाती थी। इसी बात को लेकर विवाद होने का आरोप लगाया गया है। परिजनों के मुताबिक, सोनी के पति संदीप की एक हादसे के बाद मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए वह खेती की जिम्मेदारी संभालती थी। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की और नेपाल सिंह के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया। सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

ओवैसी की चेतावनी : हैदराबाद में जंतर-मंतर से बड़ा होगा आंदोलन

हैदराबाद(एजेंसी)। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मतदाता सूची से लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार से जुड़े लोग फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर मतदाता सूची से अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों के मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि कुछ जगहों पर पहले से छपे हुए फॉर्म-7 जमा किए जा रहे हैं, जिनमें केवल उस व्यक्ति का नाम लिखा होता है जिसका नाम मतदाता सूची से हटाने की मांग की गई है, लेकिन फॉर्म जमा करने वाले व्यक्ति का नाम और उसकी जानकारी नहीं दी जाती है। उन्होंने इसे पूरी तरह से गलत और लोकतंत्र पर हमला बताया।

पुलिस ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाह रही जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के आरोपों पर कॉकरोच जनता पार्टी के सह संयोजक सौरभ दास ने दिल्ली पुलिस और एसीपी पर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर एसीपी को बचाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने के लिए चेतावनी भी दी है। सौरभ दास ने दावा किया है कि जिनके साथ छेड़छाड़ हुई, वे पत्रकार और अन्य लोग थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। वे एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे, लेकिन तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हम उनके समर्थन के लिए पहुंचे और दिल्ली पुलिस से बात की। दिल्ली पुलिस अड़ी हुई है कि वे एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे। सौरभ ने कहा कि हम दिल्ली पुलिस से पूछना चाहते हैं कि आप ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाहते हैं जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया है। ऐसा क्या है एसीपी विवेक भगत के पास जिसकी वजह से उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। सौरभ ने बताया है कि उन्होंने दिल्ली पुलिस को सोमवार दोपहर तक का समय दिया है। एफआईआर दर्ज ना होने पर उन्होंने फिर एक बार प्रदर्शन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको जितने वीडियो खंगालने है, खंगालिए लेकिन आपके पास कल 12 बजे तक का समय है। अगर कल 12 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो सारे पत्रकार और अन्य समर्थक एक बार फिर थाने के बाहर आएंगे और एफआईआर की कॉपी लेकर ही जाएंगे। वहीं अन्य एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस विवेक भगत को बचा रही है और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर रही है। उन्होंने लिखित शिकायत और वीडियो की जांच करने के लिए हमसे कुछ समय मांगा है।

विजय की पार्टी टीवीके ने इंडी गठबंधन में शामिल होने का किया एलान

-ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 15 को चेन्नई में कई पार्टियां करेंगी विरोध प्रदर्शन

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिझगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने आधिकारिक तौर पर इंडी गठबंधन में शामिल होने का एलान कर दिया है। शनिवार को चेन्नई स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई गठबंधन की बैठक में टीवीके के दो मंत्रियों ने हिस्सा लेकर इसकी औपचारिक शुरुआत की। बता दें चेन्नई में हुई इस अहम बैठक में टीवीके के चुनाव प्रबंधन महासचिव और मंत्री आधार अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने इसे गठबंधन के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अभिनेता और नेता विजय के इस फैसले से पूरा गठबंधन और ज्यादा मजबूत होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में यह तय किया गया कि इंडी गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदेश भर में जिला स्तर पर जोरदार प्रदर्शन करेगा। गठबंधन दलों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने मनमाने और गैरकानूनी तरीके से काम किया है, जिसके कारण चुनावी सूची से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काट दिए गए। बता दें ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर 15 अक्टूबर को चेन्नई में होने वाले विरोध प्रदर्शन में टीवीके के अलावा कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीएम, आईयूएमएल, एमडीएमके और सीपीआई(एमएल) जैसी तमाम पार्टियां एक मंच पर नजर आएंगी। इस मामले में एमडीएमके नेता वाइको ने कहा कि शनिवार को बैठक में शामिल होना महज पहला कदम है। आने वाले समय में टीवीके इंडी गठबंधन की राष्ट्रीय बैठकों में भी हिस्सा लेगी।

पुलिस ने विदेशी फंडिंग का एंगल देने ऐसे लोगों को उठाया जिनका सीजेपी से मतलब नहीं

-अभिजीत दीपके ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप, 10 को जंतर-मंतर पर होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) फिर से दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी में है। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने ऐलान किया था कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। इस बीच दीपके ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने रविवार को कहा कि पुलिस ने विदेशी फंडिंग का एंगल देने के लिए ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनका सीजेपी से कोई लेना देना नहीं है।

दीपके ने एक्स पर लिखा- दिल्ली पुलिस ने कुछ ऐसे लोगों को उठाया है जिनका सीजेपी से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन विदेशी फंडिंग का एंगल बनाने के लिए उन्हें ज़बरदस्ती सीजेपी से जोड़ने की कोशिश की गई। एक दोस्त ने बताया कि उनमें से एक व्यक्ति की पुलिस ने बेरहमी से पिटाई की। उसकी गिरफ्तारी की वजह से नौकरी भी चली गई। सीजेपी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कुछ महिलाओं से छेड़छाड़ हुई। सीजेपी की रत्ना सिंह ने भी पुलिस पर आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- छेड़छाड़ का मामला दिल्ली क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लेकिन इससे यह साफ नहीं होता कि अभी तक एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की है। जांच शुरू करने से पहले क्राइम ब्रांच को आरोपी एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए।

बता दें दिल्ली और मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था। विपक्ष और सीजेपी लगातार ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने भी शनिवार को दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदर्शन किया। खात बात यह है कि सीजेपी भी अब 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी में है।

19वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 7 से 9 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 जनवरी को तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार संयुक्त रूप से करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी और प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान करेंगी। इस दौरान युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें दुनियाभर से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, युवा नेता, उद्यमी, पेशेवर, शिक्षाविद और नवोन्मेषक शामिल होंगे। प्रवासी भारतीय दिवस महात्मा गांधी के 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने की स्मृति में मनाया जाता है। इस सम्मेलन का उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय से संपर्क मजबूत करना और देश के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

यूपी देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य, 10 सालों में निर्यात दो लाख करोड़ के पार

-सीएम योगी बोले- भदोही का कालीन हुनर अब विकास और वैश्विक बाजार से जुड़ रहा

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि यह प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है और इसके निर्यात में भदोही के कालीन उद्योग का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रदेश का निर्यात करीब 2.27 गुना बढ़कर दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पहले भदोही का हुनर अपनी राह तलाशता था। आज सरकार उसके लिए विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है।

उन्होंने कहा कि जिन कारीगरों के हुनर ने भदोही के कालीनों को दुनिया तक पहुंचाया, उन्हें 2017 से पहले बुनियादी सुविधाओं और अवसरों के लिए इंतजार करना पड़ता था। अब यह हुनर विकास और वैश्विक बाजार, दोनों से जुड़ रहा है। सीएम ने कहा कि हाथ से बनी भदोही की कालीनों की मांग आज पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है, जो वैश्विक मंच पर यूपी के हुनर का लोहा मनवा रही हैं।

उन्होंने बताया कि एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेले 'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण की रविवार को शुरुआत हुई। इस अवसर पर वह कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं और उद्यमियों से संवाद किया। योगी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान भदोही, औराई और ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ रुपए से ज्यादा की 112 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा और कई योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे। योगी ने कहा कि कारीगर के हाथ को सम्मान, उद्यम को विस्तार, युवाओं को रोजगार और भदोही को समृद्धि, यही नए यूपी में विरासत और विकास के संगम की नई पहचान है।

ऐसी राजनीति देश को गृह युद्ध की ओर ले जा सकती है : निशिकांत

-बीजेपी सांसद ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्ष पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी।
चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। दुबे ने आरोप लगाया कि यह पूरा आंदोलन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और बांग्लादेशियों को भारतीय नागरिक व वोटर बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी राजनीति देश को गृह युद्ध की ओर ले जा सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने कहा कि राहुल गांधी जितना चाहें विरोध कर सकते हैं, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का आंदोलन चुनाव आयोग के खिलाफ चलाया जा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। दुबे ने 1983 के असम के नेल्ली नरसंहार का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय मतदाता सूची के पुनरीक्षण के बिना चुनाव कराने का परिणाम हिंसा के रूप में सामने आया था। दुबे ने इसी संदर्भ में मौजूदा विवाद को जोड़ते हुए कहा कि देश को ऐसी स्थिति की ओर नहीं बढ़ना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों में आंतरिक चुनाव नहीं होते और इन्हें 'अलोकतांत्रिक पार्टियां' बताया। कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों को लेकर उन्होंने 1969 के बाद चुनाव नहीं होने का दावा किया। दुबे ने कहा कि भारत में चुनाव भारतीय नागरिकों द्वारा ही लड़े और जीते जाने चाहिए। उन्होंने बांग्लादेशी या पाकिस्तानी नागरिकों के मतदान के खिलाफ अपनी बात दोहराई।

बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान, भविष्य के गंभीर चक्रवातों का दे रहा संकेत

-अतिरिक्त गर्मी आने वाले समय में मौसम को बड़े पैमाने पर बदल सकती है

कोलकाता, एजेंसी।
बंगाल की खाड़ी का लगातार बढ़ता समुद्री तापमान मौसम वैज्ञानिकों के लिए एक गहरी चिंता का विषय बन गया है। समुद्र की सतह का तापमान और उसमें जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी आने वाले समय में मौसम के मिजाज को बड़े पैमाने पर बदल सकती है, जिससे पूर्वी तटीय राज्यों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यह क्षेत्र पहले से ही चक्रवातों के लिए बेहद संवेदनशील माना जाता है, और समुद्र का अधिक गर्म होना इन तूफानों को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान कर सकता है, जिससे वे कम समय में और अधिक विनाशकारी बन सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक गंभीर संकेत है, हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि अभी कोई खास विनाशकारी चक्रवात दस्तक देने वाला है। चिंता भविष्य के बड़े खतरे को लेकर है।

समुद्री विज्ञान शोधकर्ताओं के मुताबिक चक्रवात अपनी ऊर्जा गर्म समुद्री पानी से हासिल करते हैं। समुद्र की सतह का तापमान जितना ज्यादा होता है, उतनी ही ज्यादा गर्मी और नमी तूफान को मिलती है, जिससे उसकी तीव्रता तेजी से बढ़ती है। बंगाल की खाड़ी पहले से ही दुनिया के सबसे ज्यादा चक्रवात प्रभावित समुद्री क्षेत्रों में से एक है। यदि समुद्र का पानी और गर्म होता है, तो तेज और अत्यधिक ताकतवर चक्रवातों का खतरा बढ़ जाएगा, जो जमीन से टकराने से पहले तेजी से मजबूत हो सकते हैं।

इस बढ़ते तापमान का असर केवल चक्रवातों तक सीमित नहीं रहेगा। ओडिशा सहित पूर्वी तट के राज्यों में भविष्य में अत्यधिक बारिश, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा बढ़ सकता है। मछुआरों और समुद्री आजीविका पर निर्भर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, और कृषि पर भी मौसम की अनिश्चितता का नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

हाल के वर्षों में गंभीर मौसम प्रणालियों के व्यवहार में बदलाव देखा गया है। आईआईटी भुवनेश्वर के प्रोफेसर संदीप पटनायक जैसे विशेषज्ञ बताते हैं कि बंगाल की खाड़ी में बनने वाले गहरे दबाव और चक्रवाती सिस्टम अब ज्यादा जटिल तरीके से व्यवहार कर रहे हैं। ये सिस्टम कई बार तट के पास ज्यादा समय बिताते हुए या तो तेजी से मजबूत होते हैं या फिर अचानक कमजोर पड़ जाते हैं, जिससे इनकी सटीक भविष्यवाणी करना और भी कठिन हो जाता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में समुद्र की सतह का तापमान आमतौर पर 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो मौसम प्रणालियों को पर्याप्त नमी उपलब्ध कराता है। इस तापमान में मामूली बदलाव भी चक्रवात की ताकत पर बड़ा असर डाल सकता है। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात की भविष्यवाणी इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि यहां समुद्र और वायुमंडल के बीच कई तरह की जटिल प्रक्रियाएं एक साथ काम करती हैं। गर्म समुद्र के साथ हवा की दिशा और ऊपरी वायुमंडलीय परिस्थितियां भी तूफान के रास्ते और ताकत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के लिए समुद्र से ज्यादा से ज्यादा वास्तविक समय का डेटा जुटाना और बेहतर समुद्री निगरानी सिस्टम स्थापित करना अत्यंत जरुरी है। वैज्ञानिकों का जोर समय रहते इस खतरे को समझने और उससे निपटने की तैयारी मजबूत करने पर है।

मोहनपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक 55 वर्षीय व्यक्ति की गला रेतकर हत्या

राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर चौक के पास की घटना, छानबीन में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर चौक के निकट फोरलेन सड़क पर रविवार की अहले सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले एक व्यक्ति की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मोहनपुर निवासी गौर चंद्र बागती (55) वर्ष के रुप में हुई है। घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार गौर चंद्र बागती प्रतिदिन की तरह वह रविवार को अहले सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकला था। इसी बीच अज्ञात अपराधियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देकर हत्यारे वहां से फरार हो गया। उधर,घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक गंगा प्रसाद यादव दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने वरीय अधिकारियों को सूचित किया। जिसके बाद राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी और राजमहल पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने आसपास के चार-पांच लोगों से थाना में पूछताछ किया है। गौर चंद्र बागती के गांव से भी एक युवक को हिरासत में लिया है। गौर चंद्र बागती प्राइवेट अमीन के रूप में कार्य कर अपने परिवार का भरन-पोषण करता था। उसकी पत्नी घर में छोटा सा किराना दुकान चलाती है। घर में बुढ़ी मां और एक पुत्र है। लगभग छः महीने पहले उसकी बेटी का असमय निधन हो गया था। समाचार लिखें जाने तक राधानगर थाना में हत्या का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

खेलो झारखंड एथलेटिक्स में साहेबगंज की टीम उपविजेता, 11 पदक पर कब्जा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। खेलो झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स अंडर-17 प्रतियोगिता में साहेबगंज जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 04 स्वर्ण, 04 रजत और 03 कांस्य समेत कुल 11 पदक अपने नाम किए। जिले की बालक अंडर-17 टीम उपविजेता रही और कुल 32 अंक अर्जित किए। प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की ओर से 3 और 4 अक्टूबर को बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, होटवार, रांची में किया गया। खास बात यह रही कि साहिबगंज की टीम लगातार दूसरी बार राज्य स्तरीय खेलो झारखंड एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उपविजेता बनी है। 04 अक्टूबर के मुकाबलों में साहिबगंज के खिलाड़ियों का प्रदर्शनः स्वर्ण पदकः 4.400 मीटर रिले में अश्विन नागद्वार, सक्षम कुमार, अमित कुमार और सामू मरांडी की टीम ने स्वर्ण जीता। जमशेद अंसारी ने 5000 मीटर पैदल चाल तथा पृथ्वी राज मंडल ने जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक हासिल किया।

रजत पदकः 4.100 मीटर रिले में परमा हांसदा, संतोष मुर्मू, अश्विन नागद्वार और आयुष कुमार की टीम ने रजत पदक जीता। वहीं काजल कुमारी ने जेवलिन थ्रो में रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदकः संतोष मुर्मू ने लंबी कूद और सामू मरांडी ने 110 मीटर हर्डल्स में कांस्य पदक जीता। टीम के प्रशिक्षक योगेश यादव (आरएपी केंद्र, साहिबगंज) रहे। मैनेजर राकेश कुमार (राजस्थान इंटर विद्यालय) के साथ अन्ना मेरी सोरेन (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बोरियो) और लूसी किस्कू (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, तालझारी) का भी सहयोग रहा। जिले की इस उपलब्धि पर उपायुक्त दीपक कुमार दूबे, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, एपीओ शबनम तबस्सुम, राजस्थान इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ओम प्रकाश गुप्ता सहित जिलेवासियों ने खिलाड़ियों और टीम को बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

उधवा के शौकत अली का पैरा क्रिकेट लीग में हुआ चयन

उधवा (बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत निवासी क्रिकेट खिलाड़ी शौकत अली का चयन रेडिएंट वर्ल्ड दिव्यांग क्रिकेट लीग के लिए हुआ है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए शौकत अली आगरा जाएंगे। उनके चयन की जानकारी मिलने के बाद उधवा प्रखंड क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार रेडिएंट वर्ल्ड दिव्यांग क्रिकेट लीग का आयोजन आगरा में किया जाएगा। प्रतियोगिता की शुरूआत छह अक्टूबर से होगी। जबकि फाइनल मुकाबला 11 अक्टूबर को खेला जाएगा। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से चयनित दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। शौकत अली के चयन से उनके परिजनों,मित्रों और स्थानीय खेल प्रेमियों में उत्साह है। स्थानीय लोगों ने कहा कि शौकत ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके चयन से क्षेत्र के अन्य दिव्यांग खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। स्थानीय लोगों ने शौकत अली को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। लोगों का कहना है कि शौकत अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर उधवा और साहेबगंज जिले का नाम रोशन करेंगे।

सकरीगली-महाराजपुर रेलखंड पर बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी, अधिकारियों ने लिया जायजा

साहेबगंज (बिभा)। सकरीगली-महाराजपुर के बीच गंगा के कटाव से प्रभावित रेल क्षेत्र में रेल परिचालन बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है। रविवार को अपर समाहर्ता विजय कुमार और साहेबगंज अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने प्रभावित स्थल का निरीक्षण कर बहाली कार्य की प्रगति का जायजा लिया। वहीं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर तैनात रेलवे अधिकारियों एवं कर्मियों से कार्य की वर्तमान स्थिति और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अपर समाहर्ता ने बताया कि प्रभावित स्थल पर रेलवे के बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं। रेल परिचालन को जल्द सामान्य करने के लिए टीमें चौबीसों घंटे काम में जुटी हैं। वहीं जिला प्रशासन भी पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है। रेलवे प्रशासन और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर बहाली कार्य को गति देने तथा रेल सेवाओं को जल्द से जल्द सामान्य कराने के लिए आवश्यक सहयोग किया जा रहा है।

खेलगांव में राज्यस्तरीय पारा स्विमिंग प्रतियोगिताः 60 से अधिक तैराकों ने दिखाया दम

रांची(बिभा): खेलगांव स्टेडियम स्थित तरणताल में एक दिवसीय राज्यस्तरीय पारा स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए 60 से अधिक दिव्यांग तैराकों ने भाग लेकर विभिन्न श्रेणियों में अपनी खेल प्रतिभा और अदम्य साहस का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे दमखम और जज्बे के साथ स्पधाओं में हिस्सा लेते हुए कई पदकों पर कब्जा जमाया। विभिन्न इवेंट्स में उत्कृष्ट तकनीक और गति का प्रदर्शन करते हुए तैराकों ने 5 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक अपने नाम किए। उपस्थित अतिथियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह मंच दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। आयोजन के मौके पर मुख्य रूप से पूर्व आईएएस अधिकारी सह पैरालंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के अध्यक्ष जटा शंकर चौधरी, कोषाध्यक्ष सुनील विश्वास, संयुक्त सचिव हीरालाल देशमुख और उपाध्यक्ष सुभाषिष झा सहित कई खेल पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के सफल व सुचारु तकनीकी संचालन में जेएसएसपीएस के स्विमिंग कोच सह रेफरी उमेश पासवान और जेएसएसपीएस के सीईओ एन.के. झा की अहम भूमिका रही। वहीं, खिलाड़ियों और आगंतुकों के लिए जलपान व भोजन की समुचित व्यवस्था समाजसेवी अमित अग्रवाल की ओर से की गई। प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों के बीच खेल भावना और नए उत्साह का संचार किया।

जितिया छाता मेले में संस्कृति के रंग, मांदर की थाप पर थिरके कदम

पारंपरिक छाता पूजन के बाद गीत-संगीत और नृत्य ने बांधा समां

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मदनशाही के बड़ा तौफीक कोल्हू टोला और तार टोला में रविवार को जितिया पूजा के निस्तार के अवसर पर आयोजित छाता मेला आदिवासी संस्कृति और परंपरा का जीवंत मंच बन गया। आदिवासी बिरसा सेवाईत समिति की ओर से आयोजित मेले में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। वहीं मेले का उद्घाटन बड़ा तौफीक के प्रधान छोटेलाल मुंडा ने किया। इसके बाद मैदान में लंबे बांस से तैयार किए गए पारंपरिक छाते को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पाहन देबू मड़ैया ने छाते के नीचे पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना कराई। पूजा के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने पाहन के साथ ढोल-मांदर की थाप पर परिक्रमा की। पूजा संपन्न होने के बाद मेले का माहौल पूरी तरह सांस्कृतिक रंग में रंग गया। पारंपरिक परिधान में सजे महिला-पुरुष और बच्चे ढोल-मांदर की गूंज पर पारंपरिक गीतों के साथ झूमते नजर आए। इससे पूरे मेला परिसर में आदिवासी लोक संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली। वहीं समिति की ओर से मेले में पहुंचे विभिन्न समूहों के बीच प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। बेहतर प्रदर्शन करने वाले समूहों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं मेले में मनोरंजन के साथ खरीदारी का भी लोगों ने खूब आनंद लिया। झूला, मिकी माउस, खिलौने, फास्ट फूड, श्रृंगार सामग्री, गुपचुप और मिठाई की दुकानों पर दिनभर भीड़ लगी रही। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक मेले का आनंद लेते नजर आए। मेले को लेकर सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती के बीच आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मौके पर छोटेलाल मुंडा, अनीत लाल मुंडा, जितेंद्र लाल मुंडा, बॉबी मुंडा, ओमप्रकाश रजवार, शिव दयाल मुंडा, राजकुमार मुंडा, संदीप मुंडा, बिहारी मुंडा, राम प्रदीप मुंडा, राम रीत मुंडा और दिनेश मुंडा समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

वन विभाग ने छापेमारी कर सेमल-सखुआ की भारी मात्रा में बोटा लकड़ी किया जब्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । फूलभंगा-मंडरो वन क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध लकड़ी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में सेमल और सखुआ की बोटा लकड़ी जब्त की है। कार्रवाई मिजाचौकी उप वन परिसर पदाधिकारी अंकित झा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने की। जानकारी के अनुसार, वन विभाग को फूलभंगा क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने तत्काल छापेमारी की। इस दौरान मौके से सेमल और सखुआ की बड़ी मात्रा में बोटा लकड़ी बरामद हुई, जिसे वन विभाग ने जब्त कर लिया। वहीं वन विभाग अब जब्त लकड़ी के स्रोत की जांच कर रहा है। यह पता लगाया जा रहा है कि लकड़ी को जंगल के किस हिस्से से काटकर लाया गया था और इस अवैध कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने कहा कि जंगलों से अवैध पेड़ कटाई, लकड़ी का भंडारण और परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वन संपदा की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने लोगों से भी अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल वन विभाग को देने की अपील की है।

कांग्रेस ने एसआईआर की समीक्षा के साथ संगठन मजबूती पर किया मंथन

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बरहेट प्रखंड मुख्यालय में रविवार को प्रखंड कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड उपाध्यक्ष रागीव अंसारी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड कांग्रेस प्रभारी अशोक दास मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ एसआईआर की प्रगति पर चर्चा की गई। कार्यकताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने को लेकर अपने सुझाव रखे। पदाधिकारियों ने पंचायत एवं बूथ कमेटियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। वहीं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव हीरालाल साहा ने कहा कि बरहेट प्रखंड में कांग्रेस का मजबूत जनाधार रहा है। कार्यकताओं को पार्टी की विचारधारा और संदेश को गांव-गांव एवं टोले-टोले तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। वहीं प्रखंड प्रभारी अशोक दास ने कहा कि बरहेट में उनका यह पहला दौरा है और कार्यकताओं में काफी उत्साह है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रखंड का दौरा कर कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने की बात कही। उन्होंने एसआईआर की समीक्षा करते हुए प्रखंड पदाधिकारियों एवं बूथ कमेटियों को निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर कर्मुल अंसारी, रागीव अंसारी, फरीद अंसारी, परमित तिवारी, अफजल अंसारी, अख्तर अंसारी, सफीक अंसारी, इब्राहिम अंसारी, मयूर अंसारी सहित पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में रागीव अंसारी ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों के बिच बांटे फलदार पौधे, हरियाली का संदेश लेकर पहुंचा गंगा मिशन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । गंगा मिशन कोलकाता के वृक्षारोपण अभियान के अंतिम चरण में रविवार को धर्मशाला चौक बाजार में अनूठी पहल देखने को मिली। हटिया से लौट रहे ग्रामीणों के बीच गंगा मिशन से जुड़े स्वयंसेवकों ने फलदार पौधों का वितरण कर लोगों को घर-आंगन और आसपास पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आम, कटहल, अमरूद, आंवला, स्टार फ्रूट और नारियल समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे ग्रामीणों को दिए गए। स्वयंसेवकों ने लोगों से पौधों को लगाने के साथ नियमित देखभाल करने और भविष्य में मिलने वाले फलों का लाभ उठाने की अपील की। वहीं गंगा मिशन से जुड़े प्रमोद पांडेय ने बताया कि मिशन की ओर से हर वर्ष साहिबगंज में करीब तीन से पांच हजार पौधों का वितरण किया जाता है। इस वर्ष भी कई विद्यालयों के अलावा जैप-9, जनसंपर्क कार्यालय समेत विभिन्न संस्थानों और कार्यालयों में पौधे उपलब्ध कराए गए तथा पौधारोपण कराया गया। आनंद मोदी ने कहा कि गंगा मिशन के प्रधान ट्रस्टी प्रह्लाद राय गोयनका ने साहिबगंज टीम की गतिविधियों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को केवल अभियान तक सीमित रखने के बजाय लगाए गए पौधों की देखभाल भी जरूरी है। कार्यक्रम में सुधीर श्रीवास्तव, बच्चन पाठक, सदर प्रखंड के मुखिया संतोष गौड़, चंपक दत्ता, अशोक सर्राफ, रानी झा, भगवती रंजन पांडेय सहित कई लोग मौजूद रहे।

खेलो झारखंडः अंडर-17 एथलेटिक्स में लातेहार व हजारीबाग का दबदबा, हॉकी के दोनों वर्गों में सिमडेगा बना चैंपियन

बिभा संवाददाता

रांचीः स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय 'खेलो झारखंड 2026-27' प्रतियोगिताएं रविवार को संपन्न हो गईं। खेलगांव के प्रैक्टिस मैदान और मोरहाबादी स्थित हॉकी मैदान में आयोजित अंडर-17 एथलेटिक्स एवं हॉकी प्रतियोगिताओं में राज्यभर के स्कूली खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स के बालक वर्ग में लातेहार और बालिका वर्ग में हजारीबाग ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं हॉकी प्रतियोगिता के बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में सिमडेगा की टीम ने खिताबी जीत दर्ज की।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने कहा कि खेलो झारखंड का मुख्य उद्देश्य केवल प्रतियोगिताएं कराना नहीं, बल्कि सुदूर जिलों के स्कूलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के लिए बेहतर मंच व प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। एथलेटिक्स और हॉकी के मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद उत्साहजनक और प्रेरणादायी रहा है।

अंडर-17 एथलेटिक्स बालिका वर्ग में हजारीबाग ओवरऑल चैंपियन बना, जबकि रांची दूसरे और पश्चिमी सिंहभूम तीसरे स्थान पर रहा। बालक वर्ग में लातेहार ने बाजी मारते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, वहीं साहिबगंज उपविजेता और खूंटी तीसरे स्थान पर रहा।

अंडर-17 हॉकी बालिका वर्ग के फाइनल में सिमडेगा ने खिताबी जीत हासिल की। रांची की टीम उपविजेता और हजारीबाग तीसरे स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में सिमडेगा की बर्टिला केरकेट्टा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सिमडेगा की ही संदीपा कुमारी प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट और रांची की प्रीति बारला सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गईं। बालक वर्ग में भी सिमडेगा ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए विजेता की ट्रॉफी उठाई, जबकि खूंटी उपविजेता और गुमला तीसरे स्थान पर रहा। बालक वर्ग के व्यक्तिगत पुरस्कारों में हजारीबाग के रितेश तोपनो को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सिमडेगा के अनुकेत केरकेट्टा को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट और सिमडेगा के ऋषभ कुल्लू को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया।

समापन अवसर पर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग, झारखंड राज्य एथलेटिक्स संघ के महासचिव शिवकुमार पांडेय, हॉकी संघ के विजय शंकर सिंह और रजनीश कुमार ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और व्यक्तिगत पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

राज्य स्तरीय खेलो झारखंड के सफल आयोजन और पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी मनोज कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग तथा राज्य खेल कोषांग के सदस्यों ने बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में रैपिड रेल का काम शुरू, पटना से मुजफ्फरपुर सिर्फ 1 घंटे में पहुंचेंगे, जुड़ेंगे 3 इंडस्ट्रियल हब

पटना (एजेंसी) पटना से मुजफ्फरपुर के बीच रैपिड रेल चलाई जायेगी. इसके लिए काम शुरू कर दिया गया है. इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से पटना से मुजफ्फरपुर सिर्फ 1 घंटे में ही पहुंचा जा सकेगा. इतना ही नहीं, इससे 3 इंडस्ट्रियल हब जुड़ेंगे. बिहार कैबिनेट की ओर से आरआरटीएस के चार कॉरिडोर के निर्माण का फैसला लिया गया था. इसे लेकर एएआर और डीपीआर बनाने की मंजूरी दी गई थी. लगभग 31.59 करोड़ रुपये भी खर्च करने के लिए स्वीकृति किए गए थे. अब इस पर काम होना शुरू हो गया है. पटना और मुजफ्फरपुर के बीच रैपिड रेल का जाल बिछने पर काम शुरू कर दिया गया है. जानकारी के मुताबिक, वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट और डीपीआर बनाने की जिम्मेदारीको दिया गया है. की टीम की तरफ से काम करना शुरू कर दिया गया है. की टीम रैपिड रेल के जरिए सफर करने वाले यात्रियों का एक अनुमान लगाएगी और इसके अनुसार ही ट्रेन का रूट भी तय किया जाएगा. दिल्ली-एनसीआर के तर्ज पर ही बिहार में रैपिड रेल चलाने की योजना बनाई गई है. पटना से मुजफ्फरपुर सिर्फ 1 घंटे में पटना से मुजफ्फरपुर के बीच हाजीपुर के रास्ते रैपिड रेल चलेगी. इसके लिए अलग से आरआरटीएस बनाया जाएगा. इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से राज्य के लोगों को सेमी हाई स्पीड रेल की सुविधा मिल सकेगी. यह भी क्लियर किया गया है कि यह मेट्रो से अलग होगी. इसके जरिए पटना से मुजफ्फरपुर सिर्फ 1 घंटे में ही पहुंच सकेंगे. इंडस्ट्रियल हब और एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी रैपिड रेल की एवरेज स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा जबकि अधिकतम स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटा है. ऐसे में पटना से मुजफ्फरपुर जाने में अभी 2 घंटे लगते हैं लेकिन प्रोजेक्ट पूरा होने से अभी आधे समय में दूरी तय की जाएगी. खास बात यह होगी कि इससे तीन इंडस्ट्रियल हब पटना, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर जुड़ सकेगा. साथ ही प्रस्तावित सोनपुर एयरपोर्ट से भी कनेक्टिविटी बढ़ सकेगी. एएआर में क्या-क्या किया जाएगा अध्ययन वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट के बारे में बताया जा रहा है कि अभी यह देखा जा रहा है कि किस रूट पर यात्रियों का ज्यादा आना-जाना होता है. इस तरह से संभावित रूट और स्टॉपेज के स्टेशनों और अन्य तकनीकी पहलुओं को देखा जाएगा. इस अध्ययन के दौरान लागत, जमीन और निर्माण तकनीक को ध्यान में रखा जाएगा. इसके अलावा पटना मेट्रो, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य परिवहन सुविधाओं को रैपिड रेल से जोड़ने को लेकर अध्ययन किया जाएगा. इस तरह से एक संभावित अनुमान लगाते हुए रिपोर्ट तैयार की जाएगी.

पटना के खुसरूपुर में सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत; पहचान में जुटी पुलिस

पटना (एजेंसी) खुसरूपुर में सड़क हादसे का शिकार हुए व्यक्ति की मौत हो गई. मोसीमपुर के पास मिली ग्लैमर बाइक से पुलिस कर रही है शिनाख्त. खुसरूपुर थाना क्षेत्र के मोसीमपुर के पास शनिवार की रात हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गयी. दुर्घटना के बाद पुलिस ने मौके से ग्लैमर बाइक बरामद की है. मृतक की पहचान अभी आधिकारिक रूप से नहीं हो सकी है. पुलिस बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर और स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के आधार पर मृतक की शिनाख्त करने में जुटी है. मोसीमपुर सड़क पर लहूलुहान हालत में मिला था व्यक्ति बताया जाता है कि शनिवार की रात मोसीमपुर सड़क के पास एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल और लहूलुहान अवस्था में पड़ा मिला. घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया.इसी नंबर के आधार पर पुलिस वाहन के मालिक और मृतक की पहचान से जुड़ी जानकारी जुटा रही है. नरौली करौटा गांव का निवासी होने की चर्चा स्थानीय सूत्रों के अनुसार मृतक के नरौली करौटा गांव का रहने वाला होने की बात सामने आ रही है. हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. पुलिस स्तर से पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मृतक के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी.

सारण में बाढ़ के बीच कंधे पर राशन की बोरी लेकर घर-घर पहुंचे खान सर, मकेर में राहत कार्य में जुटे

पटना (एजेंसी) खान सर सारण में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे, खुद कंधे पर राशन की बोरी उठाकर जरूरतमंदों के घर-घर पहुंचे. राहत सामग्री और स्वास्थ्य मदद का इंतजाम. सारण में बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच राहत और मदद का सिलसिला जारी है. इसी बीच खान सर भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर लोगों की मदद करते नजर आये. मकेर में उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और जरूरत के सामान के साथ राशन भी पहुंचाया. कई जगहों पर वह खुद अपने कंधे पर राशन की बोरी उठाकर लोगों के घर तक पहुंचते दिखे. कंधे पर राशन की बोरी लेकर घर-घर पहुंचे खान सर बाढ़ प्रभावित इलाकों में घूम-घूमकर लोगों से मिल रहे हैं और उनकी जरूरतों को समझ रहे हैं.

इस दौरान कई जगहों पर उन्होंने खुद राशन की बोरी उठायी और प्रभावित परिवारों के घर तक पहुंचे. बाढ़ के पानी के बीच राहत सामग्री पहुंचाने में उनकी टीम भी लगातार जुटी हुई है. राशन के साथ गैस सिलेंडर और चूल्हे की भी मदद बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए खान सर की टीम की ओर से राशन, सूखा खाद्य पदार्थ और खाना उपलब्ध कराया जा रहा है. जरूरत के अनुसार गैस सिलेंडर, चूल्हा और दूसरी जरूरी सामग्री भी लोगों तक पहुंचायी जा रही है. बाढ़ के कारण जिन परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चुनौती है, वहां आवश्यक सामान पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है. बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं से भी मिले राहत सामग्री पहुंचाने के दौरान खान सर प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी लेते नजर आये. उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं से मुलाकात कर बाढ़ की स्थिति और उनकी जरूरतों को समझने की कोशिश की. पानी से घिरे इलाकों में लोगों तक राहत पहुंचाना टीम के लिए चुनौती बना हुआ है. दवा और हेल्थ चेकअप की भी व्यवस्था राहत सामग्री के साथ स्वास्थ्य संबंधी मदद भी उपलब्ध करायी जा रही है. प्रभावित लोगों के लिए दवाइयों और हेल्थ चेकअप की व्यवस्था की जा रही है. जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सहायता पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, ताकि बाढ़ के बीच स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों को तत्काल मदद मिल सके. नाव और दूसरे साधनों से पहुंचायी जा रही राहत खान सर की टीम बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार घूम रही है. कहीं नाव के जरिए राहत सामग्री पहुंचायी जा रही है, तो कहीं पानी से घिरे इलाकों तक दूसरे साधनों से सामान पहुंचाया जा रहा है. राहत अभियान के दौरान खान सर खुद भी कई जगहों पर लोगों के बीच पहुंचकर सामान बांटते नजर आये. मां ने किया वीडियो कॉल, बोले- खामखा टेंशन लेती हैं मम्मी राहत कार्य के दौरान खान सर की मां ने उन्हें वीडियो कॉल भी किया. बाढ़ प्रभावित इलाके में बेटे को देखकर मां ने चिंता जतायी. इस पर खान सर ने अपनी मां को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह बिल्कुल ठीक हैं और बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद में जुटे हैं. राहत पहुंचाते खान सर का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में बाढ़ के बीच राहत सामग्री लेकर लोगों के घरों तक पहुंचते खान सर के वीडियो सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं. वीडियो में वह खुद राशन की बोरी उठाकर प्रभावित परिवारों तक पहुंचाते नजर आ रहे हैं. मकेर में बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच उनकी टीम की ओर से राहत सामग्री और जरूरी मदद पहुंचाने का सिलसिला जारी है.

पटना जू में दुनिया में सबसे ज्यादा घड़ियाल,14 व्यस्क और 151 शावक

पटना (एजेंसी) पटना जू में 165 घड़ियाल, 10 गैंडे और 10 बाघों सहित कई दुर्लभ जीव हैं। वन्य प्राणी सप्ताह पर जानें जू की खासियतों को। वन्य प्राणी सप्ताह के मौके पर पटना जू की खासियतों की चर्चा एक बार फिर सामने आयी है. घड़ियालों की संख्या के मामले में पटना जू दुनिया के चिड़ियाघरों में सबसे आगे है. यहां वर्तमान में कुल 165 घड़ियाल मौजूद हैं. इनमें 14 व्यस्क और 151 बच्चे हैं. बड़ी संख्या में घड़ियालों की मौजूदगी पटना जू को देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के प्रमुख चिड़ियाघरों में अलग पहचान दिलाती है. पटना जू में 165 घड़ियाल, 14 व्यस्क और 151 बच्चे पटना जू में मौजूद 165 घड़ियालों में चार नर और 10 मादा व्यस्क हैं. इसके अलावा एक से चार वर्ष की उम्र के 151 बच्चे भी यहां मौजूद हैं. घड़ियालों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में पटना जू की भूमिका महत्वपूर्ण रही है. इन घड़ियालों में से कई को भविष्य में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व ले जाकर गंडक नदी में छोड़ने की योजना है. इसका उद्देश्य घड़ियालों की प्राकृतिक आबादी को बढ़ाना और उनके संरक्षण को मजबूत करना है. गैंडे की संख्या में

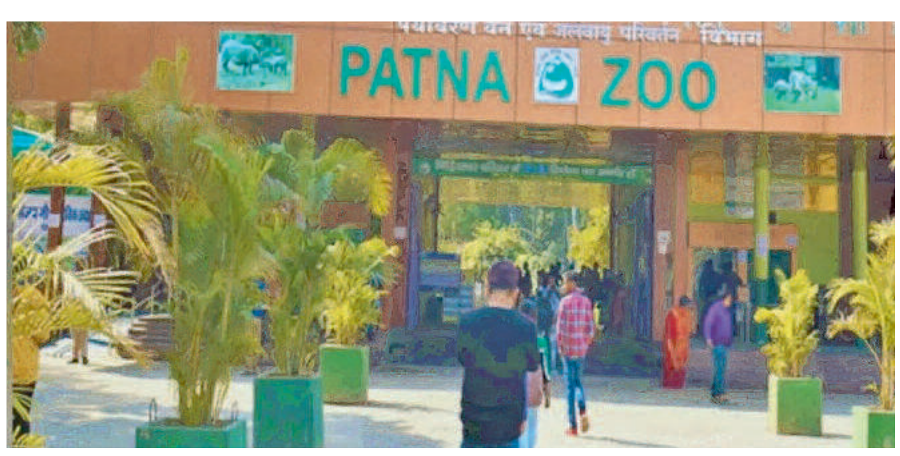

भी पटना जू की खास पहचान घड़ियाल के अलावा पटना जू गैंडे के लिए भी जाना जाता है. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित सैन डिएगो जू के बाद पटना जू में गैंडों की संख्या सबसे अधिक है. यहां कुल 10 गैंडे हैं, जिनमें छह नर और चार मादा हैं. इनमें आठ व्यस्क और दो बच्चे हैं. पटना जू में गैंडों की अलग-अलग प्रजातियां भी मौजूद हैं. इनमें असम की प्रजाति और नेपाल के चितवन नेशनल पार्क से संबंधित प्रजाति के साथ कैलिफोर्निया की प्रजाति भी शामिल है. 53 वर्षों में 53 बाघों का रहा आवास पटना जू बाघों के लिए भी लंबे समय से प्रसिद्ध रहा है. बीते 53 वर्षों में यहां 53 बाघों का आवास रहा है. इनमें 36 बाघों का जन्म पटना जू में ही हुआ है. वर्तमान में जू में कुल 10 बाघ हैं. इनमें पांच सफेद बाघ और पांच पीले-भूरे धारीदार बाघ शामिल हैं. सफेद बाघों की मौजूदगी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. सीता-गीता की जोड़ी भी आकर्षण का केंद्र पटना जू में बब्बर शेर भी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे हैं. फिलहाल यहां दो सिंहनी मौजूद हैं, जिनके नाम सीता और गीता हैं. इनके अलावा चिंपांजी का एक जोड़ा भी जू में है. चिंपांजी के नाम कार्तिकेय और सुभद्रा हैं. जू में हिप्पोपोटामस के दो जोड़े भी मौजूद हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचते हैं. पांच जिराफ में दो नर और तीन मादा पटना जू में पांच जिराफ हैं. इनमें दो नर और तीन मादा शामिल हैं. नर जिराफ के नाम भीमा और अमन हैं, जबकि मादा जिराफ के नाम हीमा, हिमानी और नंदिनी हैं. जिराफ समेत बड़े शाकाहारी जीवों की मौजूदगी पटना जू को वन्यजीव प्रेमियों के लिए खास बनाती है. सफेद कृष्ण मृग समेत कई दुर्लभ जीव मौजूद पटना जू में केवल बड़े जानवर ही नहीं, बल्कि कई दुर्लभ वन्यजीव भी मौजूद हैं

फर्जी प्रमाणपत्र पर 500 से अधिक लोगों को भेजा विदेश, 3 गिरफ्तार,118 पासपोर्ट समेत, इन देशों की करेंसी बरामद

पटना (एजेंसी) पटना में 500 से अधिक लोगों को खाड़ी देशों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़. 3 आरोपी गिरफ्तार, 118 पासपोर्ट और विदेशी मुद्रा बरामद. पटना गांधी मैदान पुलिस ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर पासपोर्ट बनाकर लोगों को खाड़ी देशों में नौकरी दिलाने के नाम पर विदेश भेजने वाले गिरोह का खुलासा किया है. पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य खुद फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र, मेडिकल जांच रिपोर्ट और इंटरव्यू लेटर तैयार करते थे. इसके बाद लोगों से मोटी रकम लेकर उन्हें विदेश भेजा जाता था. वैशाली ट्रैवल्स कंसल्टेंसी के कार्यालय में छापा पुलिस ने शुक्रवार को एग्जिबिशन रोड स्थित चांदी व्यापार भवन की पांचवीं मंजिल पर चल रहे

वैशाली ट्रैवल्स कंसल्टेंसी सर्विस के कार्यालय में छापेमारी की. इस दौरान तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया. कार्यालय से बिहार, असम समेत विभिन्न राज्यों के लोगों के 118 पासपोर्ट और फर्जी दस्तावेजों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया. वैशाली, जहानाबाद और पटना के आरोपी धराए गिरफ्तार आरोपितों में वैशाली जिले के महनार निवासी तनवीर आलम, जहानाबाद के मखदुमपुर निवासी शाहिद अनवर और पटना के गर्दनीबाग निवासी तौसीफ आलम शामिल हैं. पुलिस ने कार्यालय से विभिन्न संस्थाओं के अनुभव प्रमाणपत्र, पैथोलॉजी जांच पर्चियों की बुकलेट, फर्जी इंटरव्यू लेटर, तीन लैपटॉप, एक सीपीयू, पांच मोबाइल और 1.44 लाख रुपये नकद बरामद किये हैं. दुबई, ओमान और सऊदी अरब की करेंसी मिली छापेमारी के दौरान पुलिस को विदेशी मुद्रा भी मिली. इसमें दुबई की 210 दिरहम, ओमान की सात रियाल और सऊदी अरब की 1000 रियाल शामिल हैं. पुलिस बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों की जांच कर गिरोह के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है. दो से तीन लाख रुपये लेकर भेजते थे विदेश प्रारंभिक जांच में पुलिस के सामने आया है कि गिरोह के सदस्य खाड़ी देशों में फिटर, इलेक्ट्रीशियन समेत विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर प्रत्येक व्यक्ति से दो से तीन लाख रुपये लेते थे. पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज तैयार कराने के नाम पर अलग से रकम वसूली जाती थी. 500 से अधिक लोगों को भेज 10 करोड़ से अधिक कमाया पुलिस के अनुसार, अब तक 500 से अधिक लोगों को विदेश भेजे जाने की जानकारी मिली है. पुलिस को आशंका है कि इस धंधे से गिरोह ने 10 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है. हालांकि, इस राशि और विदेश भेजे गये लोगों की संख्या की विस्तृत जांच अभी जारी है. फर्जी मेडिकल रिपोर्ट और अनुभव प्रमाणपत्र की जांच पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में गिरफ्तार तीनों आरोपितों के अलावा और कौन-कौन लोग शामिल हैं. लोगों को कार्यालय तक कैसे बुलाया जाता था, फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र और मेडिकल रिपोर्ट कहां तैयार होती थी तथा इन दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट और विदेश में नौकरी की प्रक्रिया कैसे पूरी करायी जाती थी

पटना के बिक्रम में बालाजी मंदिर के पास पेड़ से लटका मिला 20 वर्षीय युवक का शव

पटना (एजेंसी) पटना के बिक्रम में बालाजी मंदिर के पास पेड़ से 20 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. पुलिस जांच में जुटी. बिक्रम थाना क्षेत्र के तिमुहानी स्थित बालाजी मंदिर के समीप रविवार सुबह पेड़ से लटका एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी. मृतक की पहचान जानीपुर थाना क्षेत्र के महंगूपुर निवासी मुकेश प्रसाद के 20 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है. सुबह करीब सात बजे स्थानीय लोगों ने पेड़ से शव लटका देखा, जिसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी. राजमिस्त्री के साथ मजदूरी करता था बिट्टू परिजनों के अनुसार, बिट्टू कुमार राजमिस्त्री के साथ मजदूर के रूप में काम करता था. बताया गया कि घटना से पहले उसने अपने एक दोस्त के मोबाइल पर फोन कर बातचीत की थी. बातचीत के दौरान उसने अपने दोस्त को बिक्रम के जंगल

में होने की बात बतायी थी. इसके कुछ समय बाद ही बालाजी मंदिर के समीप पेड़ से उसका शव लटका मिला. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शुरू की जांच शव मिलने की सूचना मिलते ही बिक्रम थाना के अपर थानाध्यक्ष वरुण कुमार और पुलिस पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की छानबीन शुरू कर दी. युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस उसके परिजनों और दोस्तों से भी जानकारी जुटा रही है. प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला, सभी बिंदुओं पर जांच पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. हालांकि मौत के कारणों को लेकर पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा. शव मिलने की खबर से परिवार में मचा कोहराम युवक का शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गये.

पटना के दो घाटों पर बनेगा वर्ल्ड क्लास टर्मिनल, 1200 करोड़ के प्रोजेक्ट पर काम शुरू

पटना (एजेंसी) पटना में अब वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने वाला है. इस पूरे प्रोजेक्ट पर लगभग 1200 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे. इसके लिए पटना के दो घाटों पर वर्ल्ड क्लास टर्मिनल बनाए जायेंगे. इस प्रोजेक्ट से पटना की तस्वीर बदल सकेगी. बिहार में ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मॉडर्न और बेहतर बनाने पर पूरा जोर दिया जा रहा है. रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए कई प्रोजेक्ट पर काम किए जा रहे हैं. ऐसे में अब वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर भी काम में तेजी ला दी गई है. पटना में गंगा किनारे मरीन ड्राइव और शहर के बीचोबीच मेट्रो प्रोजेक्ट के बाद अब वाटर मेट्रो पर काम तेज कर दिया गया है. 1200 करोड़ है प्रोजेक्ट की लागत इस तरह से पटना में अब वॉटर टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल सकेगा. वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट की लागत लगभग 1200 करोड़ रुपये बताई जा रही है. जिले में वाटर मेट्रो की शुरूआत होने से शहर की तस्वीर बदल सकेगी. गंगा किनारे लोगों को एक अलग ही नजारा देखने के लिए मिलेगा. कंगन और पहलवान घाट पर बनेगा टर्मिनल मिली जानकारी के मुताबिक, पटना के दो घाटों कंगन और पहलवान घाट पर वर्ल्ड क्लास टर्मिनल बनाया जाएगा. यहां देश-विदेशों से आने वाले क्रूज का ठहराव हो सकेगा. दोनों घाटों पर टर्मिनल के निर्माण के लिए दो-दो एकड़ की जमीन भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण पटना को आवंटित की है. दोनों टर्मिनल के निर्माण की लागत लगभग 200 करोड़ रुपये बताई जा रही है. टर्मिनल का काम 2029 तक पूरा होने की संभावना है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें लोगों को मिलेगा रोजगार का अवसर इस तरह से पटना के कंगन घाट और पहलवान घाट को नई पहचान मिल सकेगी. इसके आस-पास के इलाकों का विकास हो सकेगा. साथ ही लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकेंगे. कंगन घाट पर रीवर क्रूज टर्मिनल के बारे में पटना के एक अधिकारी की माने तो, टर्मिनल के लिए बिल्डिंग के साथ पूरी यूनिट का निर्माण किया जाएगा. पांटून पर 4 जहाजों के ठहरने की व्यवस्था इसके साथ ही टर्मिनल और गंगा में बनाए जाने वाले पांटून को जेपी गंगा पथ के नीचे से गुजरने वाले गैंगवे कनेक्ट किया जाएगा. इसकी लंबाई लगभग 150 मीटर की होगी. बताया जा रहा है कि एक पांटून पर 4 जहाजों के स्टॉपेज की व्यवस्था होगी. इसके अलावा वहां फ्यूल बंकरिंग सिस्टम की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. टर्मिनल के चारों तरफ एलिवेटेड एरिया होगा, जो कि लोगों के लिए बेहद आकर्षक होगा.

पटना में आज 34 मोहल्लों की बिजली रहेगी गुल, 9 से 11 बजे तक होगी कटौती, आपके इलाके में कब आएगी बिजली

पटना (एजेंसी) पटना में दुगार्पूजा से पहले बिजली विभाग बड़ा रखरखाव कार्य करेगा. इसके चलते 34 मोहल्लों में 1 से 3 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. अपने इलाके की सूची देखें. पटना. दुगार्पूजा से पहले ट्रांसफार्मरों के रखरखाव और बिजली के तारों पर आ गयी पेड़ों की टहनियों की छंटाई का काम किया जाएगा. इसके कारण रविवार को सात फीडर से जुड़े 34 मोहल्लों में एक से तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. सुबह 8 से 10 बजे तक इन इलाकों में कटेगी बिजली सुबह 8 बजे से 10 बजे तक जीएम रोड, मखनियां कुआं, पटना मार्केट, अशोक राजपथ, सब्जीबाग, मखनियां कुआं और हॉस्पिटल कैंपस की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी. 10 से 11:30 बजे तक इन

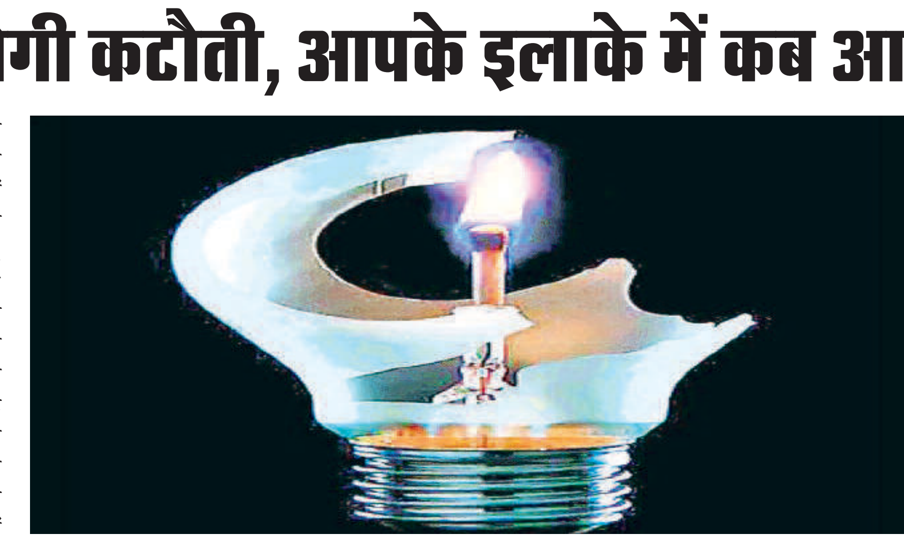

मोहल्लों में बिजली रहेगी बंद सुबह 10 बजे से 11:30 बजे तक एनआइटी मोड़, गांधी चौक, महेंद्रू पोस्ट ऑफिस, शिवपुर, टिकिया टोली, शाहगंज, गोलकपुर और रानीघाट में बिजली कटौती रहेगी. सुबह 9 से 11 बजे तक इन इलाकों में कटौती सुबह 9 बजे से 11 बजे तक पूर्वी गांधी मैदान, गोला रोड, दलदली रोड और पुलिस लाइन की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. 11 से 12 बजे तक इन मोहल्लों में बिजली कटेगी दोपहर 11 बजे से 12 बजे तक सैदपुर, प्रेमचंद रंगशाला, खटाल गली और कचौड़ी गली में बिजली बंद रहेगी. राजेंद्र नगर में दो घंटे तक बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित दोपहर 11 बजे से एक बजे तक राजेंद्र नगर रोड नंबर 3, 4, 5, 7 और 8 की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी. बाजार समिति इलाके में दोपहर तक कटौती सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बाजार समिति गेट, बहादुरपुर गांव और बाजार समिति रोड में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. रखरखाव के बाद बहाल होगी बिजली आपूर्ति बिजली विभाग की ओर से दुगार्पूजा से पहले ट्रांसफार्मरों के रखरखाव और बिजली तारों के आसपास मौजूद पेड़ों की टहनियों की छंटाई का काम किया जा रहा है. निर्धारित कार्य पूरा होने के बाद संबंधित इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी.

निवेश का रास्ता- रिटर्न से आगे, आपकी जीवनशैली और समय तय करेंगे सही विकल्प

90 फीसदी निवेश म्यूचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में

नई दिल्ली ।

लंबी अवधि में धन सृजन के लिए सीधे शेयरों या म्यूचुअल फंड में से क्या चुनें, यह सिर्फ रिटर्न का गणित नहीं है। आपकी जीवनशैली, उपलब्ध समय और वित्तीय लक्ष्य इस निर्णय में अहम भूमिका निभाते हैं। व्यस्त पेशेवरों के लिए सही चुनाव उनके करियर और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। यदि आप प्रति सप्ताह 50 घंटे से अधिक काम करते हैं, तो सीधे शेयरों में निवेश मुश्किल हो सकता है। इसमें कंपनियों के नतीजे पढ़ने, प्रबंधन पर नजर रखने और बाजार को समझने में काफी समय व मानसिक ऊर्जा लगती है। ऐसे में सीधे शेयरों को पोर्टफोलियो के छोटे हिस्से (अधिकतम 10 फीसदी) तक सीमित रखने की सलाह दी जाती है। इसके विपरीत, म्यूचुअल फंड व्यस्त पेशेवरों के लिए बेहतर हैं। यहां पेशेवर फंड मैनेजर हजारों निवेशकों का पैसा विभिन्न शेयरों में लगाते हैं, जिससे निवेशक को बाजार पर रोज नजर रखने की आवश्यकता नहीं रहती। लंबी अवधि के लक्ष्यों (सात साल से अधिक) जैसे रिटायरमेंट के लिए म्यूचुअल फंड सुविधा और निरंतर वृद्धि का अच्छा मेल हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) से नियमित और स्वचालित निवेश की सुविधा देते हैं, जो बाजार के उतार-चढ़ाव को कम करता है। कर और ब्रोकरेज शुल्क में भी यह अक्सर अधिक सुविधाजनक होते हैं। विशेषज्ञ कोर और सैटेलाइट रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं- 90 फीसदी निवेश म्यूचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में, जिससे जोखिम संतुलित रहता है और सीधे निवेश की इच्छा भी पूरी होती है।

सस्ते आईपीओ में निवेश करने वालों को मिला शानदार रिटर्न

ऑफर फॉर सेल वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया

नई दिल्ली।

जनवरी से अगस्त 2023 के दौरान शेयर बाजार में कम मूल्यांकन वाले आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। जिन कंपनियों ने नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई, वहां निवेशकों को खास तौर पर दीर्घकालिक फायदा मिला, जबकि अधिक मूल्यांकन वाले और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया। इस साल कम कीमत वाले आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार फायदा हुआ है, खासकर जब आईपीओ से जुटाई गई रकम सीधे कंपनी के पास गई हो, न कि मौजूदा शेयरधारकों के पास। कैपिटालाइन और प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 20 गुना से कम प्राइस टू अर्निंग (पीई) अनुपात वाले 12 आईपीओ ने 29 सितंबर तक औसतन 45.4 फीसदी का रिटर्न दिया। इनमें से नौ आईपीओ ने मुख्य रूप से नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई थी और उन्होंने औसतन 51.3 फीसदी रिटर्न दिया। इन शेयरों में ज्यादातर बढ़त सूचीबद्धता के बाद हुई, जो औसतन 5.3 फीसदी प्रीमियम पर खुले और तब से सूचीबद्धता के दिन के बंद भाव से औसतन 35.2 फीसदी ऊपर चढ़े हैं। पाईपर सेरिका के एक अे धिकारी ने बताया कि ज्यादा वैल्यूएशन वाली लिस्टिंग और केवल ओएफएस वाले आईपीओ में निवेशकों के लिए कमाई की गुंजाइश कम बचती है। इसके विपरीत, जिन इश्यू की कीमत कमाई का 30-50 गुना थी, उन्होंने सबसे ज्यादा औसत रिटर्न (58.8 फीसदी) दिया, लेकिन उनका अधिकांश फायदा लिस्टिंग के दिन ही मिल गया। लिस्टिंग के बाद उनमें केवल 10.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, 100 गुना से अधिक कीमत वाले तीन इश्यू ने औसतन सबसे कम 20.8 फीसदी का रिटर्न दिया, जिसमें 133.2 गुना कीमत वाला लीप इंडिया का शेयर अपनी पेशकश कीमत से 13.5 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है।

एप्पल तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है 13 अक्टूबर को

नई दिल्ली ।

आगामी 13 अक्टूबर को एप्पल कंपनी अपने स्मार्ट होम सेगमेंट को मजबूत करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस दिन तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है। एप्पल का लंबे समय से प्रतीक्षित स्मार्ट होम हब होमपैड इसमे प्रमुखता से शामिल है। इसके अलावा होमपैड मिनी का एक नया संस्करण और अपडेटेड एप्पल टीवी भी पेश किए जाने की संभावना है। यह लॉन्च एप्पल के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि होमपैड कंपनी को एक नई प्रोडक्ट कैटेगरी में लाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इन तीनों डिवाइस में एप्पल की नई सिरी एआई तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। होमपैड स्मार्ट होम हब में लगभग 6 इंच की स्क्रीन, सिरी एआई, आवाज और चेहरे की पहचान जैसी उन्नत सुविधाएँ मिल सकती हैं।

सेंसेक्स को 71,000-71,200 के स्तर पर सपोर्ट मिलने की संभावना, निफ्टी के लिए 22,800 का टारगेट- एक्सपर्ट्स

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ कारोबार समाप्त किया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी संकेतकों के आधार पर निकट अवधि में राहतभरी तेजी (रिलीफ रैली) देखने को मिल सकती है।इतिहास पिछले सप्ताह बाजार में कमजोरी का दौर लगातार जारी रहा। सोमवार को सेंसेक्स 1.52 प्रतिशत गिरा और इसके बाद भी बिकवाली का दबाव बना रहा। गुरुवार को सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज हुई। पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 1,670.84 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली, ऊंची बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों में ताजा उछाल ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सत्र के अंत में सेंसेक्स 570.59 अंक यानी 0.79 प्रतिशत गिरकर 71,909.70 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 71,292.88 के स्तर तक फिसल गया, जो इसका नया 52-सप्ताह का निचला स्तर रहा। वहीं निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत गिरकर 22,421.95 पर बंद हुआ। ज़्यादा जानें शहर

समाचार हृद्द2ह्य समाचार बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल सेंसेक्स अपने प्रमुख मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है। यह 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) 75,544.56 और 200-दिवसीय ईएमए 77,684.60 से काफी नीचे है, जो बाजार में कमजोरी का संकेत देता है।

हालांकि तकनीकी विश्लेषकों का कहना है कि सेंसेक्स के लिए 71,000 से 71,200 के बीच का क्षेत्र एक महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

रविवार 4 अक्टूबर को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे वाहन चालकों को मामूली राहत मिली है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में ईंधन पुराने दाम पर ही उपलब्ध है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। यह स्थिरता सरकारी तेल कंपनियों के पंपों पर लागू है। देश के अन्य बड़े शहरों जैसे मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए करों और स्थानीय शुल्कों के कारण भिन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें और रुपए-डॉलर विनिमय दर भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि, एक अलग खबर में, निजी तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने 3 अक्टूबर को अपने पंपों पर पेट्रोल में 5 रुपये और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। यह वृद्धि केवल निजी कंपनी के आउटलेट्स पर लागू थी और सरकारी तेल कंपनियों के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इस्पात मंत्रालय का निर्देश- सेल और एनएमडीसी विदेशों में तलाशेंगे खनिज संपत्ति

दीर्घकालिक कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और उत्पादन लागत को नियंत्रित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एनएमडीसी लिमिटेड को विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज और अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश में इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना और लागत पर नियंत्रण रखना है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। इस्पात उत्पादन के लिए लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो प्रमुख कच्चे माल हैं, जिनमें से भारत अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है।

यह कोयला मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और मोजाम्बिक जैसे देशों से आता है। इसी तरह, कुछ चूना पत्थर भी आयात किया जाता है। विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से भारत की इस आयात निर्भरता को कम करने और भविष्य की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। निजी क्षेत्र में, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां पहले ही विदेशों में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल कर चुकी हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 50 फीसदी कच्चे माल की जरूरत को अपने स्रोतों से पूरा करना है। एनएमडीसी, जो मुख्य रूप से लौह अयस्क उत्पादक है, अब अन्य खनिजों की खोज में भी विस्तार कर रही है।

कमजोर बाजार में भी मजबूत दिख रहे चुनिंदा शेयर

निफ्टी की 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट जारी है, जहां निफ्टी 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज कर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, बढ़ती ग्लोबल बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार को दबाव में रखा है। हालांकि, इस कमजोर माहौल में भी, ब्रोकरेज फर्म एक्सिस डायरेक्ट ने तीन ऐसे शेयरों की पहचान की है जिनमें अगले कुछ हफ्तों में 21 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है। बाजार का मौजूदा रुख कमजोर बना हुआ है, निफ्टी लगातार आठवें, तो बैंक निफ्टी लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए हैं। निफ्टी के लिए 22,200 का स्तर अहम सपोर्ट है, जिसके टूटने पर यह 21,800 तक फिसल सकता है। बैंक निफ्टी के लिए 53,700 का स्तर महत्वपूर्ण है, जिसके नीचे 53,000 तक गिरावट आ सकती है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद, कुछ चुनिंदा शेयरों में तकनीकी रूप से मजबूती दिख रही है। एक्सिस डायरेक्ट ने गैलेक्स सर्फेक्टेंट्स को 2,300-2,254 रुपये की रेंज में खरीदने की सलाह दी है, जिसका लक्ष्य 2,670-2,750 रुपये और स्टॉपलॉस 2,080 रुपये है। एनालिस्ट्स के मुताबिक यह साप्ताहिक चार्ट पर तेजी की कैंडल बनाते हुए बढ़े हुए वॉल्यूम के साथ

पुराने ब्रेकआउट स्तर से ऊपर बढ़ रहा है, और सभी प्रमुख मूविंग एवरेज के ऊपर कारोबार कर रहा है। मैनकाइंड फार्मा को 2,500-2,450 रुपये के बीच खरीदने की सलाह है, जिसका लक्ष्य 2,695-2,760 रुपये और स्टॉपलॉस 2,365 रुपये है। यह स्टॉक भी साप्ताहिक चार्ट पर हायर हाई और हायर लो बना रहा है, जिसमें वॉल्यूम में वृद्धि और प्रमुख मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार इसकी मजबूती दर्शाते हैं। तीसरा शेयर इंजीनियर्स इंडिया (ईआईएल) है, जिसे 300-290 रुपये की रेंज में खरीदने की राय है।

बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के लिए आरबीआई रेपो रेट बढ़ा सकता है- विशेषज्ञ

अक्टूबर में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों ने जताया अनुमान

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की आगामी बैठक से पहले बाजार में ब्याज दरों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के प्रयासों के तहत, कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जिससे यह दर 5.25 फीसदी से बढ़कर 5.50 फीसदी हो सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 8 अर्थशास्त्रियों ने अक्टूबर की एमपीसी बैठक में इस बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की है। छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसके फैसले की घोषणा 7 अक्टूबर को की जाएगी। यह बढ़ोतरी फरवरी 2023 के बाद पहली होगी, जबकि आरबीआई ने पिछली चार बैठकों में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर बनाए रखा था। गौरतलब है कि 2025 में कुल 125 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई थी। रेपो रेट में संभावित वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती खुदरा और थोक महंगाई है। अगस्त में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.82 फीसदी हो गई थी, जो आरबीआई के 4 फीसदी के मध्यम अवधि लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसी अवधि में थोक महंगाई भी 9.92 फीसदी तक पहुंच गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक तनाव भी भविष्य में महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंता बढ़ा रहे हैं। महंगाई पर नियंत्रण के साथ-साथ आरबीआई के सामने आर्थिक विकास को बनाए रखने की चुनौती भी है। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि को देखते हुए, केंद्रीय बैंक को महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधना होगा। आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2027 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.7 फीसदी रखा है। यदि रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंकों के लिए कर्ज की लागत बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर रेपो-लिंक्ड होम लोन और अन्य कर्जों की मासिक किस्तों (ईएमआई) पर पड़ सकता है।

कैनन भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में उतारेगी लिथोग्राफी तकनीक

कंपनी चिप निर्माताओं को तकनीकी सहायता और सेवा केंद्र उपलब्ध कराने की बना रही योजना

नई दिल्ली ।

जापान की इमेजिंग और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी दिग्गज कैनन भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में उतरने की तैयारी में है।

कंपनी ने भारतीय चिप निर्माताओं को अपनी उन्नत लिथोग्राफी तकनीक और सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए देश में एक सेवा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। कैनन इंडिया के एक अे धिकारी ने इस कदम को भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के विस्तार के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि कैनन, जो चिप निर्माण में उपयोग होने वाली लिथोग्राफी मशीनों की वैश्विक आपूर्तिकर्ता है, अपनी प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय चिप निर्माताओं को सहयोग देना चाहती है। कंपनी ने भारत में विकसित की जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े पक्षों के साथ बातचीत की है, हालांकि अभी किसी विशेष समझौते की घोषणा नहीं की गई है। अे धिकारी के अनुसार जैसे-जैसे ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, कैनन के लिए समर्पित प्रौद्योगिकी सहायता और सेवा ढांचा स्थापित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

भारत एशिया में नेटऐप का शीर्ष वृद्धि बाजार-सीईओ

कंपनी बीएफएसआई, विनिर्माण और सरकारी क्षेत्रों में तेज वृद्धि देख रही

लास वेगास ।

डेटा अवसंरचना कंपनी नेटऐप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉर्ज कुरियन ने घोषणा की है कि भारत एशिया में उनकी कंपनी का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। उन्होंने देश में बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), विनिर्माण, आईटी सेवाएं और सरकारी क्षेत्रों को इस वृद्धि का प्रमुख चालक बताया। कुरियन ने कहा कि नेटऐप भारत में अपने कारोबार विस्तार के और अवसर तलाश रही है। बेंगलुरु स्थित इसका वैश्विक क्षमता केंद्र दुनिया का सबसे बड़ा है, जहां लगभग 4,000 इंजीनियर कार्यरत हैं और यह कंपनी के वैश्विक नवोन्मेषण व प्रमुख अनुसंधान एवं विकास का केंद्र है। भारत के ऑल-फ्लैश भंडारण बाजार में अग्रणी नेटऐप, भारतीय कर्मचारियों व साझेदारों के लिए अवसरों और निवेश में वृद्धि कर रही है। कुरियन ने कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने वाली कंपनियों को पहले अपने डेटा ढांचे को मजबूत करने की सलाह दी, ताकि वे परिसर-आधारित या

क्लाउड-आधारित एआई प्लेटफॉर्म बना सकें।

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर

मुंबई ।

आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते ब्याज जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा। निवेशक न केवल ब्याज दरों पर समिति के निर्णय का इंतजार करेंगे, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिति पर केंद्रीय बैंक के रुख को भी करीब से समझेंगे, जो भविष्य की ब्याज दर नीतियों का संकेत देगा। इसी सप्ताह मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे।

दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 8 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेगी। इन नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों से निवेशकों को आईटी क्षेत्र की मांग और कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में शुरुआती संकेत मिलेंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर ब्याज कई साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह हो सकता है, जिसका असर भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। उधर, पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए चिंताजनक है।

त्योहार सीजन में कंपनियां दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर आशान्वित

प्रीमियम मांग, आसान ईएमआई और अपग्रेडेशन पर फोकस से मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले एयर-कंडीशनर और अन्य उपभोक्ता उपकरणों की कीमतों में 5-8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

यह इस साल की तीसरी वृद्धि है, जो कच्चे माल, माल ढुलाई और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है। बावजूद इसके विनिर्माता इस बार बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर काफी आशावान हैं। उद्योग का मानना है कि प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग, पुराने उपकरणों को बदलने की जरूरत, आसान मासिक किस्त (ईएमआई) सुविधा और उपभोक्ता धारणा में सुधार से बिक्री को मजबूती मिलेगी।

दक्षिण भारत में ओणम के दौरान मिली अच्छी बिक्री से कंपनियों को नवरात्रि और दीपावली के दौरान भी मजबूत मांग की उम्मीद है। हायर अप्लायंसेज इंडिया को मूल्य के आधार पर त्योहारी बिक्री में 30-35 प्रतिशत और मात्रा में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। वहीं, सोनी इंडिया 15-20 प्रतिशत की वृद्धि देख रही है, जिसमें प्रीमियम टीवी और इमेजिंग उत्पादों का योगदान अहम होगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भी श्राद्ध पक्ष के दौरान पूछताछ में उत्साहजनक रुझान देखा है, जहां लोग नए घर में जाने या मौजूदा घर को अपग्रेड करने के लिए भी उपकरण खरीद रहे हैं। डिशवॉशर और वॉटर प्यूरीफायर जैसी नई श्रेणियों में भी मांग बढ़ रही है। हालांकि कीमतें बढ़ी हैं, ग्राहकों के लिए एक राहत है कि वितरकों और डीलरों ने कीमत बढ़ने से पहले पर्याप्त स्टॉक खरीद लिया था।

गोदरेज के अनुसार यह स्टॉक दीपावली तक पुराने दामों पर बाजार में उपलब्ध रह सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ समय तक नई कीमतों के असर से बचने का मौका मिलेगा। आमतौर पर यह त्योहारी मौसम उपभोक्ता उपकरण बनाने वाली कंपनियों की सालाना बिक्री में 30-40 प्रतिशत का योगदान देता है, और इस बार भी कंपनियों को मजबूत वृद्धि की उम्मीद है।

त्योहारी मांग के लिए ऑटो कंपनियां तैयार, उत्पादन बढ़ा, स्टॉक मजबूत

नई दिल्ली । देश में त्योहारी खरीदारी का मौसम शुरू होने के साथ ही प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कमर कस ली है। कंपनियों ने अपना उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ डीलर नेटवर्क पर भी स्टॉक मजबूत किया है, ताकि बुकिंग के अनुरूप समय पर डिलिवरी सुनिश्चित की जा सके और ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को कम किया जा सके। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के पास त्योहारों से पहले करीब 2.2 लाख लंबित बुकिंग हैं। कंपनी ने दो नई उत्पादन लाइनें शुरू कर अपनी कुल क्षमता 5 लाख वाहन बढ़ाई है। हुंदै मोटर इंडिया ने भी डीलर नेटवर्क में 4-5 सप्ताह का स्टॉक बढ़ाया है और लॉजिस्टिक्स बेहतर की है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन क्षमता 68,000 वाहन प्रति माह तक बढ़ाई है, जिससे आपूर्ति सुधरी और प्रतीक्षा अवधि घटी है। कंपनियों को मजबूत उपभोक्ता धारणा के बल पर इस त्योहारी सीजन में शानदार बिक्री की उम्मीद है। उनका लक्ष्य ग्राहकों को बेहतर उपलब्धता प्रदान कर मांग को बिक्री में बदलना है।

द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए राघव जुयाल ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट

एक्टर राघव जुयाल ने अपने द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टर्स के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ प्लेस' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है।

राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं।

अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकूं कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे अब भी लगता है कि शब्द कभी काफी नहीं होंगे। मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूं और आपको बहुत एडमायर करता हूं। सिर्फ एक एक्टर या आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। इस इंडस्ट्री में, जहां कई बार चीजें काफी अनिश्चित और शोर से भरी लगती हैं, ऐसे कई पल आए हैं जब मैं खुद को पूरी तरह खोया हुआ महसूस करता था। और पता नहीं कैसे, जब भी मैं ऐसे किसी क्रॉसरोड्स पर खड़ा हुआ, आप हमेशा मेरे साथ रहे, नानी दादा। दादा, आपने मुझे बैठाकर घंटों बात की है।

सिनेमा के बारे में, मेरे करियर के बारे में, जिंदगी के बारे में और कभी-कभी बिना किसी खास वजह के भी। आपने मेरी बातें सुनीं और मुझे समझा। आपने मुझे कभी इस बात के लिए छोटा महसूस नहीं कराया कि मैं कन्फ्यूज हूं या इमोशनल हूं। और हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल का बोझ थोड़ा हल्का जरूर महसूस हुआ। जिस तरह आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बातें सुनीं और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया।

कुछ लोग आपको एडवाइस देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको महसूस कराते हैं कि आपको सच में समझा गया है और साथ ही आपको एक नया पर्सपेक्टिव भी देते हैं। नानी दादा, आपने मुझे दोनों चीजें दीं। आपने मुझे समझने में मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूं, कौन से चॉइसेस लेना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी, उन फैसलों के बीच मुझे किस तरह का इंसान बने रहना है।

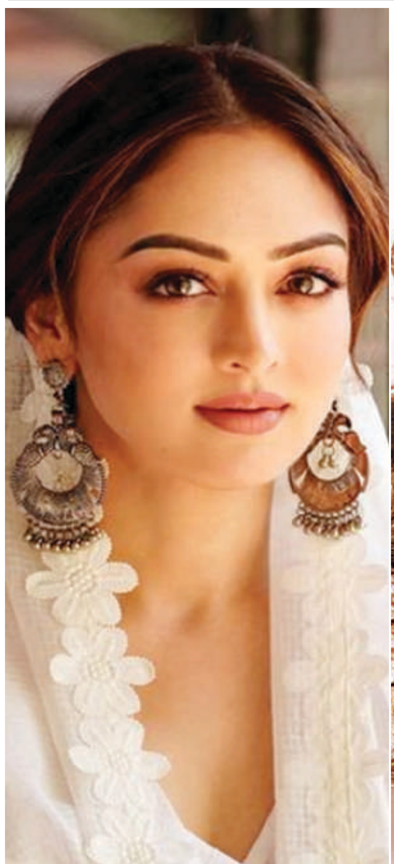

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं

मुंबई संदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें 'चुंबक' का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है। शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टीरियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए ट्विंकल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की। संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास ट्विंकल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है।

उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें।

संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।

उर्वशी रौतेला ने एआई कंपनी से मांगा सात हजार करोड़ का हर्जाना, मिला जवाब

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अमेरिका की एक एआई कंपनी बॉलीवुड एआई पर कानूनी कार्रवाई की बात कही है। एक्ट्रेस का आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के उनकी तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल किया है। इस मामले पर कंपनी की तरफ से भी जवाब दिया गया।

क्या कहा उर्वशी की टीम ने

उर्वशी रौतेला ने लॉस एंजेलिस बेस्ड एआई कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। एक्ट्रेस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दावा किया है कि बिना उनकी अनुमति लिए कंपनी ने उनकी फोटोज और वीडियो का उपयोग किया है। उर्वशी की टीम ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'हम लॉस एंजिल्स स्थित इस कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इससे हुए नुकसान की कीमत फिलहाल 7,000 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने उर्वशी की फोटोज और वीडियो का उपयोग करके कई अरबों डॉलर का कारोबार खड़ा किया है। आप अपना ब्रांड बनाएं, कंपनी बनाएं मगर उर्वशी का नाम उससे दूर रखें तब तक आपने उनसे अनुमति न ली हो।'

एआई कंपनी के सीईओ ने क्या दिया जवाब

मामले पर बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड एआई कंपनी के संस्थापक और सीईओ शीराज हसन ने भी जवाब दिया। शीराज ने भी एक पोस्ट जारी कर सफाई देते हुए लिखा, 'उर्वशी, हमने तुम्हारे मुंह में ये शब्द नहीं डाले। मैं तुम्हें सलाह देता हूं कि जवाब देने से पहले एआई और बॉलीवुड के मनोरंजन जगत के भविष्य के बारे में अच्छी तरह से जानकारी हासिल कर लो।'

शीराज ने आगे लिखा, 'बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड. एआई मनोरंजन का भविष्य हैं। एआई फिल्में, वर्टिकल ड्रामा और ऐसे डिजिटल सितारे, जो कभी बूढ़े नहीं होते, कई भाषाएं बोलते हैं, 24 घंटे काम करते हैं और जिनका कोई अहंकार नहीं होता। आप अपने जवाब से लड़ सकती हैं, लेकिन आने वाले बदलाव से नहीं लड़ सकतीं। इसे अपनाइए। बॉलीवुड में मनोरंजन उद्योग का विकास हो रहा है।'

एआई पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

कुछ दिन पहले एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला से बॉलीवुड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में सवाल पूछे गए थे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि एआई बॉलीवुड को प्रभावित कर रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग से प्यार है।

'रिपोर्टिंग लाइव' में फील्ड रिपोर्टर बनेंगी परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है।

परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ आगे बढ़ती है, जो अपने अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है। फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, ''मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूं। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है और अब फिल्म को दुनिया के सामने लाने का मौका भी खास अनुभव है।''

ध्रुव ने कहा, ''मैं ऐसी थ्रिलर बनाना चाहता था, जो जमीन से जुड़ी और असली लगे, लेकिन कहानी के केंद्र में मौजूद आम लोगों की जिंदगी और उनकी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करे। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू ने इस प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने में अपना अहम योगदान दिया है। अब मैं चाहता हूं कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें और फिल्म से जुड़ें। फिल्म की प्रोड्यूसर पार्थ किरण ठाकुर ने भी 'रिपोर्टिंग लाइव' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ''फिल्म की कहानी और इसे बड़े स्तर पर पर्दे पर उतारने, दोनों में काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। टीम के पास शुरुआत से ही फिल्म को लेकर एक साफ विजन था और इसे इतने मजबूत कलाकारों के साथ पूरा होते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा।

करण जौहर ने 'कॉफी विद करण' के फाइनल सीजन का किया ऐलान

फिल्ममेकर और टीवी होस्ट करण जौहर का पॉपुलर सेलिब्रिटी चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। करण जौहर ने शो के फाइनल सीजन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह शो के सफर को याद करते हुए काफी इमोशनल नजर आए। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ''मुझे लगता है कि हमें बात करनी चाहिए, कॉफी पर... 'हॉटस्टार स्पेशल्स : कॉफी विद करण सीजन 9' का प्रीमियर 14 अक्टूबर से जियोस्टार पर होगा।'' वीडियो में करण ने शो शुरू होने के पीछे की कहानी शेयर की। उन्होंने कहा, ''यह जून 2004 की बात है, जब मैंने अपने पिता यश जौहर से कहा था कि मैं एक टॉक शो होस्ट करना चाहता हूं। मैं दो सेलिब्रिटीज या स्टार्स को बुलाकर उनके साथ खुलकर बातचीत करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी तरफ देखा और मजाकिया अंदाज में पूछा- 'करण तुम अपने दोस्तों को बुलाकर उनसे बातें ही तो करोगे, फिर कोई इसके लिए पैसे क्यों देगा?'''

हिंदी फिल्में बनाना सबसे जटिल

अभिनेता अजय देवगन का फिल्मी सफर तीन दशक लंबा रहा है। हाल ही में फिक्की (एफआईसीसीआई) के समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने हिंदी फिल्में बनाने को सबसे जटिल बताया।

अजय देवगन हाल ही में फिक्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय समारोह में शामिल हुए। जहां उन्होंने हिंदी सिनेमा और 1990 के दशक के एकल-स्क्रीन युग से लेकर मल्टीप्लेक्स के बढ़ते प्रभाव और अब सिनेमाघरों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, शहरों, कस्बों और सोशल मीडिया में बदलाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी अन्य सिनेमा से श्रेय नहीं छीन रहा हूं। चाहे आप इसे पारंपरिक सिनेमा कहें या अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा मेरा मतलब है कि वहां फिल्में बनाना उतना ही मुश्किल है। लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है, क्योंकि आपको पता नहीं होता कि आपके दर्शक कौन हैं।' आगे अपनी बाच को स्पष्ट करते हुए अजय ने कहा, 'जब आप कोई पंजाबी फिल्म, तेलुगु फिल्म या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आप दर्शकों को समझते हैं। क्योंकि यह एक विशेष क्षेत्र के लिए होती है। और आप उनकी पसंद को जानते हैं। इसलिए आप उसी दर्शक वर्ग को ध्यान में रखते हैं। हिंदी फिल्म के लिए अच्छा प्रदर्शन करना, मुझे लगता है कि हर 80-90 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है। सोचने का तरीका बदल जाता है। फिर आप जनसमूह, वर्ग, शहरों, शहरी क्षेत्रों की बात करते हैं। आप कस्बे की बात करते हैं।

अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन फ्रैंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में वापसी कर रहे हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com